PM SHRI
Pradhan Mantri Schools For Rising India
Creating Holistic And Well-rounded Individuals Equipped With Key 21st Century Skills

सत्यमेव जयते
ગુજરાત સરકાર

निपुण भारत

शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा
सब के लिए शिक्षा



वार्षिक रिपोर्ट
2022-23

समग्र शिक्षा
गुजरात स्कूल शिक्षा परिषद

समग्र शिक्षा
सेक्टर-17, गांधीनगर, गुजरात
टोल फ्री संख्या: 1800-233-7965 | www.ssagujarat.org

प्रस्तावना

आप सभी के समक्ष 'समग्र शिक्षा-गुजरात' की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2022-23 को प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह रिपोर्ट गुजरात की विद्यालय शिक्षासे सम्बंधित हमारे प्रयासों, उपलब्धियों और चुनौतियों का एक वृहत स्वरूप है।

'समग्र शिक्षा-गुजरात' सरकार की दृष्टि और प्रतिबद्धता को समाहित करते हुए यह सुनिश्चित करती है कि प्रारंभिक शिक्षा विद्यालय से लेकर 12वीं कक्षा तक की शिक्षण-प्रणाली, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और सतत विकास लक्ष्य-4 (SDG-4) के अनुरूप समावेशी और समान गुणवत्ता वाली है। यह रिपोर्ट समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन में शामिल विभिन्न हितधारकों के अथक सामूहिक प्रयासों की रूपरेखा है।

समग्र शिक्षा, प्रारंभिक शिक्षा विद्यालय से 12वीं तक की शिक्षा सम्बन्धी एक समावेशी कार्यक्रम है जो विद्यालय शिक्षा के बेहतर परिणामों, मूल्यांकनों के साथ सभी वर्गों तक इसकी पहुँच को सुलभ बनाने जैसे व्यापक उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व में चलाये गए सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा योजनाएं (TE) शामिल हैं।

समग्र शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना, उनके सीखने के परिणामों में सुधार लाना, सामाजिक और लैंगिक अंतर को समाप्त करना, विद्यालय शिक्षा के न्यूनतम मानकों के साथ सभी स्तरों पर समानता और स्वीकृति का वातावरण सुनिश्चित करना,शिक्षा के व्यवसायोन्मुखता पर जोड़ देना और बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 को लागू करने में राज्यों की सहायता करना है।

केंद्र ने विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में 'समग्र शिक्षा योजना' को 31 मार्च, 2026 तक जारी रखने की अनुमति दे दी है। नई शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) में आवश्यक पहलुओं के साथ इस योजना को भी नया रूप प्रदान किया गया है। शिक्षा किसी भी प्रगतिशील समाज का आधार होता है इसलिए बच्चों के उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनमें विशिष्ट क्षमताओं को विकसित करने हेतु हम प्रतिबद्ध हैं। हमारा ध्यान व्यापक शिक्षण परिणामों के साथ बुनियादी ढांचे का विकास एवं सीखने सम्बन्धी समग्र विकास के क्षेत्र पर केन्द्रित है।

रिपोर्टिंग अवधि 2022-23 के दौरान हमने अपने प्रशासनिक घटकों, विभिन्न स्तरों पर अपनी पहुँच व गुणवत्तापूर्ण कार्यों में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। इस सन्दर्भ में हमने यह सुनिश्चित करने का विशेष प्रयास किया है कि समान्य बच्चों के साथ-साथ हाशिये पर पड़े समुदाय के अधिकाधिक बच्चों को विद्यालय जाने का अवसर प्राप्त हो। विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए हमने घरेलु सर्वेक्षण के माध्यम से कुल 1,35,925 विद्यालय से बाहर के बच्चों को नियमित विद्यालयों/विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम/NIOS में पंजीकृत किया। प्रारंभिक और माध्यमिक स्तर पर कुल 1,69,968 छात्रों के लिए परिवहन सुविधाएँ प्रदान की। इतना ही नहीं हमारे द्वारा लड़कों के लिए 54, लड़कियों के लिए 38 एवं दिव्यांगों के लिए 13 शौचालय के अलावा 1 अतिरिक्त कक्षा (क्लासरूम) एवं 60 प्रमुख स्थलों के मरम्मती का कार्य पुरा किया। UNICEF के सौजन्य से विद्यालयों में छात्रों के लिए विद्यालयों तक उसकी आसन पहुँच से सम्बंधित नमूना सर्वेक्षण औरऑडिट चेकलिस्ट के साथ दिशा निर्देश तैयार किया गया।

विद्यालयों के लिए न काम आनेवाले उपकरणों को बदलने और सञ्चालन सम्बन्धी अन्य खर्चों को पुरा करने हेतु सभी विद्यालयों को समग्र अनुदान आवंटित करके शिक्षा की गुणवत्ताओं में सुधार पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इसके अलावा प्राथमिक स्तर पर मूलभूत कौशल विकसित करने तथा 'पढ़े भारत, बढ़े भारत' का समर्थन करने के लिए पुस्तकालय सम्बन्धी अनुदान भी प्रदान किया गया। छात्रों के समग्र विकास हेतु कला उत्सव, WASH हस्तक्षेप, BRC/CRC/शिक्षकों की क्षमता निर्माण, कक्षा 3 से 8 तक के लिए साप्ताहिक अवधि मूल्याङ्कन परीक्षण (PAT), एक भारत श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, विद्यालयों में विज्ञान और गणित की शिक्षा, प्रत्येक छात्र के LO-आधारित रिपोर्ट कार्ड आदि विविध प्रकार के पहलों को विद्यालय में लागू किया गया।

निपुण भारत मिशन के अधीन, सीखने के सिद्धांतों और FLN मिशन के कई आयामों के माध्यम से विभिन्न हितधारकों को प्रशिक्षित किये गए।गुजराती भाषा में अनुदित निपुण भारत दिशानिर्देश, कक्षानुसार 'लक्ष्य' के पोस्टर और बैनर, कक्षा 1 और 2 के लिए PRAGNA सामग्री, सरकार द्वारा विकसित सभी 32,940 FLN डेशबोर्ड हेतु वाद्ययंत्र खरीदने के लिए अनुदान, कक्षा 1 से 3 के लिए 'स्वअध्ययन पोथी', कक्षा 1 के लिए विद्या प्रवेश मोड्यूल आदि विकसित किये गए। सभी विद्यालयों में विद्याप्रवेश का आयोजन किया गया जिनमें वहां की सामुदायिक भागीदारी उल्लेखनीय थी।

बालिकाओं की विद्यालय छोड़ने सम्बन्धी धारणाओं में सुधार लाने एवं कक्षाओं में उसकी उपस्थिति बढ़ाने हेतु समग्र शिक्ष-गुजरात 249 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय (KGBVs) चला रही है। इस अवधि के दौरान कार्यान्वित की गयी कुछ प्रमुख पहलें हैं - रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत गृह विभाग की सुरक्षा सेतु सोसायटी के सहयोग से 9 लाख से अधिक बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण,249 (KGBVs) में मासिक धर्म स्वच्छता व्यवस्था,किशोरी स्वाभिमान परियोजना के अंतर्गत 2447 प्राथमिक विद्यालयों एवं 1010 माध्यमिक विद्यालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन की स्थापना, NSQF पाठ्यक्रमों के अनुरूप NIOS के माध्यम से व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, बालिकाओं में जिज्ञासा विकसित करने के लिए आईआईटी गांधीनगर के सहयोग से जिज्ञासा परियोजना, आदि।

हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि कोई भी बच्चा अपनी क्षमता का परवाह किये बगैर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राप्त करने से वंचित न रहे। हमने समावेशी शिक्षा के तहत सरकारी और अन्य सहायता प्राप्त विद्यालयों में नामांकित दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की दिव्यांगता अनुसूची में उल्लिखित एक या अधिक दिव्यांग वाले कुल 62,831 विशेष प्रकार के जरूरतमंद बच्चों के लिए विभिन्न पहलों को लागू किया है। विद्यालयों में नियमित गतिविधियों के अलावा कक्षा 3 से 8 तक की पाठ्यपुस्तकों को भारतीय सांकेतिक भाषा में परिवर्तित करने तथा राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से G-SHALA ऐप पर ईकंटेंट के रूप में भारतीय सांकेतिक भाषा सम्बन्धी विडियो को भी तैयार कर शामिल किया है। उपर्युक्त सभी गतिविधियों/पहलों की निगरानी 'दिव्यायन ऐप' और 'वैब डेशबोर्ड' के माध्यम से करने के साथ-साथ नियमित रूप से इसकी समीक्षा भी की जाती है।

कुशल कामगारों की मांग और उसकी आपूर्ति के बीच अंतर को ख़त्म करने के लिए राज्य हमेशा से सक्रीय रहा है। इनमें व्यावसायिक शिक्षा के तहत लागू होने वाले मुख्य हस्तक्षेप हैं -934 स्कूलों में 13 व्यवसायों की व्यावसायिक प्रयोगशालाओं की स्थापनाजिससे माध्यमिक स्तर पर 51,372 छात्रों को लाभ होगा, गुजरात कैरियर मार्गदर्शन पोर्टल, इंटर्नशिप, प्रारंभिक-व्यावसायिक शिक्षा के अधीनस्थ कक्षा 6 से 8 के लिए 10 दिवसीय बैगविहीन गतिविधियाँ,माध्यमिक स्तर तक विशेष जरुरतमंद बच्चों के लिए व्यावसयिक शिक्षा को पायलट परियोजना के रूप में लागू करना, आदि।

मूल्यांकन और निगरानी हमारे शैक्षिक ढांचे का एक अभिन्न अंग है।हमने सीखने के परिणामों को मापने के लिए मजबूत मूल्यांकन तंत्र लागू किया है, सुधार के क्षेत्रों की पहचान की है और विभिन्न डिजिटल पहलों के साथ विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से अपने छात्रों की प्रगति को ट्रैक किया है।वास्तविक समय की निगरानी और समर्थन के लिए कुछ प्रमुख पहल हैं; चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम (CTS), CRC और BRC के लिए जीपीएस-आधारित स्कूल निगरानी प्रणाली, गुजरात स्टूडेंट होलिस्टिक एडेप्टिव लर्निंग (G-SHALA) ऐप, वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (VTS), दिव्यायन ऐप,आदि।हमने बच्चे के समग्र विकास को बढ़ावा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए शैक्षिक प्रक्रिया में माता-पिता और समुदाय की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया है।

इसके अलावा, विभिन्न मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्मों का उपयोग करके व्यापक प्रचार किया है। इसका मुख्य उद्देश्य समग्र शिक्षा की नई पहलों और कार्यक्रमों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना औरशिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को उनके बारे में सूचित करना है।

वार्षिक बजट 2022-23 के लिए 2842.61 करोड़ रुपये के कुल बजट में से समग्र शिक्षा-गुजरात के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों के संपादन में 1910.96 करोड़ रुपये (अनऑडिटेड) व्यय किये गए, जो कुल अनुमोदित बजट का 67.23% है। धन के सुचारू प्रवाह ने वार्षिक कार्य योजना और बजट (AWP&B) के तहत निर्धारित गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान की है।

गुजरात सरकार, हमारे सभी समर्पित शिक्षकों, स्कूल प्रशासकों, सामुदायिक नेताओं, अभिभावकों और समग्र शिक्षा की सफलता में योगदान देने वाले सभी हितधारकों के प्रति हम हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। उनका अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता हमारे उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक रहे हैं।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम गुजरात में हर बच्चे को समग्र और सशक्त शिक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं। हम आपको इस प्रतिवेदन के पन्नों को गहराई से देखने के लिए आमंत्रित करते हैं, जो शैक्षिक उत्कृष्टता की खोज में हमारी यात्रा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं को समाहित करता है।

आइए हम सब मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण जारी रखें जहाँ गुजरात का हर बच्चा अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सके और समाज में सार्थक योगदान दे सके।

डॉ. रतनकंवर एच. गढ़वीचारण, (IAS)

राज्य परियोजना निदेशक,
राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा
सेक्टर-17, गांधीनगर

अनुक्रमणिका

10 विद्यालय के बुनियादी ढांचे का विकास

22 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

32 बालिका शिक्षा

46 विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (IE-CwSN)

74 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और निगरानी

95 गुजरात शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद

108 प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS)

118 स्कूल प्रबंधन समिति (SMC/SMDC)

123 विद्यालयी शिक्षा का व्यावसायीकरण

144 मीडिया घटक और समुदाय एकीकरण

RTE के बारे में

RTE अधिनियम, 2009 की मुख्य विशेषताएँ

इस अधिनियम में प्रावधान है कि:

- प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक बच्चों को निकटवर्ती विद्यालय में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार।
- यह स्पष्ट करता है कि अनिवार्य शिक्षा का अर्थ सरकार का दायित्व जो कि निःशुल्क प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करना है और छह से चौदह आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे के लिए अनिवार्य दाखिला, हाजिरी आदि को सुनिश्चित करना है। निःशुल्क का अर्थ है कि कोई भी बच्चा किसी भी प्रकार के फीस या शुल्क का खर्च का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो उसे प्रारंभिक शिक्षा में आगे जाने और पूरा करने से रोक सकता है।
- यह एक खास आयु व समाज के उपेक्षित बच्चे के लिए उपयुक्त कक्षा में भर्ती होने का प्रावधान करता है।
- यह उन कर्तव्यो और जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट करता है जो मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने और केंद्र और राज्य सरकारों के बीच वित्तीय और अन्य जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए उपयुक्त है।
- यह अन्य बातों के साथ-साथ छात्र शिक्षक अनुपात (PTRs), भवनों और बुनियादी ढांचे, विद्यालय के कार्य दिवसों, शिक्षकों के कार्य दिवसों, शिक्षकों के कार्य घंटों से संबंधित मानदंडों और मानकों को निर्धारित करता है।
- यह प्रत्येक विद्यालय के लिए निर्दिष्ट छात्र शिक्षक अनुपात को सुनिश्चित करके उसकी तर्कसंगत व्यवस्था प्रदान करता है,न कि केवल राज्य या जिले या ब्लॉक के लिए औसत के रूप में।इस प्रकार यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षक नियुक्ति में कोई शहरी-ग्रामीण असंतुलन नहीं है।यह दस साल की जनगणना, स्थानीय प्राधिकरण, राज्य विधानसभाओं और संसद के चुनाव और आपदा राहत के अलावा गैर-शिक्षा कार्यों के लिए शिक्षकों के तैनाती पर रोक लगाने का भी प्रावधान करता है।
- यह उपयुक्त प्रशिक्षित शिक्षकों अर्थात, अपेक्षित प्रवेश और शैक्षणिक योग्यता वाले शिक्षकों की नियुक्ति का प्रावधान करता है।
- यह (ए) शारीरिक सजा और मानसिक उत्पीड़न; (बी) बच्चों के प्रवेश के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रियाएं; (सी) कैपिटेशन शुल्क; (डी) शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशनऔर (ई) बिना मान्यता के स्कूल चलाना जैसे गतिविधियों का निषेध करता है।
- यह संविधान में निहित मूल्यों के अनुरूप पाठ्यक्रम के विकासऔर बाल केंद्रित शिक्षा प्रणाली के माध्यम से बच्चे के सर्वांगीण विकास, बच्चों के ज्ञान, क्षमता और प्रतिभा का निर्माण और बच्चे को भय, आघात और चिंता से मुक्त बनाना सुनिश्चित करता है।

गुजरात में लिए गए निर्णय

ज्ञान और बुनियादी जीवन कौशल वाले लोगों को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। शिक्षा की गुणवत्ता जीवन को सुखमय बनाती है। प्राथमिक शिक्षा यानि प्राथमिक (कक्षा 1 से 5) और उच्च प्राथमिक (कक्षा 6 से 8) शिक्षा प्रणाली में पिरामिडी संरचना का आधार है। सामाजिक और आर्थिक प्रगति को सुगम बनाने में शिक्षा की भूमिका सर्वविदित है। यह व्यक्तिगत और समूह दोनों अधिकारों के अवसरों को खोलता है। शिक्षा में सुधार से न केवल दक्षता में वृद्धि होने की उम्मीद है, बल्कि जीवन की समग्र गुणवत्ता में भी वृद्धि होना अपेक्षित है। बारहवीं योजना में तेज और समावेशी विकास को प्राप्त करने के लिए केंद्रीय साधन के रूप में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया गया है। यह शिक्षा के सभी क्षेत्रों को शामिल करते हुए शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीति प्रस्तुत करता है।

RTE 2009 के सफल कार्यान्वयन के लिएगुजरात सरकार द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदम यहां दिए गए हैं।

सं	नियम का विवरण	की गई कार्यवाई	कार्यान्वयन कार्यालय/एजेंसी
1	(1) विद्यार्थियों का दाखिला (2) आयु प्रमाण के दस्तावेज (3) प्रवेश के लिए विस्तारित अवधि	गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 3(1) (2) (3) के तहत अधिसूचित	प्राथमिक विद्यालय
2	विशेष प्रशिक्षण	6-14 वर्ष के बीच विद्यालय न जाने वाले बच्चों में से कभी भी नामांकन नहीं हुआ और जो बच्चे प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने से पहले छोड़ देते हैं, उनकी हर साल पहचान की जाती है। ऐसे बच्चों के नाम विद्यालय रिकॉर्ड में दर्ज हैं। विशेष प्रशिक्षण के लिए सन्दर्भ-विशिष्ट रणनीतियाँ बनाई जाती हैं और इस प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त सामग्री भी विकसित की जाती है, ताकि विशेष प्रशिक्षण के पूरा होने पर बच्चों को आयु उपयुक्त आयुवाले कक्षा में वास्तविक प्रवेश दिया जा सके।	एसएसए
3	नए प्राथमिक विद्यालय खोलना या निजी स्कूल का अधिग्रहण करना।	गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 5 के तहत प्रावधान किया गया है	जिला शिक्षा समिति या नगरपालिका विद्यालय बोर्ड जैसा भी मामला हो
4	विद्यालय निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा	पहले से ही लागू	राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकरण/ विद्यालय
5	स्थानीय प्राधिकारी द्वारा बच्चों के अभिलेखों को बनाए रखना	पहले से ही लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
6	बिना सहायता प्राप्त विद्यालयों में कमज़ोर वर्ग एवं वंचित वर्ग के बच्चों का दाखिला।	पहले से ही लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
7	दाखिले के लिए कैपिटेशन फीस न लेने और स्क्रीनिंग प्रक्रिया न रखने के मानदंडों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों पर दंडात्मक कारवाई।	पहले से ही लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
8	राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा स्थापित, स्वामित्व या नियंत्रित विद्यालय के अलावा अन्य विद्यालयों की मान्यता।	पहले से ही लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
9	मान्यता वापस लेना	गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 14 के तहत प्रक्रिया को अधिसूचित किया गया है	प्राथमिक शिक्षा निदेशक

सं	नियम का विवरण	की गई कारवाई	कार्यान्वयन कार्यालय/एजेंसी
10	विद्यालय के लिए मानदंड और मानक	शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या PRE-142010-242076-k दिनांक: 3-6-2010 द्वारा निर्दिष्ट	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
11	विद्यालय प्रबंधन समिति की रचना और कार्य	गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 16 के तहत विद्यालय प्रबंधन समिति की रचना निर्दिष्ट की गई है	गैर सहायता प्राप्त विद्यालय के अलावा अन्य विद्यालय
12	विद्यालय विकास योजना की तैयारी	गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 17 के तहत हर वर्ष विद्यालय विकास योजना SMC द्वारा तैयार की जाती है	SMC
13	न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने वाले शिक्षक	राज्य में पर्याप्त शिक्षक शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध हैं	राज्य सरकार
14	विद्यासहायकों या शिक्षकों की सेवा की शर्तें	पहले से ही लागू	राज्य सरकार
15	शिक्षक या विद्यासहायकों द्वारा किए जाने वाले कर्तव्य	शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या PRE-121-2014-40796-k दिनांक: 7-2-2014, द्वारा निर्दिष्ट	प्राथमिक शिक्षा निदेशक
16	शिक्षकों या विद्यासहायकों के लिए शिकायत निवारण तंत्र	शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या PRE-1112-GOI-29-K दिनांक: 30-4-2013, द्वारा निर्दिष्ट	राज्य सरकार द्वारा ट्रिब्यूनल का गठन
17	शैक्षणिक प्राधिकरण द्वारा पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रक्रिया निर्धारित करना	GCERT, गांधीनगर के पत्र दिनांक 14/7/2011 के अनुसार निर्धारित	विद्यालय के प्रधान शिक्षक
18	पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रक्रिया	उपरोक्त अनुसार	उपरोक्त अनुसार
19	आवधिक प्रशिक्षण और नियमित मूल्यांकन के लिए तंत्र की स्थापना	उपरोक्त अनुसार	GCERT / SSA
20	सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आवधिक बाह्य मूल्यांकन	उपरोक्त अनुसार	GCERT / SSA
21	शिक्षा की गुणवत्ता का आवधिक मूल्यांकन और रिपोर्ट प्रस्तुत करना	पहले से ही लागू	राज्य सरकार द्वारा स्वतंत्र संगठन विंग की स्थापना
22	नियमित रूप से निगरानी के लिए तंत्र	पहले से ही लागू	राज्य सरकार द्वारा सेवा पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता की नियमित निगरानी के लिए एक तंत्र की स्थापना।
23	शिक्षक पात्रता के लिए सामान्य परीक्षा शुरू करना	शिक्षा विभाग के संकल्प दिनांक 24.4.2011 और 18.1.2012 के तहत शिक्षक और प्रधान शिक्षक भर्ती के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा शुरू की गई है।	राज्य परीक्षा बोर्ड

सं	नियम का विवरण	की गई कारवाई	कार्यान्वयन कार्यालय/एजेंसी
24	प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने पर पुरस्कार के रूप में प्रमाणपत्र	पहले से ही लागू	प्राथमिक शिक्षा निदेशक और जीसीइआरटी (GCERT)
25	राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा कार्यों का निष्पादन	गुजरात राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गठन दिनांक 21-2-2013 की अधिसूचना द्वारा किया गया है	SCPCR
26	SCPCR के समक्ष शिकायतें प्रस्तुत करने का तरीका	गुजरात RTE नियम, 2012 के नियम 32 के तहत निर्धारित	SCPCR
27	राज्य सलाहकार परिषद का गठन	राज्य सलाहकार परिषद का गठन शिक्षा विभाग के संकल्प संख्या PRE-122012-695445-K दिनांक 21-3-2013 के तहत किया गया है।	राज्य सलाहकार परिषद





विद्यालय के बुनियादी ढांचे का विकास



1 विद्यालय के बुनियादी ढांचे का विकास

मौजूदा स्कूलों के सुदृढ़ीकरण पर ध्यान केन्द्रित करना

हमारा दृष्टिकोण:

मौजूदा और नए स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार करने और उसे मजबूत बनाने से सभी बच्चों के लिए एक सुरक्षित, टिकाऊ और आनंदमय वातावरण बनता है, जिसके परिणाम स्वरूप सभी बच्चों की पहुंच, प्रतिधारण और प्रदर्शन में सुधार होता है।

परिचय:

विद्यालय केवल एक ढांचा या इमारत नहीं है और न ही यह केवल बच्चों और शिक्षकों की असेंबली है, बल्कि यह बच्चों के सीखने और विकसित होने के लिए एक बहुत ही विशेष स्थान है। यह एक ऐसा स्थान है जो उनके विचारों को आकार देता है, एक ऐसी जगह जहाँ वे विचार कर सकते हैं, प्रश्न कर सकते हैं और अनुभव साझा कर सकते हैं। सभी के लिए अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त करने के लिए समग्र शिक्षा के तहत स्कूलों का बुनियादी ढांचा बहुत महत्वपूर्ण है। स्कूल के बुनियादी ढांचे का प्रावधान बच्चों तक उसकी पहुंच प्रदान करने में मदद करता है और RTE अधिनियम के दृष्टिकोण का पालन करते हुए उनके प्रतिधारण में भी मदद करता है, ये दोनों ही समग्र शिक्षा के महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। RTEअधिनियम की अनुसूची स्कूल भवन के लिए मानदंड और मानकों को निर्धारित करती है। स्कूल का भवन सर्वऋत्विक भवन होना चाहिए जिसमें प्रत्येक शिक्षक के लिए कम से कम एक कक्षा और कार्यालय सह स्टोर सह प्रधान शिक्षक कक्ष, बाधा-मुक्त पहुंच, लड़कों और लड़कियों के लिए अलग शौचालय, सभी बच्चों के लिए सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल की सुविधा, विद्यालय भवन की चारदीवारी की सुरक्षा के लिए व्यवस्था, MDM बनाने के लिए रसोई घर, सामूहिक रूप से हाथ धोने की सुविधा, खेल का मैदान, खेल-कूद के उपकरण, पुस्तकालय और TLM होना चाहिए। डिज़ाइन प्रक्रिया में इन सभी पहलुओं पर उचित ध्यान दिया जाता है। परिणामस्वरूप, निर्मित होने वाली संरचनाएं न केवल टिकाऊ और किफायती हैं, बल्कि समुदाय के लिए स्वीकार्य भी हैं।

RTE अधिनियम की अनुसूची के अनुसार आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सिविल कार्यों के लिए बजट प्रस्तावित किया गया था। डिज़ाइन शैक्षणिक संस्थानों के लिए केंद्रीय लोक कार्य निर्माण विभाग (CPWD) और IS कोड: 8827-1978 के अनुसार विकसित किए गए हैं। कार्य की विभिन्न मदों के लिए इकाई लागत वर्ष 2021-22 के लिए राज्य लोक निर्माण विभाग (R & B) द्वारा अनुमोदित स्वीकृत SOR पर आधारित है। प्रत्येक स्कूल का चयन क्षेत्र सत्यापन के बाद स्कूल स्तर से प्राप्त अंतरालों को ध्यान में रखते हुए किया गया था और वर्ष 2022-23 के लिए सिविल कार्य योजना के तहत अनुमोदित किया गया था।

प्राप्त परिणाम

1. सुरक्षित और टिकाऊ बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने तथा नामांकन और मरम्मत में वृद्धि की मांग को पूरा करने के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।
2. सभी छात्रों के लिए स्वस्थ, सुरक्षा और समावेशी स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करना।
3. विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष और पुस्तकालय तक पहुंच के माध्यम से छात्रों की बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूल के बुनियादी ढांचे को उन्नत करना।
4. राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षकों के प्रतिधारण को बेहतर बनाने के लिए आवासीय सुविधाएं प्रदान करना।

अपनाई गई गतिविधियाँ:

वर्ष 2022-23 के लिए समग्र शिक्षा के तहत विद्यालय-संबंधित विभिन्न गतिविधियों के प्रकार निम्नानुसार हैं:

प्राथमिक विद्यालय

- अतिरिक्त कक्षाएँ
- लड़कियों के लिए शौचालय ब्लॉक
- लड़कों के लिए शौचालय ब्लॉक
- CWSN के लिए शौचालय ब्लॉक
- प्रमुख मरम्मत

माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

- अतिरिक्त कक्षाएँ
- कम्प्यूटर कक्ष
- पुस्तकालय कक्ष
- विज्ञान प्रयोगशाला
- आवासीय क्वार्टर
- प्रमुख मरम्मत

कार्यकारी एजेंसी:

समुदाय और विकेंद्रीकरण प्रक्रिया को पूरी तरह से शामिल करने के लिए, स्कूल प्रबंधन समितियों (SMC) का गठन किया गया है और यह कार्यSMC-सामुदायिक भागीदारी प्रक्रिया के माध्यम से किए जाता है।समिति के माध्यम से निर्माण कार्यक्रम का एक सकारात्मक विचार है।लड़कियों और लड़कों के शौचालय ब्लॉक, CWSN शौचालय ब्लॉक, चारदीवारी, MDMबनाने के लिए रसोई घर, प्रमुख और मामूली मरम्मत आदि जैसी गतिविधियाँ SMC द्वारा की जाती हैं।कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशाला/कंप्यूटर कक्ष/पुस्तकालय, आर्ट/क्राफ्ट कक्ष, KGBVs, माध्यमिक विद्यालय, BRC भवन आदि का निर्माण जैसी गतिविधियाँ R&Bविभाग के साथ पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा की जाती हैं।ई-टेंडरिंग के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित करके योग्य बोलीदाताओं को ठेका दिया गया था।

गतिविधि	पहली किस्त	दूसरी किस्त	तीसरी किस्त
शौचालय ब्लॉक का निर्माण, स्कूल भवन की चारदीवारी का निर्माण	MOU पर हस्ताक्षर करने से पहले अनुमानित राशि का 40%	अनुमानित राशि का 30% जब पहली किस्त का 50% टीआरपी द्वारा नोट की जाने वाली छत तक पर्याप्त भौतिक प्रगति का उपयोग किया जाता है, तो दूसरी किस्त जारी की जा सकती है	कार्य पलस्तर एवं कार्य पूर्ण होने पर प्राक्कलित राशि का 30 प्रतिशत
अतिरिक्त कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष	एजेंसी को किए गए कार्य और माप के स्तर के अनुसार भुगतान किया जाएगा		
कंप्यूटर कक्ष			

पर्यवेक्षण, निगरानी और गुणवत्ता आश्वासन:

- राज्य ने अनुबंध के आधार पर अभियंताओं (इंजीनियर) की भर्ती की है तथा निगरानी और पर्यवेक्षण कार्य के लिए उन्हें ब्लॉक स्तर पर तैनात किया है। अभियंता (इंजीनियर) स्कूल प्रबंधन समिति को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।
- जिला परियोजना अभियंता पूरे जिले के लोक निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे हैं। वे प्रगति की समीक्षा और निगरानी के लिए जिले में कार्यरत सभी ब्लॉक-स्तरीय इंजीनियरों के साथ साप्ताहिक बैठकें आयोजित करते हैं।
- पूरे राज्य की प्रगति की निगरानी एवं समीक्षा के लिए राज्य स्तर पर सभी जिला परियोजना अभियंताओं की मासिक बैठकें आयोजित की जाती हैं। मासिक बैठक में सिविल कार्यों से संबंधित मुद्दों का निपटारा किया जाता है।

- समग्र विद्यालय विकास योजना के लिए जिला स्तर पर वास्तु सहायकों की नियुक्ति करती है।
- ब्लॉक स्तर पर तैनात तकनीकी संसाधन हेतु नियुक्त व्यक्ति नियमित रूप से स्कूल में होने वाली निर्माण गतिविधियों की देखरेख करते हैं।
- विभिन्न स्तरों पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से भी कार्य की निगरानी की जाती है।

लोक निर्माण कार्यों का बाहरी मूल्यांकन (तृतीय पक्ष):

- लोक निर्माण कार्यों का तकनीकी ऑडिट और गुणवत्ता पूर्ण आश्वासन के लिए, एक पेशेवर सलाहकार को नियुक्त कर उनकी सेवाओं को अपनाया गया है। परियोजना कार्य में गुणवत्ता के निर्धारित मानक को प्राप्त करने के लिए सलाहकार अक्सर प्रगति में निर्माण कार्य की निगरानी करते हैं। विसंगति/त्रुटि, यदि कोई हो, तो तृतीय पक्ष सलाहकार द्वाराअपने सुझावों और दोषों को दूर करने के उपचारात्मक उपायों के साथ इंगित किया जाता है।
- सलाहकार निर्माण सामग्री का स्वतंत्र परीक्षण (क्षेत्र और प्रयोगशाला) भी करते हैं तथा SMC और इंजीनियर को रिपोर्ट करते हैं।
- काम पूरा होने पर सलाहकार एक पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करता है।

2022-2023 में अनुमोदित किये गये सिविल कार्यों की स्थिति

समग्र शिक्षा के तहत वर्ष 2022-23 के लिए अनुमोदित विभिन्न बुनियादी ढांचागत गतिविधियों की स्थिति इस प्रकार है:

गतिविधि का नाम	कुल अनुमादित	पूर्ण किए गए		प्रगति पर	
		कार्यों की संख्या	प्रतिशत	कार्यों की संख्या	प्रतिशत
प्राथमिक विद्यालय (जिलावार)					
अतिरिक्त कक्षा	98	1	1 %	35	36 %
प्रमुख मरम्मत	109	60	55 %	28	26 %
लड़कों का शौचालय	103	54	53 %	35	34 %
लड़कियोंका शौचालय	66	38	58 %	20	30 %
CwSNT शौचालय	25	13	52 %	11	44 %
माध्यमिक विद्यालय					
अतिरिक्त कक्षा	2	0	0	0	0
प्रमुख मरम्मत	10	0	0	5	50 %
विज्ञान प्रयोगशाला	1	0	0	0	0
पुस्तकालय कक्ष	1	0	0	0	0
कम्प्यूटर कक्ष	1	0	0	0	0
शिक्षकों के आवास	17	0	0	0	0

प्राथमिक विद्यालय (जिलावार)

क्रमांक	जिला	अतिरिक्त वर्गखंड			प्रमुख मरम्मत		
		अनुमोदित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए	नियोजित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए
1	भरूच	6	0	0	14	4	7
2	दाहोद	30	0	0	15	0	15
3	कच्छ	7	3	0	15	6	3
4	नर्मदा	0	0	0	10	5	4
5	पंचमहाल	15	0	0	10	2	7
6	डांग	7	0	0	14	1	13
7	वड़ोदरा	2	2	0	17	0	10
8	वलसाड	31	30	1	14	10	1
	कुल	**98**	**35**	**1**	**109**	**28**	**60**

क्रमांक	जिला	लड़कों के शौचालय ब्लॉक			लड़कियों के शौचालय ब्लॉक		
		अनुमोदित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए	नियोजित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए
1	भरूच	4	0	4	0	0	0
2	दाहोद	8	0	7	5	0	5
3	कच्छ	13	6	0	6	4	2
4	नर्मदा	28	16	10	14	7	4
5	पंचमहाल	6	4	2	7	4	3
6	डांग	25	0	25	16	0	16
7	वड़ोदरा	6	0	5	9	0	7
8	वलसाड	13	9	1	9	5	1
	कुल	**103**	**35**	**54**	**66**	**20**	**38**

क्रमांक	जिला	CWSN शौचालय ब्लॉक		
		अनुमोदित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए
1	भरूच	2	0	2
2	दाहोद	2	0	2
3	कच्छ	4	4	0
4	नर्मदा	11	5	6
5	पंचमहाल	1	1	0
6	डांग	1	0	1
7	वड़ोदरा	1	0	1
8	वलसाड	3	1	1
	कुल	25	11	13

माध्यमिक विद्यालय (जिलावार)

क्रमांक	जिला	लड़कों के शौचालय ब्लॉक			लड़कियों के शौचालय ब्लॉक		
		अनुमोदित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए	नियोजित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए
1	कच्छ	2	0	0	0	0	0
2	नर्मदा	0	0	0	0	0	0
3	डांग	0	0	0	10	5	0
	कुल	2	0	0	10	5	0

क्रमांक	जिला	विज्ञान प्रयोगशाला			कम्प्यूटर कक्ष		
		अनुमोदित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए	नियोजित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए
1	वलसाड	1	0	0	1	0	0
	कुल	1	0	0	1	0	0

क्रमांक	जिला	विज्ञान प्रयोगशाला			कम्प्यूटर कक्ष		
		अनुमोदित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए	नियोजित	प्रगति पर	पूर्ण किए गए
1	नर्मदा	6	0	0	0	0	0
2	डांग	11	0	0	0	0	0
3	वलसाड	0	0	0	1	0	0
	कुल	**17**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**

सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करने के लिए 'सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प और समग्र स्वच्छता' के तहत वर्ष 2022-23 के लिए अतिरिक्त बजट के रूप में गतिविधियों को मंजूरी दी गई।

क्रमांक	जिला	चार दीवारी	लड़कों के शौचालय ब्लॉक	लड़कियों के शौचालय ब्लॉक	प्रमुख मरम्मत	मामूली मरम्मत
1	अहमदाबाद	38	1	3	26	59
2	अमरेली	79	7	4	21	36
3	आणंद	46			47	144
4	अरावली	19		4	11	
5	बनासकांठा	66	6	5	11	125
6	भरूच	50	13	4	71	13
7	भावनगर	82	5		32	116
8	बोटाद	14	5	7		1
9	छोटाउदयपुर	83	21	9	33	106
10	देवभूमि द्वारका	11		1	22	70
11	दाहोद	56	3	1	13	146
12	गिर सोमनाथ	33	1	5	18	103
13	जामनगर	27		2	3	59
14	जूनागढ़	40	4	2	7	2
15	खेड़ा	87	10	8	49	
16	मेहसाणा	28	5	3	35	1

क्रमांक	जिला	चार दीवारी	लड़कों के शौचालय ब्लॉक	लड़कियों के शौचालय ब्लॉक	प्रमुख मरम्मत	मामूली मरम्मत
17	महिसागर	27			16	10
18	मोरबी	26	2	3	11	80
19	नर्मदा	26	5	1	8	
20	नवसारी	104	4	4	10	61
21	पंचमहाल	75	1	1	64	177
22	पाटण	34			13	13
23	पोरबंदर	12	5	3	9	
24	राजकोट	45	26	56	17	179
25	साबरकांठा	38	3		9	18
26	सुरत	43	14	6	14	5
27	सुरेन्द्रनगर	30	2		21	107
28	तापी	55			30	76
29	डांग	7			6	12
30	वड़ोदरा	105	29	22	33	3
31	वलसाड	89	7	2	28	
	कुल	**1475**	**179**	**156**	**688**	**1722**

सरकारी माध्यमिक विद्यालय परियोजना

राज्य में माध्यमिक स्तर की कक्षाओं यानी कक्षा 9 और कक्षा 10 के लिए माध्यमिक शिक्षा लागू की जा रही है। गुजरात में, कक्षा 8 माध्यमिक शिक्षा का हिस्सा थी, लेकिन राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई नीति के अनुसार कक्षा 8 को उत्तरोत्तर प्राथमिक शिक्षा के तहत स्थानांतरित कर दिया गया था। ग्यारवीं पंचवर्षीय योजना अर्थात, 2007-12 में सरकारी माध्यमिक विद्यालयपरियोजना को क्रमश: केन्द्र और राज्य के बीच 75:25 का साझा अनुपात पैटर्न लागू किया गया था और अब केन्द्र और राज्य का साझा अनुपात पैटर्न क्रमश: 60:40 है।

सरकारी माध्यमिक विद्यालय हेतु दृष्टिकोण

सरकारी माध्यमिक विद्यालयोंके लिए14-18 वर्ष के आयु वर्ग के सभी युवाओं को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराना, उसे सुलभ और किफ़ायती बनाने का दृष्टिकोण है। इस दृष्टिकोण के साथ निम्नलिखित बिन्दुओं को हासिल करना है:

- किसी भी बस्ती से उचित दूरी के भीतर एक माध्यमिक विद्यालयउपलब्ध कराना, जो माध्यमिक विद्यालयोंके लिए 5 किमी और उच्च माध्यमिक विद्यालयोंके लिए 7-10 किमी दूर होना चाहिए।
- 2017 (100% का GER) तक माध्यमिक शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच और 2020 तक सार्वभौमिक प्रतिधारण सुनिश्चित करना।
- समाज के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों, शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लड़कियों और दिव्यांग बच्चों और SC,ST,OBCऔर शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों (EBM) जैसे अन्य हाशिए पर रहने वाले बच्चों को विशेष संदर्भ में माध्यमिक शिक्षा तक पंहुचाना है।

2022-23 के दौरान सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की उपलब्धियां:

1. सरकारी माध्यमिक विद्यालय जून 2010 में प्रारंभ हुए, जिन्हें वार्षिक योजना 2010-11 के अंतर्गत अनुमोदित किया गया, 253 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को RMSA की वार्षिक योजना 2011-12 के अंतर्गत जून 2011 में स्वीकृत किया गया,वार्षिक योजना 2016-17 के तहत 137 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को जून 2016 में स्वीकृत किया गया और RMSA की वार्षिक योजना 2018-19 के तहत जून 2018 में 70 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को स्वीकृत किया गया है। गुजरात राज्यमें माध्यमिक शिक्षा परियोजना के तहत कुल 532 सरकारी माध्यमिक विद्यालय स्वीकृत किये गये है।

2. 416 सरकारी माध्यमिक विद्यालयोंका निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 26 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, 61 विद्यालय निविदा चरण में हैं तथा 29 विद्यालयोंको भूमि की अनुपलब्धता के कारण निर्माण के लिए नहीं लिया गया है।





विद्यालयों में बच्चों के अनुकूल वातावरण

समग्र शिक्षा ने 2013 से स्कूलों में विभिन्न हरित कार्यक्रमों का कार्यान्वयन शुरू किया हैऔर कुछ स्कूलों ने इसमें उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। उनकी प्रगति को रेखांकित करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया था।

हमारी वर्तमान विद्यालय शिक्षा प्रणाली के हिस्से के रूप में, एक बच्चा अपने बचपन के कम से कम 12 वर्ष विद्यालयमें बिताता है और यह मूल्यों और आदतन सोच और अनुशासन को विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण समय है।

विद्यालयों में बच्चों के अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए, GCSE-SSने निम्नलिखित विषयों का कार्यान्वयन शुरू किया है:

1) हरित विद्यालय
2) स्वच्छ विद्यालय
3) सुरक्षित विद्यालय
4) समावेशी विद्यालय

हरित विद्यालय

हरित विद्यालयकार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है जो संपूर्ण-स्कूल सम्बन्धी दृष्टिकोण को अपनाने की सिफारिश करता है| जहां छात्रों के अनुभव कक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विद्यालयऔर समुदाय में सीखने का हिस्सा भी है। हरित विद्यालयकार्यक्रम (GSP) स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन पहलुओं के अलावा पर्यावरण शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर केंद्रित है।

हरित विद्यालय कार्यक्रम का लक्ष्य स्कूलों को टिकाऊ व पारिस्थितिकी तंत्र के अनुकूल बनाने के लिए उसे संवेदनशील बनाना और संगठित करना है तथा बच्चों को आंदोलन का मशाल वाहक बनने देना है।

उद्देश्य

- पर्यावरण और उसके संरक्षण के महत्व और लाभ को सीखना
- बच्चों में रचनात्मकता और बेहतर समझ विकसित करना
- बच्चों को आसपास की दुनिया में विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषा की अवधारणाओं को सीखना

कार्यान्वित कार्यक्रम:

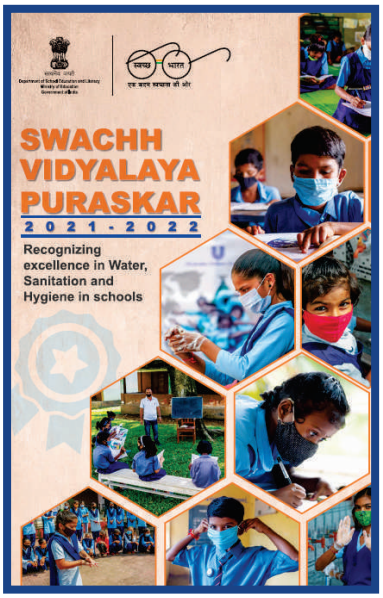
1. जल संरक्षण - स्कूलों में वर्षा जल संचयन के माध्यम से लगभग 27% सरकारी स्कूलों ने वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की है। वर्तमान में, स्कूलों में तीन प्रकार के RWH प्रणालियाँ लागू की गई हैं, स्टोरेज टैंक के साथ RWH, स्टोरेज और रिचार्जिंग के साथ क्रॉस वेव और बोरवेल रिचार्ज के साथ RWH।

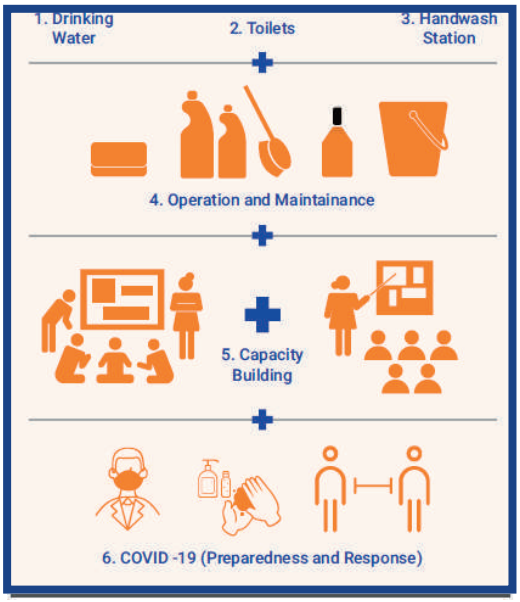
2. ऊर्जा संरक्षण - सौर पैनल स्थापना, उचित प्रकाश और वेंटिलेशन के लिए डिजाइन संशोधन

3. अपशिष्ट प्रबंधन - अपशिष्ट पृथक्करण, जैव-निम्नीकरणीय अपशिष्ट को खाद बनानाऔर बागवानी में उसका उपयोग करना

4. निम्न माध्यमों से पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण,
    a. स्कूलों में पर्यावरण आधारित प्रयोगशाला का स्थापन
    b. रसोई एवं हर्बल गार्डन
    c. कम-VOCपेंट का उपयोग
    d. पुनर्नवीनीकृत सामग्री वाली सामग्री का उपयोग - सीमेंट और पुनर्नवीनीकृत स्टील में फ्लाई ऐश
    e. मौजूदा पेड़ों को बनाए रखना
    f. बाल संसद - हरित और स्वच्छ विद्यालयों के लिए छात्र नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए बाल संसद और छात्र समितियों का गठन किया जाता है।
    g. पाठ्यक्रम में पर्यावरण पर प्रासंगिक अनुभागों का समावेश

स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार और शाला स्वच्छता गुणांक





- इस अभियान में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की गई है। राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने और पुरस्कृत होने वाले स्कूलों की संख्या में वृद्धि हुई है।

- शाला स्वच्छता गुणांक के प्रमुख घटक 6 हैं, जिनमें कुल 59 संकेतक शामिल हैं। वे प्रमुख घटक हैं:
  i. पेय जल
  ii. शौचालय
  iii. साबुन से हाथ धोना
  iv. संचालन और रखरखाव
  v. क्षमता निर्माण और व्यवहार परिवर्तन
  vi. COVID-19 तैयारी और प्रतिक्रिया

वर्ष	हिस्सा लेनेवाली स्कूलों की संख्या	हिस्सा लेनेवाली स्कूलों के प्रतिशत	स्कूलों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की कुल संख्या में से	
			राज्य द्वारा प्राप्त पुरस्कारों की संख्या	% राज्य द्वारा प्राप्त पुरस्कारों
2016-17	14214	41%	6	4%
2017-18	34367	64%	5	10%
2021-22	52202	96%	10	26%

- इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत कुल 39 स्कूलों में से 26% गुजरात से हैं (जिनमें से 10% स्कूल हरित विद्यालयहैं)

स्कूल में शाला स्वच्छता गुणांक स्वच्छ और पर्याप्त पानी तथा स्वच्छता सुविधाओं को सुनिश्चित करता है,

- सभी विद्यालयों में हाथ धोने के लिए साबुन/लिक्विड की व्यवस्था
- हाथ धोने के लिए ऊंचाई के अनुसार पानी के नल की व्यवस्था
- पीने के पानी के लिए RO/UVनिस्पंदन प्रणाली नियमित रखरखाव के साथ प्रदान की जाती है

मासिकधर्म स्वच्छता प्रबंधन

- प्रयुक्त सैनिटरी नैपकिन के सुरक्षित निपटान के लिए स्कूलों में सैनिटरी नैपकिन भस्मक का प्रावधान। 800 से अधिक स्कूलों को वेंडिंग मशीनें और भस्मक उपलब्ध कराए गए हैं।
- मासिक धर्म से जुड़ी वर्जनाओं और मिथकों को तोड़ने के लिए वैश्विक MH दिवस मनाना
- पीरियड एजुकेशन में सुधार के लिए 249KGBVs में एक मासिक धर्म सहायता केंद्र स्थापित किया गया है।
- मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन - सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें और भस्मक - 800 से अधिक स्कूलों को वेंडिंग मशीनें, भस्मक, आदि प्रदान किए गए हैं।
- व्यवहार परिवर्तन और क्षमता निर्माण - सभी शिक्षकों को 'स्कूलों में WASH' और 'स्कूलों में कोविड-19 की तैयारी और प्रतिक्रिया' पर प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया हैं।

विद्यालय सुरक्षा

- स्कूलों को सुरक्षित रखने के लिएभवन निर्माण की प्रक्रियाओं के तहत निम्नलिखित उपाय किए गए हैं: चारदीवारी निर्माण, अग्नि सुरक्षा और विधुतसुरक्षा
- अग्नि एवं विधुत सुरक्षा:
- राज्य सरकार सभी विद्यालय भवनों में न्यूनतम अग्नि सुरक्षा सुविधाएं प्रदान करेगी।
- क्षेत्रफल>1000 वर्गमीटर या ऊंचाई >=9 मीटर वाले स्कूलों को अग्निशामक यंत्र, होज़ रील, नाबदान और पानी पंप के प्रावधान के बाद NOC प्राप्त हुई

भवनों का डिज़ाइन निम्नानुसार दिशानिर्देशों के अनुरूप है

1. भारत में सार्वभौमिक पहुंच के लिए सामंजस्यपूर्ण दिशानिर्देश और मानक 2021
2. भूकंपरोधी विद्यालय भवन डिजाइन के लिए भूकंपीय कोड IS:1893
3. भारतीय राष्ट्रीय भवन संहिता 2016-अग्नि सुरक्षा नियम और विनियम

- संभावित आपदाओं से निपटना:
- विद्यालयों में क्षेत्र-विशिष्ट संभावित आपदाओं को समझना,
- स्थानीय सामग्रियों का उपयोग - क्षेत्र में संभावित आपदाओं के अनुकूल एक डिज़ाइन परिवर्तन
- आपदाओं के दौरान स्कूल सुरक्षा और सीखने की निरंतरता पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट (GIDM) के साथ समझौता ज्ञापन। शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण और सुरक्षा मॉक ड्रिल GIDM के साथ संयुक्त रूप से आयोजित की गई।



विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम



2 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009, 6 से 14 आयु वर्ग के सभी बच्चों को शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। यह राज्य के लिए सुनिश्चित करता है कि 6-14 आयु वर्ग के सभी बच्चों को समान गुणवत्ता वाली शिक्षा अनिवार्य रूप से प्रादान किया जाय। RTE अधिनियम, 2009 की धारा 4 में विद्यालय न जाने वाले बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण तथा प्रवेश के लिए उपयुक्त आयु का विशिष्ट प्रावधान है।स्कूल के बाहर बच्चों को प्रदान की जाने वाली विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम बच्चों को उनके आयु के अनुरूप विद्यालय में प्रवेश के लिए तैयार होने में मदद करता है।

समग्र शिक्षा का पहुंच और प्रतिधारण विभाग अपने विभागानुरूप विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाकर उसे कार्यान्वित करता है। समग्र शिक्षा का उद्देश्य न केवल प्राथमिक कक्षाओं, बल्कि 12वीं तक की स्कूली शिक्षा के लिए सार्वभौमिक नामांकन प्राप्त करना है। इसलिए प्राथमिक तथा माध्यमिक दोनों कक्षाओं में परिवर्तन और ड्रॉपआउट को कम करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम लागू किये गए हैं।

समग्र शिक्षा द्वारा स्कूल न जाने वाले बच्चों की पहचान की गतिविधियाँ

हर साल की तरह इस साल भी समग्र शिक्षा-गुजरात ने विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय में OoSC (6 से 18 वर्ष की आयु) की पहचान करने के लिए अलग-अलग समय अंतराल में एक घरेलू सर्वेक्षण किया और उन्हें निम्नानुसार नजदीकी स्कूलों, STP केंद्रों, NIOS/SIOSमें नामांकित किया:

1. आयु समूह (6-8 वर्ष) –उपयुक्त आयु वाले छात्रों की नजदीकी स्कूलों में सीधा नामांकन
2. आयु समूह (9-14 वर्ष) - उनके सीखने के स्तर के आधार पर आवश्यकता-आधारित प्रशिक्षण (STP)।
3. आयु समूह (15-18 वर्ष) – उनकी स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए NIOS/SIOSके साथ पंजीकरण।

यह सर्वेक्षण परियोजना कर्मचारियों (सभी जिला समन्वयक, ब्लॉक संसाधन समन्वयक, क्लस्टर संसाधन समन्वयक, निगरानी RP-STP, SMC आदि), शैक्षिक स्वयंसेवकों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सेवानिवृत्त शिक्षकों द्वारा ग्रामीण, शहरी, औद्योगिक, आदिवासी क्षेत्रों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, आदि में आयोजित किया गया था। इसमें शहरी, अर्ध-शहरी और दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों पर विशेष ध्यान दिया गया है। गैर सरकारी संगठनों के स्वयंसेवक विशेष रूप से झुग्गी क्षेत्रों और वंचित समूहों के बच्चों की पहचान भी शामिल है।

इस सर्वेक्षण के बारे में जनता को संवेदनशील बनाने और जागरूकता बढ़ाने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों, रेडियो और टेलीविजन पर विज्ञापन दिए गए। स्कूल न जाने वाले बच्चों की पहचान के लिए जिला स्तरीय टोल-फ्री हेल्पलाइन शुरू की गई। ड्रॉप-आउट बच्चों का विवरण VER/WER, सामान्य रजिस्टर और आधार DISE से एकत्र किया गया।इस सर्वेक्षण में वंचित समूह के बच्चों (अनाथ, भिखारियों के बच्चे, कैदियों के बच्चे, यौनकर्मियों के बच्चे, प्रवासीऔर खानाबदोश समुदाय के बच्चे आदि) की पहचान के लिए गैर सरकारी संगठनों, अन्य विभागों (बाल श्रम विभाग, शहरी प्राधिकरण, सामाजिक न्याय विभाग, ICDS, स्वास्थ्य, NSS,NCCऔर राज्य क्षेत्र पर्यवेक्षकों) की मदद सेदस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों (AMC,RMC,SMC,VMC) पर विशेष रूप से शहरी गन्दी बस्तियों और औद्योगिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। कुल 19,706 स्कूल न जाने वाले बच्चों (6-14 वर्ष) की पहचान की गई।

सर्वेक्षण से पहले, उपरोक्त सभी प्रगणक सर्वेक्षण, डेटा संग्रह, सत्यापन और डेटा प्रविष्टि प्रक्रियाओं पर केंद्रित थे। ड्रॉप-आउट दरों पर कोविड-19के कारण स्कूल बंद होने के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, SS-गुजरात ने OoSC की पहचान करने के लिए विभिन्न अवधियों में रणनीतिक रूप से सर्वेक्षण किया है। एक बार जब बच्चों की पहचान की जाती है और उन्हें पास के स्कूलों और STP केंद्रों में नामांकित किया जाता है, तो शिक्षकों और EVsद्वारा उनके सीखने के स्तर को समझने के लिए आधारभूत मूल्यांकन करता है। तदनुसार, उन बच्चों को नियमित स्कूलों में मुख्यधारा में शामिल किया जाता है जिन्होंने सीखने का न्यूनतम स्तर हासिल कर लिया है और जिनके सीखने का स्तर अच्छा नहीं है उन्हें विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकित किया जाता है।

OoSC सर्वेक्षण प्रक्रिया

स्कूल स्तर पर गठित सर्वेक्षण दल - स्कूल प्रधानाध्यापक, शिक्षक, बालमित्र, SMC/SMDC और स्वयंसेवक

↓

सर्वेक्षण टीमों के माध्यम से किया गया सर्वेक्षण।

↓

स्कूल स्तर पर दर्ज किए गए डेटा को CRC, BRC और जिला समन्वयकों द्वारा पार सत्यापित किया गया था

↓

PRABANDH पोर्टल में सत्यापित डेटा दर्ज किया गया।

↓

PRABANDH पोर्टल के माध्यम से OoSC की ट्रैकिंग और निगरानी।





- इस वर्ष OoSCप्रविष्टियाँ विद्यालय स्तर पर चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम में की जाती हैं और डेटा की सफाई राज्य स्तर पर की जाती है जहाँ डुप्लिकेट प्रविष्टियाँ हटा दी जाती हैं, और गलत प्रविष्टियों को विद्या समीक्षा केंद्र में कॉल सेंटर प्रतिनिधियों के माध्यम से निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई के माध्यम से और उसके बाद राज्य कार्यालय द्वारा समूह, ब्लॉक और जिला नेतृत्व के साथ समीक्षा बैठकों द्वारा ठीक किया जाता है। एक बार डेटा साफ हो जाने के बाद राज्य ने विद्यालयी शिक्षा और साक्षरता विभाग, MoEके संबंधित अधिकारियों से प्रबंध पोर्टल में डेटा दर्ज करने का अनुरोध किया, जिसके लिए शुरुआत में एक पत्र भेजा गया था और बाद में राज्य के प्रतिनिधियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से दिल्ली कार्यालय का दौरा किया। सभी OoSCप्रविष्टियाँ बैकएंड प्रक्रिया के माध्यम से पोर्टल में ठीक से दर्ज कर दिया जाता है।
- ड्रॉप-आउट दर पर कोविड-19 के कारण स्कूल बंद होने के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, SS-गुजरात ने OoSC की पहचान करने के लिए विभिन्न अवधियों में रणनीतिक रूप से सर्वेक्षण किया है:

- दिसंबर 2021 में सर्वेक्षण: 6-18 वर्ष की आयु के 51,099 OoSC
- अप्रैल 2022 में आईसीडीएस के सहयोग से ड्रॉपआउट लड़कियां (11-14 वर्ष की आयु) सर्वेक्षण (SABALA/PURNA योजना): 22,021
- जून 2022 में विशेष सर्वेक्षण: 6-18 वर्ष की आयु के 70,338 OoSC
- दिसंबर 2021 से जून 2022 तक पहचाने गए 6-18 वर्ष की आयु के कुल1,43,458OoSC

6 से 8 वर्ष की आयु		9 से 14 वर्ष की आयु		15 से 18 वर्ष की आयु		31.12.2022 तक कुल OoSC (6-18 वर्ष)।	
लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति	लक्ष्य	प्रगति
86,305	79,195 (91.7%)	20,580	20,580 (100%)	36,573	36,150 (98.8%)	1,43,458	1,35,925 (94.7%)

विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (१२ माह)



RTE अधिनियम, 2009 की धारा 4, 9-14 वर्ष की आयु वर्ग के स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण और उपयुक्त आयुके साथ प्रवेश केलिए विशिष्ट प्रावधान करती है। 2010 से, राज्य उन बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमलागू कर रहा है जो कभी नामांकित नहीं हुए या जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया और एक वर्ष से अधिक समय से स्कूल से बाहर हैं। STP केंद्रों की सुविधा के लिए, एसएमसी योग्यता (स्नातक/ पीटीसी/बी.एड) वाले बालमित्र नामक शिक्षा स्वयंसेवकों की पहचान करते हैं। चयनित बालमित्रों को अनुकूलित पाठ्यक्रम, शिक्षण पर प्रशिक्षित किया जाता है-सीखने के तरीके/दृष्टिकोण, जीवन कौशल, एबीएल, बाल संरक्षण, आदि। इस कार्यक्रम के तहत प्रदान की जाने वाली सुविधाएं आधारभूत मूल्यांकन, विशेष रूप से विकसित STP सामग्री, और मध्याह्न भोजन तथा प्रबंध पोर्टल के माध्यम से STP बच्चों की निगरानी और ट्रैकिंग है।

वर्तमान मेंराज्य, सीखने के स्तर के आधार पर अलग-अलग STP मॉड्यूल के साथ 20,580 आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों को समायोजित करने के लिए 1,025 STP चला रहा है।

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान की गई गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

शैक्षणिक सत्र के अंत तक छात्रों को मुख्यधारा में लाना:



ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद और शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत अर्थात, जून 2023 से पहले, ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों, जिला समन्वयकों और बालमित्रों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि STP केंद्रों के छात्र जिन्होंने आवश्यक शैक्षणिक स्तर प्राप्त कर लिया है (STP केंद्रों में लगभग एक वर्ष का समर्थन प्राप्त करने के बाद) मुख्यधारा में आएं और ग्रेड के अनुसार कक्षाओं में नामांकित हों। यह भी सुनिश्चित किया गया कि बालमित्र छात्रों को STP से स्कूल तक उनके बदलाव के दौरान आवश्यक सहायता प्रदान करें। चूंकि स्कूल परिसर में STP केंद्र चल रहे हैं और बालमित्र प्रधानाध्यापकों/प्रधानाचार्यों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, इसलिए उनका बदलाव आसान हो जाएगा। मुख्यधारा में शामिल होने के बाद भी बालमित्र छात्रों और शिक्षकों को आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं।

वंचित समूह के बच्चों के लिए आवासीय विशेष प्रशिक्षण

कठिन क्षेत्रों या कठिन परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों की सहानुभूतिपूर्वक देखभाल की जानी चाहिए। स्कूल न जाने वाले बच्चों की पहचान की आवश्यकता है जो अत्यंत दूरस्थ, दुर्गम या बिखरी हुई बस्तियों में रहते हैं, ताकि उन्हें उम्र के अनुरूप कक्षाओं में नियमित स्कूलों में मुख्यधारा में लाया जा सके। राज्य ने जिला वलसाड और SMC में उन बच्चों को चिन्हित करने की योजना बनाई। विशेष आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रबंधन और निगरानी क्लस्टर-स्तरीय और जिला-स्तरीय समितियों द्वारा किया गया था। बच्चों को रहने के लिए बेहतर आवास, बोर्डिंग और शिक्षण सुविधा प्रदान की गई। विशेष आवासीय प्रशिक्षण के माध्यम से कुल 76 बच्चों ने प्रदान की गई सुविधाओं का लाभ उठाया।

विशेष प्रशिक्षण सामग्री

विशेष प्रशिक्षण सामग्री राज्य संसाधन समूह (SRG), DIETs के व्याख्याताओं, GCERT के व्याख्याताओं, CRC समन्वयकों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, गैर सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों, शिक्षा स्वयंसेवकों (बालमित्र) और अन्य विभागों और विश्वविद्यालयों के संसाधनों द्वारा विकसित की गई थी। सामग्री कक्षा 1 से 6 तक के लिए विकसित की गई थी। अन्य राज्य के प्रवासी बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री (कार्य पुस्तिका) हिंदी में विकसित की गई थी। इस सामग्री में मॉड्यूल, कार्यपुस्तिकाएं, गतिविधि कार्ड्स, प्री-टेस्ट पेपर्स और प्रगति कार्ड्स शामिल हैं।

आंतर/अंतर राज्य प्रवासनवाले बच्चों के लिए पहल तम्बू विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

गुजरात में स्थानांतरण एक बड़ा मुद्दा है ।कई परिवार आजीविका के लिए एक जिले/राज्य से दूसरे जिले/दूसरे राज्य में स्थानांतरण करते हैं। हर साल कई परिवार उड़ीसा, यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से गुजरात के गांधीनगर, आणंद, खेड़ा, भरूच, सूरत अहमदाबाद, महेसाणा और वडोदरा जिलों में आते हैं। वे कृषि कार्य, चीनी कारखाने का काम, चीनी मिट्टी का काम, नमक का काम, ईंट बनाने का व्यवसाय, निर्माण कार्य आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों में लगे रहते हैं। माता-पिता के साथ-साथ बच्चे भी अपनी शिक्षा बंद करके स्थानांतरण कर जाते हैं। कार्यस्थलों/स्थलों पर स्कूलों की अनुपलब्धता और स्कूलों तक पहुँचने में चुनौतियों के कारण बच्चे या तो अपने भाई-बहनों की देखभाल के लिए घर पर ही रहते हैं या अपने माता-पिता को उनके काम में मदद करते हैं।

उपरोक्त चुनौतियों का समाधान करने और ऐसे बच्चों को शिक्षा सुविधाएं प्रदान करने के लिए कार्यस्थलों पर STP डे केयर सेंटर शुरू किए गए हैं। शिक्षा स्वयंसेवक (बालमित्र) ऐसे स्थानों पर जाते हैं और बच्चों की पहचान करते हैं तथा उनके माता-पिता को STP केंद्रों में नामांकन के लिए सुविधा देते हैं। ये केंद्र प्रतिदिन 5 घंटे (11:00 - 4:00) संचालित होते हैं और बच्चों को पढ़ने, लिखने, खेलने, सामूहिक रूप से समस्याओं को साझा करने आदि जैसी सार्थक गतिविधियों में शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बालमित्र बच्चों के सीखने के स्तर का आकलन करते हैं और तदनुसार अवधारणाओं को सिखाते हैं।

रिपोर्टिंग वर्ष (2022-23) के दौरान, कुल 10,566 बच्चों की पहचान की गई जिन्हें तम्बू STP की आवश्यकता होगी। 10,566 बच्चों के लक्ष्य के मुकाबले 9,051 बच्चों को 435 तम्बू STP के तहत चिन्हित किया गया। राज्य ने क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकों के लिए पड़ोसी राज्यों - एमपी, राजस्थान, यूपी, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के साथ संपर्क स्थापित किया है।

रणनीति	लक्षित बच्चों की संख्या	आवृत्त किए गए बच्चों की संख्या	केन्द्रों की संख्या
तम्बू STP	10566	लड़के –5007 लड़कियाँ 4144 कुल -9151	435

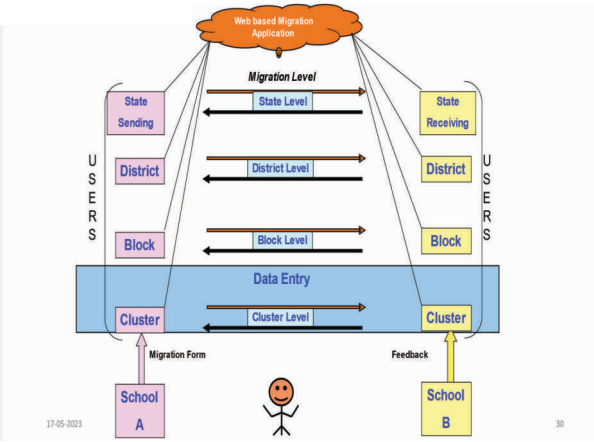
मौसमी एवं आवासीय मौसमी छात्रावास

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है कि आमतौर पर मौसमी स्थानांतरण एक क्षेत्र से दूसरे या एक राज्य से दूसरे राज्य में होता है जो कृषि संकट या वन क्षरण को लेकर है। ये कुछ वर्षा सिंचित क्षेत्र हैं और उस विशेष अवधि के बाद वहां कोई काम उपलब्ध नहीं होता है। ऐसी स्थिति में माता-पिता अपने बच्चों को अपने गाँव में रखने और अपने बच्चे को बिना स्थानांतरण के लिए राजी हो जाते हैं। इन बच्चों को आवासीय मौसमी छात्रवास में रहने और बोर्डिंग की सुविधा के साथ 6-9 महीनों तक शिक्षा मिलती रहती है।

विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के सक्रीय होने के बाद, मौसमी छात्रावास चलाने का काम समुदाय द्वारा ही निर्मित SMC द्वारा किया जाता है।सभी SMCs सामयिक STP और OSCs की मुख्य धारा से सम्बंधित क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का अनुकरण करता है।अब गांव के विद्यालय में आवासीय छात्रावास की उपलब्धता के कारण अपने माता-पिता के साथ स्थानांतरण करने वाले बच्चों में कमी आ गई है।

रणनीतियाँ	2022-23 हेतु भारत सरकार द्वारा स्वीकृत लक्ष्य	कवरेज	% में सफलता
	शारीरिक	शारीरिक	शारीरिक
मौसमी छात्रावास (आवासीय)	26109	19013	73%

रणनीतियाँ	2022-23 हेतु भारत सरकार द्वारा स्वीकृत लक्ष्य	कवरेज	% में सफलता
	शारीरिक	शारीरिक	शारीरिक
मौसमी छात्रावास (आवासीय)	1665	2060	82.04%
कुल	27774	21073	73.6%







रिपोर्टिंग वर्ष २०२२-२३ में स्कूल से बाहर के बच्चों के संबंध में प्रगति का विवरण

क्रमांक	विद्यालय न जानेवाले बच्चों के लिए हस्तक्षेप	AWP&B 2022-23 के अनुसार लक्ष्य	सफलता		मुख्यधारा में शामिल किए गए बच्चों की संख्या
			केन्द्रों की संख्या	बच्चों की संख्या	
1	STP (12 माह)	19537	1025	20580	20580
2	आवासीय छात्रालय (GOI)	226	3	76	76
3	प्रत्यक्ष नामांकन	26393	-	26393	26393
	कुल	46156	**1028**	**47049**	**47049**
4	तम्बू STP	10566	435	9151	
5	मौसमी छात्रालय	26109	768	19013	
6	आवासीय छात्रालय (GOG)	1665	83	2060	
	कुल	**38,340**	**1286**	**30224**	

परिवहन/अनुरक्षण सुविधाएं



प्रारंभिक कक्षाओं के बाद छात्रों द्वारा शिक्षा बंद करने का एक कारण अपने गाँव के बाहर के स्कूलों तक पहुँचने में आने वाली कठिनाइयाँ हैं। उनकी सीखने की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, 2012 से, राज्य RTE अधिनियम, 2009, धारा (8-बी) और (9-बी) तथा राज्य RTE नियम 2012, बिंदु 5 (5) के अनुसार, स्कूल एकत्रीकरण कार्यक्रम के तहत छात्रों को परिवहन सुविधाएं प्रदान कर रही है जहाँ छात्रों के लिए प्राथमिक विद्यालय की दूरी 1 किमी से अधिक है, उच्च प्राथमिक विद्यालय की दूरी 3 किमी से अधिक है, माध्यमिक विद्यालय की दूरी 5 किमी से अधिक है और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की दूरी छात्र के निवास से 7 किमी से अधिक है।

ये सुविधाएं सभी जिलों और नगर निगमों में एसएमसी के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। शिक्षकों के सहयोग से एसएमसी को यह तय करने की जिम्मेदारी दी गई है कि किन छात्रों को निर्बाध शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन/अनुरक्षण सुविधाओं की आवश्यकता है।



परिवहन सुविधा कार्यान्वयन का ढांचा

- स्कूल प्रबंधन समितियां (एसएमसी) RTE अधिनियम, 2009 और छात्रों की आवश्यकताओं के अनुसार CRC/BRC को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं।
- प्रस्तावों को जिला स्तर पर सत्यापित किया जाता है और राज्य परियोजना कार्यालय को प्रस्तुत किया जाता है।
- सत्यापन के बाद प्रस्तावों को मंजूरी दे दी जाती है और अनुदान एसएमसी के बैंक खाते में वितरित कर दिया जाता है।
- एसएमसी परिवहन सुविधा पर प्राप्त और उपयोग किए गए अनुदान का रिकॉर्ड बनाए रखती है।
- एसएमसी परिवहन सेवा प्रदान करने के लिए स्थानीय स्तर पर आरटीओ अनुमोदित वाहन की पहचान करती है।
- नामांकन अभियान जून महीने में शुरू होता है।

एक विषय के रूप में परिवहन सुविधा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण और एसएमसी/पीआरआई प्रशिक्षण में शामिल है। एसएस गुजरात ने सभी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए GPS आधारित वाहन ट्रैकिंग प्रणाली विकसित की है। GPS-आधारित वाहन ट्रैकिंग प्रणाली वाहन मार्गों, वाहनों की ओवरस्पीड और SOS सुविधाओं को ट्रैक करना संभव बनाती है।

वर्ष 2022-23 में छात्रों को परिवहन सुविधा प्रदान की गई

	लक्ष्य	प्रगति
GoI	1,81,087	प्राथमिक एवं माध्यमिक : 1,69,968 (B:86,048 & G:83,920)
GoG	88,880	प्राथमिक: 26,145 (B:13,934 & G:12,211)

'स्कूल ऑन व्हील्स' योजना

लवण-पटल श्रमिकों के बच्चे सितंबर के आसपास रेगिस्तान में चले जाते हैं और अगले वर्ष मई तक वहीं रहते हैं। उनके इस आवागमन के कारण, बच्चों को नियमित पढ़ाई में दिक्कत होती है और वे पिछड़ जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप नियमित पढ़ाई छोड़नी पड़ती है।इन ड्रॉपआउट्स को कम करने और बच्चों को निर्बाध शिक्षा प्रदान करने के लिए शुरू में अस्थायी तंबू और संरचनाओं के प्रावधान की योजना बनाई गई थी, हालांकि, चरम मौसम की स्थिति के कारण वे लंबे समय तक नहीं चल सके।लवण क्षेत्र और अत्यधिक मौसम की स्थिति के कारण वहां स्थायी स्कूल जैसी बुनियादी ढांचे की स्थापना भी संभव नहीं थी।

उपरोक्त चुनौतियों से निपटने और बच्चों को निरंतर शिक्षा प्रदान करने के लिए, समग्र शिक्षा, गुजरात ने लवण पटल के निर्जन क्षेत्रों में काम करने वाले लगभग 8000 प्रवासी परिवारों के लिए लगभग 1200 बच्चों को निरंतर शैक्षणिक सहायता प्रदान करने हेतु "स्कूल ऑन व्हील्स" नामक एक अनूठी परियोजना चलायी है। इस पहल के तहत, GSRTC ने कम लागत पर 38 अप्रयुक्त बसें प्रदान की हैं, जिन्हें और अधिक पुनर्निर्मित किया गया और राइटिंग डेस्क, चार्ट, TLMs, ग्रीन राइटिंग बोर्ड और सॉफ्ट बोर्ड, ई-कंटेंट के साथ पेन-ड्राइव, D2H सेट-टॉप बॉक्स के साथ LEDTVजो अध्ययन, पीने के पानी और मध्याह्न भोजन के लिए वंदे गुजरात चैनल प्रदान करता है, बैटरी बैकअप के साथ सौर प्रणाली जो मोबाइल कक्षा के रूप में काम करने के लिए आवश्यक बिजली, पीवीसी फर्श, रोशनी और पंखे प्रदान करती है, सहित सभी कक्षा की आपूर्ति से सुसज्जित किया गया। इस परियोजना का उद्घाटन 11 जुलाई 2018 को माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय रूपानी द्वारा किया गया था।

फिर इन पुनर्निर्मित बसों को लवण पटल क्षेत्र के पास चयनित स्थानों पर भेजा गया और पास के स्कूलों/सरकारी परिसरों में पार्क किया गया। मौसम के दौरान, यानी सितंबर से मई तक, जब क्षेत्र लवण पटल में तब्दील हो जाता है, ये बसें मोबाइल कक्षाओं के रूप में काम करती हैं, जहां स्थानीय स्तर पर बाल मित्र का चयन किया जाता है और शिक्षक बच्चों के लिए नियमित कक्षाएं संचालित करते हैं। पहले वर्ष में, परियोजना ने 500 बच्चों को शैक्षणिक सहायता प्रदान की और दूसरे वर्ष में, बाल मित्रों और आसपास के स्कूलों के संबंधित शिक्षकों के प्रयासों से यह संख्या बढ़कर 855 हो गई है।

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के दौरान, स्कूल ऑन व्हील्स परियोजना के माध्यम से कुल 770 बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। कवरेज का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रमांक	जिला	ब्लॉक	बसों की संख्या	बच्चों की संख्या
1	कच्छ	अंजार, भचाउ	5	116
2	पाटण	सांतलपुर	10	181
3	मोरबी	हलवद	3	94
4	सुरेन्द्रनगर	पाटडी	20	379
		कुल	38	**770**





Workshop On Early Warning System

गुजरात सरकार ने, UNICEF के तकनीकी सहयोग से, राज्य में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (EWS) के डिजाइन और कार्यान्वयन शुरू करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला (7-8 फरवरी 2023) का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान निम्नलिखित पर कठोर अभ्यास और समूह कार्य किया गया:

1. गुजरात के लिए विशेष रूप से स्कूल छोड़ने के कारणों की मैपिंग।
2. राज्य स्तर पर उपलब्ध जोखिमों के आसपास उपलब्ध जानकारी/डेटा की मैपिंग।
3. संकेतकों का चयन
4. जोखिमों की पहचान-सीमा, प्रौद्योगिकी की पहचान
5. EWS में विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की मैपिंग।
6. प्रतिक्रिया के लिए हस्तक्षेप की योजना कैसे बनाएं
7. EWS को समग्र शिक्षा AWP&B के साथ कैसे एकीकृत किया जाए

उचित विचार-विमर्श के आधार पर, राज्य ने संकेतकों की एक मसौदा सूची तैयार की है और समाधान के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए आगे का रास्ता तैयार किया है। EWS का समग्र उद्देश्य स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर ड्रॉपआउट को रोकने के लिए संभावित ड्रॉपआउट की पहचान करना और शीघ्र हस्तक्षेप करना है।





बालिका शिक्षा



3 बालिकाओं की शिक्षा

बालिकाओं की शिक्षा:

समग्र शिक्षा स्वीकार करती है कि प्रारंभिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने के लिए बालिकाओं तक पहुंचना अनिवार्य है। लैंगिक समानता पर समग्र शिक्षा का ध्यान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में निहित है जिसने लैंगिक और लड़कियों की शिक्षा के मुद्दे को अहम् स्थान पर रखा है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा को उनके सशक्तिकरण से जोड़ा। NPE का कहना है कि शिक्षा में व्यक्तित्व को बदलने की शक्ति होनी चाहिए, महिलाओं के आत्मविश्वास का निर्माण करना चाहिए, उनकी स्थिति में सुधार करना चाहिए और असमानताओं को चुनौती देने की क्षमता का विकास करना चाहिए, आदि।

देश के समग्र विकास में महिलाओं की अहम भूमिका है। लोकतंत्र को सफल बनाने के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। वे एक सुखी परिवार की सच्ची नींव हैं और एक शिक्षित महिला के पास बेहतर माता, कार्यकर्ता और नागरिक होने का कौशल, ज्ञान और आत्मविश्वास है। इसलिए लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

बालिका शिक्षा के तहत गतिविधियाँ:

जेंडर ओडिट

- जेंडर ओडिट उनकी नीतियों, कार्यक्रमों और परियोजनाओं सहित संगठनों में लैंगिक समानता के संस्थागतकरण का आकलन और जाँच करने का एक उपकरण है।
- यह कार्यक्रम 2014-15 में शुरू हुआ था। स्कूलों में लैंगिक-अनुक्रियाशील शिक्षण और सीखने के माहौल का आकलन करने के लिए जांच सूची (जेंडर ओडिट) SS द्वारा तैयार की गई थी। जांच सूची में विभिन्न संकेतक होते हैं; जांच सूची सभी जिला बालिका शिक्षा समन्वयकों (DGC), ब्लॉक और समूह संसाधन समन्वयकों के साथ साझा की जाती है।
- जांच सूची में संकेतक तीन मुख्य पहलुओं में विभाजित हैं।
- (अ)स्कूल और कक्षा का वातावरण
- (ब)स्कूल और कक्षा में अधिगम का वातावरण
- (स)शिक्षक-बाल संपर्क और शिक्षाशास्त्र

- राज्य भर के स्कूलों में लैंगिक निरिक्षण कराया जाता है।
- जेंडर ओडिट से, प्रमुख निष्कर्षो को फॉलोअप कार्य के लिए अलग किया जाता है।
- लजेंडर ओडिट के निष्कर्षो पर विचार करते हुए लैंगिक पूर्वाग्रह मुक्त कक्षाओं/स्कूल वातावरण बनाने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान की जाती है।
- जिले के सभी स्कूलों में लैंगिक संवेदीकरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्वतंत्र रूप से लैंगिक निरिक्षण किये जायेंगे।

दीकरीनी सलाम देशने नाम

'देश का गौरव बनने वाली हर लड़की को शिक्षित करें।' महिला सशक्तिकरण में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह लैंगिक आधार पर भेदभाव को रोकने में भी मदद करता है। शिक्षा महिलाओं को शक्ति देने व उसे जीवन जीने का तरीका चुनने की दिशा में पहला कदम है जिसे वह जीना चाहती हैं। शिक्षा महिलाओं को अपने काम में अधिक उत्पादक बनने में मदद करती है। एक जानकार महिला के पास वह कौशल, जानकारी, प्रतिभा और आत्मविश्वास होता है जो उसे एक बेहतर माँ, कर्मचारी और निवासी बनने के लिए आवश्यक होती है। शिक्षित लड़कियाँ अपने बच्चों की अच्छी परवरिश करके देश का भविष्य उज्ज्वल कर सकती है। शिक्षा एक महिला को विचार की स्वतंत्रता देती है। यह उसके दृष्टिकोण को व्यापक बनाती है और उसे अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करती है।



समग्र शिक्षा गुजरात वर्ष 2015-16 से गणतंत्र दिवस पर सभी स्कूलों में "दीकरीनी सलाम देशने नाम" कार्यक्रम मनाता है। ध्वजारोहण गांव की उच्च शिक्षित लड़कियों द्वारा किया जाता है और पुरस्कारों और इनामों से सम्मानित किया जाता है। समग्र शिक्षा लड़कियों से संबंधित वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों का भी आयोजन करती है। इस खास मौके पर स्कूलों में नवजात बच्चियों की माताओं को भी आमंत्रित कर उनका सम्मान किया जाता है।

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को अपराध के खिलाफ लड़ने के लिए सशक्त बनाना है। प्रत्येक छात्रा को आत्मरक्षा की तकनीकों का अभ्यास करना चाहिए। छात्राओं ने समग्र शिक्षा गुजरात के तहत अनुभवी और मैत्रीपूर्ण मार्शल आर्ट प्रशिक्षकों से सुरक्षित वातावरण में प्रेक्टिकल रक्षा तकनीक सीखी है। छात्राओं के लिए यह प्रेक्टिकल रक्षा तकनीक कार्यक्रम तनाव को दूर करने और एक ही समय में मूल्यवान आत्मरक्षा कौशल सीखने का एक शानदार तरीका है। आत्मरक्षा प्रशिक्षण लड़कियों को आत्मविश्वास में सुधार करने, दूसरों पर उनकी निर्भरता को कम करने और उनके शारीरिक स्वास्थ्य को बढाने में मदद करता है।

राज्य ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण को लागू करने के लिए राज्य और जिला स्तर के कार्यालयों में गृह विभाग की "सुरक्षा सेतु सोसायटी" के साथ सहयोग किया है।

जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है और स्कूल स्तर पर आत्मरक्षा प्रदान करने के लिए गृह विभाग के तहत "सुरक्षा सेतु सोसायटी" के साथ सहयोग करने वाली एजेंसी का चयन किया गया है।

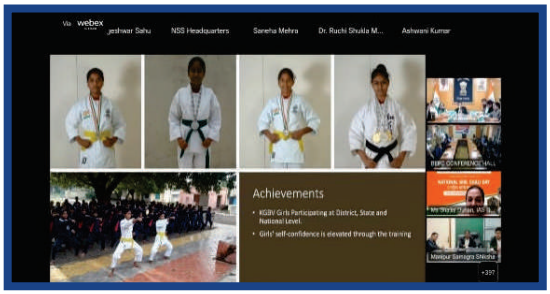
समग्र शिक्षा गुजरात ने सरकारी उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाली सभी लड़कियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया है। स्कूल प्रबंधन समितियों (SMC) द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना और अनुसूची के अनुसार कार्यान्वयन का ध्यान रखा गया था। सभी छात्राओं को तीन माह की आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें जूडो कराटे, केट कराटे, फाइट कराटे और तीरंदाजी आदि शामिल हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली कुछ लड़कियों ने ब्लॉक, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त किए।





क्रमांक	विद्यालय का प्रकार	आवृत किए गए विद्यालयों की संख्या	आवृत की गई बालिकाओं की संख्या
1	उच्च प्राथमिक विद्यालय	19400	9 लाख से अधिक लड़कियाँ
2	माध्यमिक विद्यालय	1460	

राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह, 2023 में दीक्षा पोर्टल पर आत्मरक्षा प्रशिक्षण मॉड्यूल की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने के लिए गुजरात को चुना गया था। आत्मरक्षा प्रशिक्षण ऑनलाइन मॉड्यूल लड़कियों के लिए घर से सीखने या व्यावहारिक कक्षाओं की प्रतिष्ठा को दोहराने के लिए बहुत उपयोगी थे।



किशोर शिक्षा कार्यक्रम



उजास भणी... (किशोर शिक्षा कार्यक्रम- AEP) एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य छात्रों को सटीक, उपयुक्त आयु और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक जानकारी के साथ सशक्त बनाना, स्वस्थ दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और कौशल विकसित करना है ताकि वे वास्तविक जीवन की स्थितियों पर सकारात्मक और जिम्मेदार तरीके से प्रतिक्रिया करने में सक्षम हो सकें। किशोरावस्था व्यक्ति के जीवन की एक बहुत ही विशेष अवधि होती है जहां एक व्यक्ति आत्म-पहचान की भावना ग्रहण करता है और उत्साह, आदर्शवाद, आत्म-संदेश और चिंता सहित असंख्य भावनाओं से चिन्हित होता है। यह बचपन और वयस्कता के बीच एक संक्रमणकालीन चरण है और इसमें कई शारीरिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक, बौद्धिक और व्यवहारिक परिवर्तन होते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में किशोरों से संबंधित विभिन्न विषयों को एक ऑनलाइन मंच का उपयोग करके पढ़ाया जाता है।

भारत सरकार के आयुष्मान भारत कार्यक्रम के अंतर्गत सभी सत्र स्वास्थ्य और कल्याण घटक के एक भाग के रूप में स्वास्थ्य शिक्षा, स्वास्थ्य संवर्धन और बीमारी की रोकथाम को जोड़ते हैं तथा एकीकृत और व्यवस्थित तरीके से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच पर ज्ञान प्रदान करते हैं। महीने के हर पहले शुक्रवार को BISAG के माध्यम से एक घंटे के कुल 10 एपिसोड प्रसारित किए जाते हैं। सभी एपिसोड हमारे यूट्यूब चैनल गुजरात ई-क्लास (UJASHBHANI KARYAKRAM) पर उपलब्ध हैं।



इस कार्यक्रम के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री बनाने के लिए, राज्य ने स्वास्थ्य विभाग, WCD, GCERT, SCPCR, PDEU और UNICEF के साथ सहयोग किया है। विषय विशेषज्ञों की एक विस्तृत श्रृंखला ने प्रासंगिक विषयों पर जानकारी दी।

AEP में शामिल विषय हैं:

- स्वस्थ होकर बड़ा होना
- भावनात्मक कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य
- पारस्परिक संबंध
- मूल्य और जिम्मेदार नागरिकता
- लैंगिक समानता
- पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता
- मादक द्रव्यों के दुरुपयोग की रोकथाम और प्रबंधन
- स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना
- प्रजनन, स्वास्थ्य और HIV की रोकथाम
- हिंसा और चोटों के विरुद्ध सुरक्षा और संरक्षा
- इंटरनेट, गेजेट और मीडिया के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देना

क्रमांक	जिला	विद्यालय का प्रकार	आवृत किए गए विद्यालयों की संख्या	आवृत की गई बालिकाओं की संख्या
1	37	उच्च प्राथमिक विद्यालय	15000	20 लाख से अधिक लड़कियाँ
2	37	माध्यमिक विद्यालय	1464	

स्कूलों में मासिक स्वच्छता प्रबंधन

28th मई को मासिक स्वच्छता (MH) दिवस समारोह।



समग्र शिक्षा गुजरात पिछले दो वर्षों से मासिक स्वच्छता दिवस मना रहा है। MH दिवस हर साल 28 मई को मासिक स्वच्छता दिवस समारोह मनाया जाता है, जिसमें 28 दिनों के प्रत्येक चक्र में मासिक स्वच्छता के औसतन 5 दिन होते हैं। पिछले तीन वर्षों से, MH दिवस आंदोलन एक रैली व नारा के रूप में हैशटैग #ItsTimeForAction का उपयोग करके मासिक स्वच्छता सम्बन्धी स्वास्थ्य और स्वच्छता में अधिक कार्रवाई व निवेश का आह्वान कर रहा है।

प्रगति को उत्प्रेरित करने हेतु, कार्रवाई का आह्वान करने की जगह उसे मिलकर पूर्ण करने का उदाहरण प्रस्तुत करना है। MH दिवस 2022 की थीम #WeAreCommitted है।

इसका लक्ष्य है

a) मासिक स्वच्छता संबंधी वर्जनाओं को तोड़ना और दुनिया भर में महिलाओं और किशोर लड़कियों के लिए मासिक स्वच्छता प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

b) यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्वच्छता उत्पाद अधिक सुलभ हैं।

c) वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर MHH के लिए राजनीतिक प्राथमिकता बढ़ाने और कार्रवाई को गति देने के लिए निर्णय कर्ताओं को शामिल करना है।

आभासी सत्र एमएच दिवस समारोह 2023



यूट्यूब लाइव (https://youtu.be/c७cKpoG५F३c) के माध्यम से वर्चुअल सत्र। इसका नेतृत्व समग्र शिक्षा, शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार की बालिका शिक्षा शाखा द्वारा 27 मई, 2022 को (28 मई को कार्यालय अवकाश था) 12.00-13.00 बजे तक किया गया था। सत्र का आयोजन एक विशिष्ट क्षमता वाले लेंस के साथ किया गया था, जो स्वास्थ्य विभाग और यूनिसेफ के वक्ताओं की उपस्थिति से समर्थित था, जिन्होंने सकारात्मक अवधि के अनुभव में योगदान करने के लिए अपने विशेषज्ञ ज्ञान और प्रतिबद्धता को साझा किया था। वेबिनार को यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किया गया और 12,423बार देखा गया, जिसमें जिला-स्तरीय कर्मचारी, ब्लॉक-स्तरीय कर्मचारी और सीआरसी शामिल थे। जमीनी स्तर पर आगे प्रसार के लिए रिकॉर्डिंग गर्ल्स एजुकेशन, गुजरात यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

गुजरात सरकार के स्वास्थ्य विभाग की सहायक निदेशक डॉ. बीना वडालिया ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के तकनीकी ज्ञान को साझा किया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि यह एक शारीरिक स्थिति है और इसलिए इसका सामाजिक अन्याय और भेदभाव से कोई लेना-देना नहीं होगा।

उन्होंने सैनिटरी पैड के वितरण को सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता को भी साझा किया। उन्होंने आगे उन मौजूदा पहलों के बारे में बात की जिनसे महिलाएं और किशोरियां लाभान्वित हो सकती हैं, जैसे कि किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक और RKSK।

गुजरात कार्यालय की UNICEF टीम ने तकनीकी क्षमता और वित्तीय क्षमता (यदि आवश्यक हो) में सरकार का समर्थन करने की प्रतिबद्धता दिखाई। UNICEF प्रमुख ने MHM पर नीति और जमीनी स्तर पर विभिन्न राज्यों में काम करने के अपने अनुभव साझा किए और इस तथ्य पर जोर दिया कि बदलाव देखने के लिए जमीनी स्तर पर हस्तक्षेप महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कार्यस्थल में पीरियड शिक्षा और MHM के प्रति शिक्षा विभाग की प्रतिबद्धता की सराहना की और समग्र शिक्षा में नेतृत्व के प्रयासों का स्वागत किया जो पारदर्शिता बढ़ाएगा, जवाबदेही के लिए आधार प्रदान करेगा और दूसरों को हमारे उदाहरण का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने अन्य विभागों को भी यह घोषणा करने के लिए प्रेरित किया कि वे एक ऐसी दुनिया बनाने में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां 2030 तक किसी को भी मासिक धर्म के कारण पीछे नहीं रखा जाएगा।

डॉ. अमी ने महिला प्रजनन प्रणाली और हार्मोन का तकनीकी ज्ञान साझा किया। उन्होंने आगे किशोर स्वास्थ्य और पोषण को बनाए रखने के तरीकों और साधनों के बारे में बात की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मासिक धर्म के आसपास प्रचलित मिथकों और कलंकों और न केवल सभी लड़कियों बल्कि लड़कों के लिए भी एक सुरक्षित रूप से सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए स्कूलों में इन मिथकों को दूर करने के महत्व पर चर्चा की।

सुश्री दर्शना सुथार ने समग्र शिक्षा की प्रतिबद्धता प्रस्तुत करके सत्र का समापन किया और सभी प्रतिभागियों से प्रतिबद्धता को पूरा करने में अपनी भूमिका और जिम्मेदारी को पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि स्कूलों और हमारे कार्यालयों में पीरियड-अनुकूल शौचालयों जैसे हस्तक्षेप से हमारी महिला सहकर्मियों के हर महीने लगभग 5 दिन बिताने के तरीके में बदलाव आ सकता है। कार्यस्थल पर नियमित अभिविन्यास होने से एक ऐसे वातावरण का निर्माण हो सकता है जहां मासिक धर्म से जुड़ी कोई शर्म नहीं होगी।



गतिविधियाँ

सभी जिलों को मासिक स्वच्छता स्वास्थ्य और स्वच्छता (MHH) के बारे में ज्ञान और जागरूकता में सुधार करने और इसके आसपास वर्जनाओं और कलंक को दूर करने के लिए MH दिवस मनाने का निर्देश दिया गया था, जिसमें निम्नलिखित गतिविधियों के माध्यम से सभी लड़कियों और महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और आरामदायक अवधि का अनुभव कराना है;

रेड डॉट चैलेंज- अक्सर मासिक स्वच्छता के बारे में चर्चाओं को 'लड़कियों की समस्या' के रूप में देखा जाता है और शर्मिंदा किया जाता है, नजरअंदाज किया जाता है और टाला जाता है। #RedDotChallenge पुरुषों, महिलाओं, लड़कों और लड़कियों को बिना किसी वर्जना/शर्मिंदगी की भावना के पीरियड्स/मासिक धर्म और मासिक स्वच्छता के बारे में बोलने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है। पीरियड की बातचीत को दृश्यता देने के लिए हाथ पर लाल बिंदु बनाया जा सकता है। आप अपनी तस्वीर किसी भी डिजिटल मीडिया पर साझा कर सकते हैं।

मासिक स्वच्छता ब्रेसलेट- मासिक स्वच्छता ब्रेसलेट MH दिवस द्वारा बनाया गया मासिक धर्म के लिए एक वैश्विक प्रतीक है। इसमें सफेद रंग के 28 मोती शामिल हैं, जिसमें लाल रंग के 5 मोती शामिल हैं जो मासिक अवधि चक्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये कंगन स्थानीय सामग्री से बनाए जा सकते हैं और डिजिटल मीडिया पर साझा किए जा सकते हैं।

मासिक स्वच्छता जागरूकता या व्यक्तिगत अनुभवों से संबंधित किट, कहानियाँ, कविताएँ और चित्र समुदाय के साथ साझा किए जा सकते हैं।

स्कूलों की वरिष्ठ लड़कियाँ इस पत्र के साथ साझा की गई संसाधन सामग्री का उपयोग करके अपने घर की महिलाओं के साथ MHM जागरूकता सत्र ले सकती हैं।

जिन शिक्षकों ने सफलतापूर्वक MH जागरूकता सत्र आयोजित किए हैं, वे अनुभवों के साथ अपनी पाठ योजनाएं साझा कर सकते हैं।

गुजरात के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में मासिक स्वच्छता कॉर्नर

समग्र शिक्षा गांधीनगर का लक्ष्य मासिक धर्म कॉर्नर के माध्यम से गुजरात के छात्रों, विशेषकर लड़कियों के बीच पीरियड एजुकेशन में सुधार करना है। पीरियड एजुकेशन में सुधार से स्कूल में अनुपस्थिति में कमी आ सकती है, प्रभावी ढंग से बताया जा सकता है कि पीरियड कैसे काम करता है और डिम्बग्रंथि या मासिक धर्म से पहले विकार सम्बन्धी लक्षणों के बारे में कैसे पता लगाया जा सकता है।

उचित शिक्षा, बिना किसी पूर्वाग्रह के मासिक स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करती है और सम्मानजनक मासिक धर्म को एक बुनियादी मानव अधिकार के रूप में मानती है।



गुजरात राज्य भर में 249 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों से शुरुआत करके चरणबद्ध तरीके से मासिक स्वच्छता कॉर्नर स्थापित किए गए हैं। UNICEF द्वारा प्रस्तावित मासिक स्वच्छता कॉर्नर में छात्रों को किशोर स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े मासिक धर्म के बारे में ज्ञान तक बाधा मुक्त पहुंच प्रदान करने के लिए दृश्य उपकरण और इंटरैक्टिव आईईसी शामिल हैं।

मासिक स्वच्छता कॉर्नर की एक इकाई में समाविष्ट होता है-

- शिक्षा के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल
- किशोरियों के लिए पुस्तिकाएं और पॉकेट पुस्तिकाएं
- जागरूकता पोस्टर, पत्रक और एप्रन
- इंटरैक्टिव खेल
- बुनियादी दवा और स्वास्थ्य निगरानी चार्ट
- नमूना अवशोषक
- स्वच्छता किट
- श्रव्य-दृश्य उपकरण
- सेट अप करने के लिए टेबल

सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन की स्थापना

"किशोरी स्वाभिमान"

"किशोरी स्वाभिमान" परियोजना के तहत समग्र शिक्षा ने 2447 प्राथमिक विद्यालयों और 1010 माध्यमिक विद्यालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की हैं।

सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनें मासिक वाली लड़कियों के बीच सशक्तिकरण और सम्मान की भावना को बढ़ावा देती है और मासिक धर्म के बारे में चर्चा को सामान्य बनाने, कलंक को कम करने तथा एक सहायक और समावेशी स्कूल वातावरण को बढ़ावा देने में मदद करती हैं।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV)

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) योजना, भारत सरकार द्वारा अगस्त 2004 में मुख्य रूप से अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गो और दुर्गम क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों की लड़कियों के लिए उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय विद्यालयों की स्थापना के लिए शुरू की गई थी। इस योजना के तहत, KGBVs शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों (EBBS) में स्थापित की गई हैं जहाँ महिला ग्रामीण साक्षरता राष्ट्रीय औसत से नीचे है (अर्थात, 2001 की जनगणना के अनुसार 46.13% से कम) और 2001 की जनगणना के अनुसार, साक्षरता में लैंगिक अंतर राष्ट्रीय औसत 21.59% से ऊपर है। इस योजना का दायरा उन ब्लॉकों को कवर करने के लिए बढाया गया था, जहाँ ग्रामीण महिला साक्षरता 30% से कम है और शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय महिला साक्षरता (शहरी) से अधिक 53.67% है जो 2001 की जनगणना के अनुसार है। ग्रामीण महिला साक्षरता 46.13% के साथ शैक्षिक रूप से पिछड़े सभी ब्लॉकों को कवर करने के लिए इसे फिर से बढाया गया। लक्षित लडकियों में से 75% अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक समुदायों और अन्य पिछड़े वर्ग के समुदायों से है और 25% लडकियां गरीबी रेखा के नीचे (BPL) है। लड़कियों का नामांकन कक्षा 6 से 8 में उनकी आयु के अनुसार और RTE अधिनियम, 2009 में दर्शाए गए उपयुक्त आयु के आधार पर किया जाता है। विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी कम से कम 3 महीने और अधिकतम 6 महीने या 6 महीने से अधिक के लिए उन लड़कियों के लिए निर्धारित किया गया है, जो कभी स्कूल नहीं गई थी।

इस समय गुजरात में, समग्र शिक्षा के तहत कुल 249 KGBVs स्थापित है, जिनमें से 168 KGBVs भारत सरकार के समर्थन से चलाए जाते हैं और 81 गुजरात सरकार के समर्थन की मदद से चलाए जाते हैं। KGBVs चार प्रकार के होते है:

टाइप-I (कक्षा 6-8)

टाइप-II (कक्षा 6-10)

टाइप-III (कक्षा 6-12)

टाइप-IV (कक्षा 9-12)

KGBVs में श्रेणी-वार नामांकन की स्थिति:

जैसा कि ऊपर कहा गया है, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, OBC, अल्पसंख्यक और BPL परिवारों की लक्षित लड़कियों तक पहुंचने को लेकर अधिक ध्यान दिया जाता है। नीचे दी गई तालिका KGBVs के श्रेणी-वार नामांकन का विवरण देती है।

प्रकार	स्वीकृत KGBV	परिचालन KGBV	SC	ST	OBC	BPL	मुस्लिम	अन्य	कुल
I	25	25	73	536	342	354	2	27	1334
II	24	24	199	492	958	486	25	48	2208
III	121	121	1086	4980	5411	3736	132	206	15551
IV	81	79	908	1920	2868	1526	68	142	7432
	251	249	2266	7928	9579	6102	227	423	26525

शिक्षकों का क्षमता निर्माण:

KGBVs को ठीक से प्रबंधित करने के लिए शिक्षकों और वार्डन को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। वर्ष २०२२-२३ में प्रदान किए गए प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है।

प्रशिक्षण का प्रकार	प्रशिक्षण सामग्री
वार्डन सह प्रधान शिक्षक का क्षेत्र स्तरीय प्रशिक्षण	KGBV प्रशासन और प्रबंधन
महिला समाख्या द्वारा वार्डन सह प्रधान शिक्षिका का क्षेत्र स्तरीय प्रशिक्षण	स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम पर प्रशिक्षण लैंगिक समानता अंतरवैयक्तिक संबंध मूल्य और जिम्मेदार नागरिकता मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन
जिला और KGBV स्टाफ को मासिक धर्म स्वच्छता व्यवस्था प्रशिक्षण	MH कॉर्नर और मासिक धर्म पैड के उपयोग के बारे में जागरूकता
JEE -NEET की तैयारी पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम	JEE-NEET की तैयारी के लिए G-SHALA के माध्यम से ऑनलाइन समर्थन पर स्टाफ और KGBV लड़कियों को जागरूक करने के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम।

शैक्षिक गतिविधियाँ



- सेमेस्टर परीक्षाओं के आधार पर, प्रत्येक KGBV प्रधान शिक्षक वर्ग 6, 7 और 8 से संबंधित कक्षा शिक्षकों के साथ एक अकादमिक रिकार्ड रखता है, और विशेष प्रशिक्षण आयोजित करता है।
- माध्यमिक विद्यालय की लड़कियों के लिए विज्ञान और गणित जैसे विषयों में अतिरिक्त कोचिंग उपलब्ध है।
- राज्य स्तर पर सभी विषयों के लिए साप्ताहिक यूनिट परीक्षा आयोजित की गई और प्रत्येक बालिका का डेटा सभी शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन डेटाबेस में दर्ज किया गया है।
- निरंतर मूल्यांकन की इस पद्धति का उपयोग किया जाता है ताकि KGBV शिक्षक खराब प्रदर्शन करने वाली छात्राओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें और उन पर अतिरिक्त ध्यान दे सकें।
- KGBV स्तर पर, शैक्षिक यात्राओं को और जानने के लिए निर्धारित किया गया है।
- शिक्षक, शिक्षण-अधिगम सहायक सामग्री को डिज़ाइन और तैयार करते हैं, जिसका उपयोग वे नियमित या ब्रिज कोर्स कक्षाओं में करते हैं।
- शिक्षकों को ज्ञानकुंज उपकरण संचालित करने के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है। अतिरिक्त प्रासंगिक जानकारी देने के साथ-साथ सभी विषयों के लिए ई-सामग्री तक पहुंच के लिए KGBV में इंटरनेट का उपयोग उपलब्ध है।
- KGBVs को स्मार्ट क्लासरूम (ज्ञानकुंज) और आईसीटी लैब्स के साथ अपग्रेड किया गया है।
- KGBV की लड़कियां G-SHALA एप्लिकेशन का उपयोग करके अपनी शिक्षा को बढ़ाती है। G-SHALA के माध्यम से NEET और JEE की तैयारी के लिए ऑनलाइन सहायता से विज्ञान स्ट्रीम के छात्रों को लाभ हुआ है।

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ



- KGBV की लड़कियों ने परियोजना कार्य, निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और योग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिनका आयोजन GCERT, प्राथमिक शिक्षा विभाग, और अन्य जैसे विभिन्न विभागों द्वारा किया गया है।
- पूरे वर्ष, लडकियां उन गतिविधियों में भाग लेती हैं जो उनके कौशल के विकास के लिए सहायक होती हैं जैसे कांच की पेंटिंग, कचरे से उपयोगी वस्तुएं बनाना, बागवानी और साप्ताहिक एक्सपोजर विज़िट।
- गतिविधियों का विवरण नियमित रूप से SHAGUN पोर्टल पर अपलोड किया जाता है।
- KGBV लड़कियों के बीच जिज्ञासा बढ़ाने के लिए IIT गांधीनगर के सहयोग से JIGNASHA परियोजना।

स्वास्थ्य रिकार्ड बनाए रखना और लड़कियों के समग्र स्वास्थ्य का आकलन करना:

- हर तीन महीने में स्वास्थ्य जांच की जाती है। लड़कियों की स्वास्थ्य जांच के दौरान ऊँचाई, वजन और बेसिक मेटाबोलिक इंडेक्स (BMI) की गणना की जाती है।
- हर तिमाही में रिकार्ड को प्रदर्शित और अपडेट किए जाते हैं और तदनुसार लड़की-वार डेटा की निगरानी की जाती है
- KGBVs में, अद्यतन स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रदर्शित किए जाते हैं और हर लड़की का डेटा ट्रैक किया जाता है।
- एम.एस विश्वविद्यालय (खाद्य एवं पोषण विभाग) के आहार विशेषज्ञों के निर्देशानुसार पौष्टिक भोजन परोसा जाता है। हर तीन महीने में PHC के डॉक्टर KGBV का दौरा करते हैं।
- कम वजन और एनीमिया लड़कियों के भोजन और आहार की देखभाल के लिए स्वास्थ्य समिति का गठन किया गया है।
- लड़कियों के मासिक धर्म चक्र रिकॉर्ड किए जाते हैं और उन्हें इन दिनों में सही स्वच्छता तकनीक सिखाई जाती है।
- सैनिटरी नैपकिन के सुरक्षित निपटान के लिए इन्सिनरेटर प्रदान किए जाते हैं।
- CHC/PHC की सहायता से सप्ताह में दो बार सभी लड़कियों को आयरन-फोलिक टैबलेट दिया जाता है।

KGBV सुरक्षा दिशानिर्देश

लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसके लिए दिशानिर्देश NCPCR (राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग) के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किए गए हैं और समग्र शिक्षा द्वारा सभी जिलों को जारी किए गए हैं। यह दिशानिर्देश रसोई, खेल के मैदानों और अभिभावक-मिलन सुरक्षा उपायों के विशिष्ट कार्यान्वयन का वर्णन करता है। सभी KGBV वार्डन को निम्नलिखित सुरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया है:

सुरक्षित सुविधाओं का प्रावधान:

- 24 घंटे बिजली सुविधा के साथ हवादार KGBV भवन।
- बच्चों के अनुकूल शौचालय की सुविधा और पानी की सुविधा के साथ स्नान कक्ष।
- बिस्तर सेट का प्रावधान (गद्दे, कंबल, तकिया, मच्छरदानी, चादर सहित), स्वच्छता किट (टूथब्रश, तौलिया, साबुन, तेल आदि)
- उपयुक्त पेयजल सुविधा, वाटर प्यूरीफायर जहां कहीं आवश्यक हो।
- मासिक धर्म के दौरान सुरक्षित पैड तक पहुंच और निपटान के लिए सुरक्षित सुविधा।
- रसोई गार्डन, पौधों आदि के साथ स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण।
- KGBV सीमा की बाड़सहित (फूल और सजावटी पौधा की क्यारी) चारदीवारी।
- KGBVs में प्राथमिक चिकित्सा किट की उपलब्धता।

सुरक्षित और स्वस्थ भोजन

1. KGBV मेनू का पालन करें और सभी लड़कियों को विभिन्न प्रकार के भोजन से भरपूर कम से कम 4 पौष्टिक भोजन प्रदान करें ।
2. रसोई में उपयोग की जाने वाली सभी किराने के सामान की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित की जाती है।

रसोई सुरक्षा

- किसी लकड़ी और पारंपरिक चूल्हे की जगह LPG गैस चूल्हे का प्रयोग।
- किसी भी तरह की दुर्घटना को रोकने के लिए खाना बनाते समय रसोई में लड़कियों के लिए प्रवेश प्रतिबंधित।
- यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच करें कि कोई गैस रिसाव तो नहीं है।

- अतिरिक्त LPG गैस सिलेंडर का प्रावधान।
- रसोई और KGBV के अन्य स्थानों में अग्निशामक तक पहुंच
- यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच करें कि कोई गैस रिसाव तो नहीं है।



KGBV भवन और खेल के मैदान में सुरक्षा:
मेहमानों के साथ बैठकों और स्कूल भ्रमण के दौरान सुरक्षा:
सुरक्षा और सुरक्षा के लिए रणनीति:



a) KGBVs में सुरक्षा कर्मचारी 24 घंटे मौजूद रहते हैं।
b) केएमसी सदस्य यह भी सुनिश्चित करते हैं कि सुरक्षा कर्मचारी KGBV में हैं और अपना काम ठीक से कर रहे हैं।
c) प्रत्येक KGBV में बाड़ के साथ परिसर की दीवार है।
d) प्रत्येक KGBV में सीसीटीवी निगरानी।
e) KGBV में एक सुरक्षा समिति बनाई गई है जो KGBV की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सतर्क रहेगी - जैसे कि दरवाजों की मजबूती, सोने से पहले ताले की जांच करना।
f) केजीबीवी में पूर्णकालिक शिक्षकों के रिश्तेदारों का रहना प्रतिबंधित है।
g) लड़कियों की दिन में दो बार हाजिरी लेना।
h) निर्धारित समय के बाद या रात में अज्ञात व्यक्तियों के लिए विद्यालय परिसर में प्रवेश वर्जित है - शाम 6 बजे के बाद पुरुष व्यक्ति का प्रवेश प्रतिबंधित है।
i) स्कूल की चारदीवारी और ताला सहित सुरक्षित मुख्य द्वार
j) KGBVs में जाने पर रजिस्टर में अनिवार्य प्रविष्टि
k) रात में, वार्डन, पूर्णकालिक महिला शिक्षक और एक चौकीदार उपस्थित रहना चाहिए।

किचनगार्डन:

इसका उद्देश्य छात्रों को रसायन मुक्त और पोषक तत्वों से भरपूर जैविक सब्जियां और फल उपलब्ध कराना है। यह छात्रों को श्रमके साथ सीखने का अवसर भी प्रदान करता है। स्कूल प्रबंधन जगह, पानी और अन्य आवश्यकताओं जैसे बीज और उपकरण की सुविधा प्रदान कर रहा है। इन प्रथाओं के तहत, स्कूल के बगीचे बनाए जाते हैं और छात्रों को पोषण और संतुलित आहार का महत्व सिखाया जाता है। उन्हें स्वच्छता की आवश्यकता और एक स्वस्थ जीवन शैली से भी परिचित कराया जाता है।



व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण



- राज्य NIOS के माध्यम से और NSQF पाठ्यक्रमों के अनुरूप व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। व्यावसायिक कौशल में प्रशिक्षण शिक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। KGBVs में प्रदान किया जाने वाला प्रशिक्षण कार्य-आधारित और कैरियर-उन्मुख प्रशिक्षण है। इस प्रशिक्षण से लड़कियों में आत्मविश्वास आता है, जिससे उन्हें भविष्य में काम ढूंढने में मदद मिलती है।
- KGBV निम्नलिखित ट्रेडों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है
- कटाई और सिलाई
- सौंदर्य संस्कृति एवं बालों की देखभाल
- बुनियादी कंप्यूटिंग
- भारतीय कढ़ाई में प्रमाणपत्र
- योग

संमिलन रणनीति

- राज्य में बालिका शिक्षा में सुधार के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए SS ने संमिलन को हाथ पकड़ने की रणनीति के रूप में अपनाया है। राज्य KGBVs शिक्षा विभाग के सहयोग से कार्य कर रहे हैं।
- निम्न विभागों के साथ संमिलन किया जाता है:
- महिला एवं बाल विभाग
- स्वास्थ्य विभाग
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
- जनजातीय विभाग
- सड़क एवं भवन विभाग
- NIOS
- खेल,युवा एवं सांस्कृतिक विभाग
- गृह विभाग
- आपदा प्रबंधन विभाग
- जिला बाल संरक्षण विभाग

IIT गांधीनगर के सहयोग से प्रोजेक्ट 'JIGNASHA'

जिज्ञासा मानव विकास का एक स्वाभाविक पहलू है और आमतौर पर किशोरों में देखी जाती है। यह नई चीजें सीखने और तलाशने, अपने आसपास की दुनिया को समझने और ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने की इच्छा है। किशोर अपने विकास के एक अनूठे चरण में होता है जहां उनकी जिज्ञासा अधिक रहती है, क्योंकि वे बचपन से वयस्कता की ओर बढ़ रहे हैं और दुनिया में अपनी पहचान और स्थान की खोज कर रहे हैं। उनकी जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने से उन्हें महत्वपूर्ण सोच कौशल, रचनात्मकता और सीखने के प्रति प्रेम विकसित करने में मदद मिल सकती है।



समग्र शिक्षा गुजरात ने IIT गांधीनगर के साथ सहयोग किया है, संस्थान ने छात्रों में जिज्ञासा विकसित करने के लिए कई वीडियो विकसित किए हैं। ये वीडियो अनुभवात्मक विज्ञान की नींव पर केंद्रित हैं। समग्र शिक्षा की बालिका शिक्षा शाखा ने एक दिशानिर्देश विकसित किया है और KGBV को दी गई समय-सीमा के अनुसार जिज्ञासा वाला वीडियो चलाने का निर्देश दिया है। यह भी निर्देश दिया गया कि KGBV की लड़कियों को वीडियो दिखाने से पहले शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाए।



विद्यार्थियों की प्रेरणा में सुधार के लिए जिज्ञासा एक उपयोगी उपकरण है और यह बालिकाओं के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

गुजरात के सभी KGBVs में हर शनिवार और रविवार को जिज्ञासा वीडियो दिखाए जाते हैं। KGBV वार्डन वीडियो शुरू करने से पहले KGBVs में पर्याप्त सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं। यह देखा गया है कि लड़कियों ने हर बार जिज्ञासा वाले वीडियो देखने और नई चीजें सीखने का आनंद लिया है। लड़कियों ने वीडियो पूरा करने के बाद ऐसे प्रयोग भी किए हैं जिनसे उन्हें विज्ञान विषय में अपनी जिज्ञासा बढ़ाने में मदद मिली। प्रत्येक शनिवार और रविवार को विभिन्न विषयों पर 28 जिज्ञासा वीडियो चलाए गए।

KGBV कन्या के प्रशंसापत्र - KGBV कन्या की सफलता की कहानी

नाम: रिकिता दिनेशभाई वसावा
KGBV: सेलाम्बा, नर्मदा
एक बीपीएल लड़की के रूप में नामांकित
वर्तमान स्थिति: प्रथम वर्ष
एक नेत्र रोग विशेषज्ञ
(दिव्य ज्योति कॉलेज)





नाम: श्रद्धा आलाभाई वसारा
KGBV: विजपर, देवभूमि द्वारका
के रूप में नामांकित: ड्रॉप ओटी गर्ल
वर्तमान स्थिति: एमबीबी प्रथम वर्ष
(GMERS)

नाम: वैशाली अरविंदभाई परमार
KGBV: ऊना, गिर सोमनाथ
के रूप में नामांकित: ड्रॉप आउट लड़की
वर्तमान स्थिति: इंजीनियर
(दिनदयाल विश्वविद्यालय)





नाम: केनिशा मानसिंहभाई मोरी
KGBV: केरल, जूनागढ़
एक बीपीएल लड़की के रूप में नामांकित
वर्तमान स्थिति : एमबीबीएस
प्रथम वर्ष

नाम: राजीबेन जीवनभाई आहिर
KGBV: कोलीवाड़ा, पाटन
के रूप में नामांकित: ड्रॉप आउट लड़की
वर्तमान स्थिति : पुलिस कांस्टेबल





नाम: पारुल सुमतभाई मैडम
KGBV: नाघेडी, जामनगर
वर्तमान स्थिति : सीआरपीएफ में चयन



विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (IE-CwSN)



4 विशेष आवश्यकतावाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (IE-CwSN)

समावेशी शिक्षा, सभी शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को संबोधित करने, सीखने में उनकी भागीदारी बढ़ाने तथा शिक्षण के भीतर और बाहर बहिष्करण को कम करने की एक प्रक्रिया है। इसमें सामग्री, दृष्टिकोण, संरचनाओं और रणनीतियों में परिवर्तन और संशोधन शामिल है। एक दृढ़ विश्वास के साथ कि सभी बच्चों को सामान्य दृष्टि के तहत शिक्षित करने की जिम्मेदारी नियमित प्रणाली की है जो उपयुक्त आयु सीमा के सभी बच्चों को अपने में समाहित करती है। समावेशी शिक्षा का उद्देश्य सभी के अधिकार के रूप में शिक्षा का समर्थन करना है, जिसमें वंचित समूहों, लड़कियों और महिलाओं, दिव्यांग बच्चों और विद्यालय न जाने वाले बच्चों के लिए भागीदारी और सीखने की बाधाओं को दूर करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसका समग्र उद्देश्य है एक ऐसा विद्यालय जहां सभी बच्चे भाग ले और उनके साथ समान व्यवहार किया जा सके।

विद्यालय शिक्षा के लिए नई एकीकृत योजना- समग्र शिक्षा के अनुसार, प्रशासन की मौजूदा प्रणालियों को पुनर्गठित किया गया था। इस योजना का उद्देश्य प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक एक क्रम से विशेष जरूरतमंद वाले बच्चों (CwSN) सहित सभी की शिक्षा पर ध्यान देना है। यह योजना दिव्यांगता वाले व्यक्तियों का अधिकार (RPwD) अधिनियम, 2016 की अनुसूची में उल्लेखानुसार, सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय के विद्यालयों में पढ़ रहे एक या एक से अधिक दिव्यांगता के साथ विशेष जरूरतों वाले सभी बच्चों को अपने में समाहित करती है। इस प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, सर्व शिक्षा अभियान द्वारा समर्थित प्राथमिक शिक्षा (I-VIII) में विशेष आवश्यकता वाले बच्चे के साथ माध्यमिक स्तर पर दिव्यांगो के लिए केंद्र प्रायोजित समावेशी शिक्षा (IEDSS) (IX-XII) को शामिल किया गया है।

रिपोर्टिंग वर्ष (2022-23) के दौरान, समग्र शिक्षा, गुजरात ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (IE-CwSN) नामक घटक के तहत समावेशन के लिए कई पहल शुरू और कार्यान्वित किये हैं। पिछले वर्षों की तरह, यह वर्ष भी OoSCwSN की पहचान, नामांकन, चिकित्सा मूल्यांकन, विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा, सहायता और उपकरण, भत्ते आदि प्रदान करने पर विशेष ध्यान रखा गया ताकि बच्चों को ऑनलाइन/ऑफ़लाइन और घरेलू दौरों के माध्यम से निरंतर सीखने और चिकित्सीय सहायता की सुविधा मिल सके। इस वर्ष, प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ उन तरीकों की योजना और कार्यान्वयन पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है जिससे CwSN के सीखने के स्तर में सुधार किया जा सके और विशेष शिक्षक स्कूलों में CwSN की शिक्षा का समर्थन करने के लिए अधिक समय दे सकें।

पूर्व-प्राथमिक स्तर पर समावेशी शिक्षा

UDISE+ 2021-22 के अनुसार, पूर्व-प्राथमिक स्तर पर सभी प्रबंधन स्कूलों में कुल 546 CwSN नामांकित हैं, जिनमें से कुल 193 (लड़के: 130 और लड़कियाँ: 67) CwSN छात्र सरकारी, सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय विद्यालयों में नामांकित हैं, यानी 35.34%।

प्रारंभिक स्तर पर समावेशी शिक्षा

गुजरात में UDISE+ 2021-22 के अनुसार RPwD अधिनियम, 2016 में परिभाषित एक या अधिक विकलांगता वाले कुल 60,557 CwSN छात्र सभी प्रबंधन स्कूलों में नामांकित हैं, जिनमें से 52,836 सीडब्ल्यूएसएन सरकारी, सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय स्कूलों में नामांकित हैं, यानी 87.25%। विभिन्न प्रकार की विकलांगता वाले 52,836 CwSN में से 31,939 लड़के और 20,897 लड़कियां हैं।

प्रारंभिक स्तर पर जिला-अनुसार और स्कूल प्रबंधन-अनुसार नामांकित CwSN:

UDISE+ 2021-22 के अनुसार कक्षा 1 से 8 में CwSN नामांकन				
क्रमांक	जिला	सभी प्रबंधन विद्यालय	केन्द्रीय सरकारी, मदरसा और निजी विद्यालय	सरकारी, सहायता प्राप्त, स्थानीय, आदिवासी समाज कल्याण, MSB, मॉडेल और मॉडेल डे, अन्य सरकारी और RMSA विद्यालय
1	अहमदाबाद	1675	135	1540
2	अमरेली	1398	39	1359
3	आणंद	2702	253	2449
4	अरावली	1419	120	1299
5	बनासकांठा	2986	79	2907
6	भरूच	1506	270	1236
7	भावनगर	2906	76	2830
8	बोटाद	638	32	606
9	छोटाउदेपुर	1363	91	1272
10	देव. द्वारका	466	29	437
11	दाहोद	1116	42	1074
12	गांधीनगर	1207	181	1026
13	गिर सोमनाथ	1383	33	1350
14	जामनगर	625	131	494
15	जूनागढ़	1678	188	1490
16	कच्छ	2386	201	2185
17	खेड़ा	2122	38	2084
18	मेहसाणा	2075	105	1970
19	महिसागर	1900	18	1882
20	मोरबी	985	6	979
21	नर्मदा	938	2	936
22	नवसारी	1554	58	1496
23	पंचमहाल	2736	53	2683
24	पाटण	1304	23	1281
25	पोरबंदर	374	38	336
26	राजकोट	1592	91	1501
27	साबरकांठा	1883	64	1819
28	सुरत	1414	122	1292
29	सुरेन्द्रनगर	2231	55	2176
30	तापी	1004	9	995

UDISE+ 2021-22 के अनुसार कक्षा 1 से 8 में CwSN नामांकन				
क्रमांक	जिला	सभी प्रबंधन विद्यालय	केन्द्रीय सरकारी, मदरसा और निजी विद्यालय	सरकारी, सहायता प्राप्त, स्थानीय, आदिवासी समाज कल्याण, MSB, मॉडेल और मॉडेल डे, अन्य सरकारी और RMSA विद्यालय
31	डांग	619	101	518
32	वड़ोदरा	2487	131	2356
33	वलसाड	1811	256	1555
34	एएमसी	3299	1813	1486
35	आरएमसी	619	253	366
36	एसएमसी	3069	1881	1188
37	वीएमसी	1087	704	383
	कुल योग	**60557**	**7721**	**52836**

स्कूल अनुसार मुताबिक (UDISE+ 2021-22): कक्षा 1-8 में नामांकित CwSN की विभिन्न श्रेणियों वाले प्राथमिक स्कूलों (प्रबंधन के बावजूद) की संख्या

क्रमांक	जिला	कुल विद्यालय (सरकारी और सहायता प्राप्त)	CWSN नामांकन वाले कुल विद्यालय	TB	LV	CND	HI	लोकोमोटर	SLI	LC	ID	थैलेसीमिया	MS	मांसपेशीय दुर्विकास	SLD	CP	ASD	बौनापन	AAS	सिकल सेल	
1	अहमदाबाद	722	474	24	104	2	124	151	42	1	260	11	13	18	43	49	2	9	0	2	70
2	अमरेली	787	451	13	79	0	102	155	54	1	162	23	7	16	49	80	5	10	0	1	89
3	आणंद	1099	735	48	136	1	177	326	48	1	343	6	10	25	92	96	20	7	0	1	100
4	अरावली	1243	520	25	76	1	101	166	60	0	190	8	7	15	51	63	4	6	0	1	93
5	बनासकांठा	2425	977	43	209	4	180	375	161	5	174	7	26	38	53	40	8	9	0	3	348
6	भरूच	931	485	15	66	2	77	139	57	1	195	2	7	15	62	42	3	11	2	35	95
7	भावनगर	1025	726	19	118	1	157	255	90	1	318	21	22	30	136	117	13	15	0	0	99
8	बोटाद	248	191	10	36	0	31	74	24	0	85	2	5	8	25	32	2	5	0	0	40
9	छोटाउदेपुर	1298	434	14	77	1	59	130	75	1	118	0	6	9	81	24	4	13	2	36	103
10	देवभूमि द्वारका	601	166	14	19	0	32	60	21	2	34	13	3	4	9	6	1	1	0	0	59
11	दाहोद	1748	367	25	100	1	84	138	71	1	37	0	14	18	27	22	5	3	0	18	141

12	गांधीनगर	673	332	17	65	0	68	119	39	2	116	1	10	8	14	33	3	1	0	0	80
13	गिर सोमनाथ	556	392	11	69	2	72	128	46	1	206	23	7	11	75	58	2	16	0	2	32
14	जामनगर	722	231	9	22	0	44	70	15	0	70	12	1	5	15	15	1	2	0	0	48
15	जूनागढ़	745	484	23	71	1	91	168	52	1	270	25	1	3	95	96	1	16	0	1	15
16	कच्छ	1739	756	46	101	2	155	244	99	5	224	31	16	21	45	59	12	14	0	2	175
17	खेड़ा	1437	803	44	131	0	168	364	52	1	386	4	44	9	29	48	3	8	0	1	75
18	मेहसाणा	1048	619	41	85	1	157	247	50	2	334	9	14	16	62	64	1	6	0	0	83
19	महिसागर	1230	623	27	91	0	129	197	47	1	367	5	7	4	53	71	2	5	0	0	55
20	मोरबी	590	351	11	51	0	66	109	43	2	180	11	4	5	49	24	4	1	0	0	38
21	नर्मदा	728	320	4	50	1	48	78	45	1	190	1	1	12	49	8	2	3	0	21	15
22	नवसारी	706	370	12	49	0	64	101	41	3	166	2	5	7	48	4	4	3	1	48	39
23	पंचमहाल	1433	851	19	168	5	133	285	114	4	359	3	7	12	75	135	1	11	1	34	206
24	पाटण	841	460	27	59	1	88	173	62	1	153	4	16	13	22	31	2	5	0	0	139
25	पोरबंदर	311	109	3	10	0	21	37	15	1	15	6	3	5	8	17	3	2	0	0	48
26	राजकोट	895	574	12	83	1	90	161	66	0	271	34	10	8	89	54	7	12	0	1	47
27	साबरकांठा	1213	629	25	104	0	109	242	47	1	283	5	12	9	49	66	4	5	0	11	97
28	सुरत	984	428	10	56	0	79	110	51	1	223	3	15	8	77	6	2	4	1	49	53
29	सुरेन्द्रनगर	886	665	35	157	3	161	227	101	1	329	10	13	102	205	60	3	19	2	1	38
30	तापी	857	390	7	48	2	47	69	27	1	196	5	5	7	68	32	2	2	3	100	31
31	डांग	394	185	4	34	0	28	51	25	1	89	0	6	12	44	3	1	2	0	6	29
32	वड़ोदरा	1092	689	18	173	2	133	236	113	1	388	6	9	15	92	41	3	8	1	6	51
33	वलसाड	1011	527	10	92	1	93	165	54	0	239	1	11	7	69	21	2	5	1	66	67
34	एएमसी	464	307	24	72	2	96	120	48	4	112	4	10	15	30	77	10	4	0	1	110
35	आरएमसी	90	64	8	16	0	22	27	14	0	20	8	1	3	15	9	2	4	0	1	35
36	एसएमसी	326	213	16	61	1	59	82	29	0	83	9	11	9	7	17	4	5	0	1	67
37	वीएमसी	127	84	2	21	1	18	30	18	0	28	4	2	2	8	11	1	2	0	1	40
	कुल	**33225**	**16955**	**715**	**2956**	**39**	**3360**	**5809**	**2016**	**49**	**7213**	**319**	**361**	**432**	**2014**	**1631**	**149**	**254**	**14**	**450**	**2947**

प्राथमिक विद्यालयों 2022-23 में संसाधन कक्षों का विवरण

संसाधन कक्षों का विवरण				
संसाधन कक्ष		भौतिक (कक्षों की संख्या)	व्यक्तियों की संख्या	संबोधित किए गए CwSN की संख्या
	विद्यालय	NA	विद्यालय स्तर पर 683 विशेष शिक्षक नियुक्त	लगभग 35000+ CwSN छात्र
	क्लस्टर	510	क्लस्टर स्तर पर 1027 विशेष शिक्षक नियुक्त	
	ब्लॉक	245	37 जिला समन्वयक	
	जिला			

प्राथमिक स्तर (2021-22) पर KGBVs में नामांकित विशेष आवश्यकता वाली लड़कियों की जानकारी

KGBVs और बालिका छात्रावास (कक्षा 1 से 8)									
राज्य	कुल CwSN कक्षा 1 से 8	LV	HI	SLI	लॉकोमोटर	MI	SLD	ID	सिकल सेल विकलांगता
कुल	20	2	1	3	3	5	2	3	1

2022-23 के दौरान प्रारंभिक स्तर पर राज्य द्वारा प्रस्तावित राज्य स्तर पर IE पर प्रशिक्षण का विवरण

2022-23 के लिए राज्य द्वारा प्रस्तावित राज्य स्तर पर IE पर प्रशिक्षण का विवरण:					
क्रमांक	गतिविधियाँ	प्रशिक्षण की अवधि	प्रशिक्षित किए जाने वाले प्रतिभागी (शिक्षक/RPs, शिक्षा प्रशासन आदि)	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षित किया जाना है
1	VI के लिए ICT सहायक उपकरण, गतिशीलता और प्री-ब्रेल प्रशिक्षण विशेष मास्टर ट्रेनर	2 दिवस आवासीय	विशेष प्रशिक्षको/विशेष शिक्षकों एवं जिला समन्वयकों	198 विशेष शिक्षक और 36 जिला समन्वयक	नवचेतन ट्रस्ट, कच्छ जिला
2	बौद्धिक विकलांगता शिक्षण अधिगम सामग्री (TLMs) - 03 से 18 वर्ष की आयु के CwSN छात्रों के लिए किट	2 घंटे का ऑनलाइन सत्र	विशेष प्रशिक्षको/विशेष शिक्षकों एवं जिला समन्वयकों	1710 विशेष प्रशिक्षको और 36 जिला समन्वयक	NIEPMD, चेन्नई

प्राथमिक स्तर पर विद्यालयों का कवरेज

विद्यालयों का कवरेज 2022-23				
क्रमांक	क्लस्टर	विशेष प्रशिक्षको द्वारा 1 माह में कवर की गई विद्यालयों की औसतन संख्या	कवर की गई विद्यालयों की संख्या (प्रति दिन)	CwSN कवरेज की औस. सं.
1	क्लस्टर स्तर पर एक विशेष शिक्षक तैनात	समान विद्यालयों की पुनरावृत्ति सहित 30 विद्यालय	दिव्यायन ऐप में एक टूर डायरी तैयार की जाती है, जिसके अनुसार क्लस्टर स्तर पर तैनात विशेष शिक्षक क्लस्टर के भीतर स्कूलों का दौरा करते हैं। जैसा कि नीचे बताया गया है, क्लस्टर दो प्रकार के होते हैं: 1) संसाधन कक्ष के साथ इन-स्कूल वाला क्लस्टर: प्रत्येक सोमवार से गुरुवार तक एक स्कूल (इन-एसआरआर) का दौरा और शुक्रवार को दो स्कूल का दौरा और शनिवार को एक घर का दौरा। 2) क्लस्टर में संसाधन कक्ष नहीं है: प्रत्येक सोमवार को क्लस्टर के भीतर उच्चतम सीडब्ल्यूएसएन नामांकित एक स्कूल; मंगलवार से शुक्रवार-दो स्कूल दौरे और प्रत्येक शनिवार को एक घर दौरा	15000+

माध्यमिक स्तर पर समावेशी शिक्षा (कक्षा 9 से 12)

UDISE+ 2021-22 के अनुसार, राज्य भर के सभी प्रबंधन स्कूलों में कुल 12,809 CwSN नामांकित हैं, जिनमें से 10,792 CwSN (लड़के: 6,653 और लड़कियाँ : 4,139) RPwD अधिनियम, 2016 के अनुसार एक या अधिक विकलांगताओं के साथ नामांकित हैं। सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय स्कूल, यानी 84.25%।

UDISE+ 2021-22 के अनुसार कक्षा 9 से 12 में CwSN नामांकन				
क्रमांक	जिला	सभी प्रबंधन विद्यालयों	सरकारी, सहायता प्राप्त, स्थानीय, आदिवासी समाज कल्याण, MSB, मॉडेल और मॉडेल डे, अन्य सरकारी और RMSA विद्यालय	केन्द्रीय सरकारी, मदरसा और निजी विद्यालय
1	अहमदाबाद	460	375	85
2	अमरेली	351	342	9
3	आणंद	660	579	81
4	अरावली	218	210	8
5	बनासकांठा	428	386	42

UDISE+ 2021-22 के अनुसार कक्षा 9 से 12 में CwSN नामांकन				
क्रमांक	जिला	सभी प्रबंधन विद्यालय	सरकारी, सहायता प्राप्त, स्थानीय, आदिवासी समाज कल्याण, MSB, मॉडेल और मॉडेल डे, अन्य सरकारी और RMSA विद्यालय	केन्द्रीय सरकारी, मदरसा और निजी विद्यालय
6	भरूच	368	305	63
7	भावनगर	707	648	59
8	बोटाद	102	97	5
9	छोटाउदेपुर	179	178	1
10	देव द्वारिका	66	60	6
11	दाहोद	217	162	55
12	गांधीनगर	411	302	109
13	गिर सोमनाथ	292	269	23
14	जामनगर	97	73	24
15	जूनागढ़	543	493	50
16	कच्छ	437	298	139
17	खेड़ा	629	621	8
18	मेहसाणा	581	578	3
19	महिसागर	543	538	5
20	मोरबी	133	131	2
21	नर्मदा	166	163	3
22	नवसारी	358	199	159
23	पंचमहाल	520	503	17
24	पाटण	269	259	10
25	पोरबंदर	82	76	6
26	राजकोट	256	224	32
27	साबरकांठा	489	433	56
28	सुरत	295	276	19
29	सुरेन्द्रनगर	395	380	15
30	तापी	146	138	8
31	डांग	136	77	59
32	वड़ोदरा	326	318	8
33	वलसाड	287	267	20
34	एएमसी	592	483	109
35	आरएमसी	186	77	109
36	एसएमसी	616	170	446
37	वीएमसी	268	104	164
	कुल	**12809**	**10792**	**2017**

स्कूल-वार विश्लेषण- CwSN छात्रों की विभिन्न श्रेणियों वाले माध्यमिक स्तर के स्कूलों (प्रबंधन के बावजूद) की संख्या

क्रमांक	जिला	कुल विद्यालय (सरकारी और सहायता प्राप्त)	CWSN नामांकन वाले कुल विद्यालय	TB	LV	CND	HI	लॉकोमोटर	SLI	LC	HD	हैलेसीमिया	MS	मासपेशीय दुर्विकास	SLD	CP	ASD	बौनापन	AAS	सिकल सेल	MI	हिमोफिलिया	MD	PD
1	अहमदाबाद	307	129	8	32	0	21	54	7	1	46	5	2	1	2	15	1	3	0	0	12	1	12	0
2	अमरेली	184	104	7	29	1	20	49	6	1	36	4	2	1	8	9	0	1	0	0	24	1	5	0
3	आणंद	243	167	19	48	0	31	102	5	2	72	0	0	4	17	13	1	2	0	0	21	0	11	0
4	अरावली	226	83	10	29	0	9	40	1	0	36	0	0	4	5	4	0	2	0	0	10	0	5	0
5	बनासकांठा	366	148	8	42	1	21	81	10	1	16	0	2	5	3	5	1	5	0	1	39	0	6	2
6	भरूच	188	99	8	19	0	15	43	7	0	30	2	0	5	6	2	1	5	0	10	17	0	6	0
7	भावनगर	225	137	7	35	1	39	41	19	0	63	1	2	3	29	16	1	4	0	0	15	1	23	0
8	बोटाद	82	37	1	10	0	7	17	3	0	9	0	1	2	2	2	0	1	0	0	6	0	3	0
9	छोटाउदेपुर	139	47	3	10	0	4	17	7	0	12	0	0	0	4	2	0	1	0	11	13	0	2	0
10	देव. द्वारिका	92	28	3	2	0	3	12	1	0	5	2	1	0	0	0	0	1	0	0	9	1	3	0
11	दाहोद	314	57	9	18	0	10	27	7	0	1	1	0	0	2	2	0	2	0	0	19	0	2	0
12	गांधीनगर	210	86	9	16	0	11	41	2	0	18	1	0	0	3	6	0	1	0	0	20	0	3	0
13	गिर सोमनाथ	122	76	1	19	0	17	46	4	0	35	1	0	2	8	10	0	2	0	0	4	1	7	0
14	जामनगर	151	32	3	5	0	3	14	0	0	14	3	0	0	1	1	0	0	0	0	4	0	3	0
15	जूनागढ़	238	174	16	24	0	32	89	12	0	97	3	1	1	9	19	0	6	0	1	7	0	1	0
16	कच्छ	294	115	9	24	1	20	52	8	0	30	4	1	4	1	1	1	2	0	0	29	0	2	0
17	खेड़ा	288	193	23	42	0	48	113	7	1	100	2	3	3	5	7	0	1	0	0	15	0	11	0
18	मेहसाना	278	176	23	42	1	36	103	6	0	80	1	6	4	18	16	1	4	0	0	19	1	9	0
19	महिसागर	213	144	21	46	0	31	59	7	1	96	0	1	3	4	14	0	0	0	0	17	1	9	0
20	मोरबी	113	57	4	12	0	8	25	2	0	16	3	0	1	5	2	0	0	0	0	13	0	1	0

21	नर्मदा	111	51	1	13	0	5	18	4	0	24	0	0	1	5	1	0	1	0	9	3	0	2	0
22	नवसारी	145	69	6	22	0	14	28	3	0	24	1	0	1	4	2	0	2	0	19	4	0	6	0
23	पंचमहाल	241	140	12	41	1	20	73	5	0	56	1	0	4	9	15	1	2	0	5	37	1	0	0
24	पाटण	202	93	8	29	0	6	45	6	1	19	0	1	1	3	7	3	2	0	0	20	0	7	0
25	पोरबंदर	72	28	1	6	0	4	14	2	0	0	0	1	3	1	3	0	0	0	0	12	0	2	0
26	राजकोट	215	90	4	16	0	14	48	8	0	31	1	0	1	9	3	0	4	0	0	11	0	2	0
27	साबरकांठा	285	172	20	46	0	31	72	3	0	73	1	0	3	9	16	0	1	0	3	29	0	13	0
28	सुरत	165	68	0	20	0	11	32	4	0	29	1	0	1	8	5	0	1	0	14	6	0	8	0
29	सुरेन्द्रनगर	211	128	12	19	0	25	65	7	0	65	1	0	4	13	7	0	2	0	0	8	1	4	1
30	तापी	130	49	0	8	0	3	15	6	1	20	0	0	2	7	2	0	2	0	21	4	0	3	0
31	डांग	65	33	1	5	0	1	13	6	0	15	1	1	1	2	0	0	0	0	3	4	1	2	0
32	वड़ोदरा	160	102	5	26	0	11	60	12	1	53	0	0	0	11	1	0	1	0	2	3	0	3	0
33	वलसाड	183	82	2	24	0	7	40	3	0	30	0	0	2	6	1	0	0	0	13	10	1	7	0
34	एएमसी	329	66	1	18	0	12	26	4	0	18	1	1	4	4	8	1	0	0	0	8	0	6	0
35	आरएमसी	78	27	4	4	0	3	9	2	0	2	0	0	3	0	1	0	0	0	0	8	0	0	0
36	एसएमसी	101	29	3	7	0	6	12	2	0	2	2	0	1	0	1	0	0	0	1	10	0	3	0
37	वीएमसी	98	29	3	6	0	5	13	2	0	4	0	0	0	0	0	2	1	0	1	6	0	0	0
	कुल	**7064**	**3342**	**275**	**814**	**7**	**564**	**1608**	**200**	**11**	**1278**	**43**	**26**	**75**	**223**	**218**	**14**	**62**	**0**	**114**	**496**	**11**	**193**	**3**

माध्यमिक स्तर के विद्यालय में संसाधन कक्षों का विवरण:

संसाधन कक्ष का विवरण				
संसाधन कक्ष		भौतिक (कक्ष की संख्या)	व्यक्तियों की संख्या	संबोधित CwSN की संख्या
	क्लस्टर्स	510	क्लस्टर स्तर पर 977 विशेष शिक्षक तैनात	लगभग 5000+ CwSN छात्र
	ब्लॉक	245		
	जिला		37 जिला समन्वयक	

2022-23 के दौरान माध्यमिक स्तर पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण विवरण

2022-23 के लिए राज्य द्वारा प्रस्तावित राज्य स्तर पर IE पर प्रशिक्षण का विवरण:					
क्रमांक	गतिविधियाँ	प्रशिक्षण की अवधि	प्रशिक्षित किए जाने वाले प्रतिभागी (शिक्षक, RPs, शिक्षा प्रशासन आदि)	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षित किया जाना है
1	VI के लिए ICT सहायक उपकरण, गतिशीलता और प्री-ब्रेल प्रशिक्षण विशेष मास्टर ट्रेनर	२ दिवसीय आवासीय	विशेष शिक्षक/ विशेष शिक्षकों एवं जिला समन्वयकों	३०३ विशेष शिक्षक	नवचेतन ट्रस्ट, कच्छ जिला
2	बौद्धिक विकलांगता शिक्षण अधिगम सामग्री (TLMs)-03 से 18 वर्ष की आयु के CwSN छात्रों के लिए किट	२ घंटे का ऑनलाइन सत्र	विशेष शिक्षक/ विशेष शिक्षकों एवं जिला समन्वयकों	९७७ विशेष शिक्षक	NIEPMD, चेन्नई

2022-23 के दौरान माध्यमिक स्तर पर स्कूल कवरेज

स्कूल कवरेज 2022-23				
क्रमांक	क्लस्टर	विशेष शिक्षा द्वारा 1 माह में कवर की गई विद्यालयों की औसतन संख्या	कवर की गई विद्यालयों की संख्या (प्रति दिन)	CwSN कवरेज की औस. सं.
1	क्लस्टर स्तर पर एक विशेष शिक्षक तैनात	समान विद्यालयों की पुनरावृत्ति सहित 30 विद्यालय।	दिव्यायन ऐप में एक टूर डायरी तैयार की जाती है, जिसके अनुसार क्लस्टर स्तर पर तैनात विशेष शिक्षक क्लस्टर के भीतर स्कूलों का दौरा करते हैं। जैसा कि नीचे बताया गया है, क्लस्टर दो प्रकार के होते हैं: 1) संसाधन कक्ष के साथ इन-स्कूल वाला क्लस्टर: प्रत्येक सोमवार से गुरुवार तक एक स्कूल (इन-एसआरआर) का दौरा और शुक्रवार को दो स्कूल का दौरा और शनिवार को एक घर का दौरा। 2) क्लस्टर में संसाधन कक्ष नहीं है: प्रत्येक सोमवार को क्लस्टर के भीतर उच्चतम सीडब्ल्यूएसएन नामांकित एक स्कूल; मंगलवार से शुक्रवार- दो स्कूल दौरे और प्रत्येक शनिवार को एक घर दौरा	5000+

प्राथमिक और माध्यमिक दोनों (2022-23) स्तरों पर की गयी पहल:

CwSN की पहचान और चिकित्सा मूल्यांकन:

नामांकन अभियान से पहले सभी क्षेत्रीय कर्मचारी जैसे जिला समन्वयक, BRC, CRC, सेवाकालीन शिक्षक, विशेष शिक्षक और बालमित्रों को CwSN सहित OoSC की पहचान हेतु अभिविन्यस्त किया गया।

- घरेलू सर्वेक्षण के पश्चात् स्कूल न जाने वाले CwSN 3016 की पहचान की गई।
- इस शैक्षणिक वर्ष में, कक्षा 1 में कुल 4,754 CwSN निकटवर्ती स्कूलों में नामांकित हैं।
- CwSN के माता-पिता अभिभावक के साथ विशेष शिक्षकों ने दिव्यांगता मूल्यांकन के लिए पास के CHC/जिला सिविल अस्पताल का दौरा किया।
- स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से प्रखंड स्तर पर चिकित्सा मूल्यांकन शिविरों का आयोजन।
- विशेष शिक्षकों ने चिकित्सा प्रमाण पत्र और UDID कार्ड जारी करने की सुविधा प्रदान की जिसके परिणामस्वरूप 52,928 CwSN ने दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्राप्त किया है, यानी 76,433 में से 69.24% नामांकित हैं।
- कुल 208 CwSN की सर्जरी की गई (कक्षा 1-8: 162 और कक्षा 9-12: 46)









उपकरणों एवं सहायता का प्रावधान

ALIMCO के माध्यम से 5,940 CwSN को 10,524 विभिन्न सहायता और उपकरण वितरित करने के लिए शेष 09 जिलों और 01 नगर निगम में सहायक उपकरण तथा उसके वितरण शिबिर आयोजित किए गए, जो पिछले निर्धारण वर्ष 2021-22 में लंबित थे।

वर्तमान निर्धारण वर्ष 2022-23 में, शाखा ने नवंबर से दिसंबर 2022 तक ALIMCO के साथ जुड़कर ब्लॉक स्तर पर सहायक उपकरण और उसका मूल्यांकन शिबिर आयोजित किया। विशेषज्ञों और डॉक्टरों के साथ चार टीमों ने सभी नामांकित CwSN का मूल्यांकन किया और श्रवणयंत्र जैसे विभिन्न सहायक उपकरणों को निर्धारित किया गया। कक्षा 1 से 12 तक नामांकित पात्र CwSN के लिए सहायक उपकरण, डेज़ी प्लेयर, ब्रेल किट, स्मार्ट केन, MSEID किट, सीपी कुर्सी, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी, कैलिपर आदि।
उपकरणों का वितरण अभी शुरू नहीं हुआ है।



भत्ते (परिवहन, अनुरक्षण, पाठक, बालिका वृत्ति, आदि)

- विद्यालय में नामांकित योग्य CwSN को विद्यालय तक उनकी आसान पहुँच के लिए परिवहन और अनुरक्षण भत्ते प्रदान किये गए जिससे वे शैक्षणिक, चिकित्सीय और उपचारात्मक सेवाओं का लाभ ठीक से उठा सके।
  कक्षा 9 से 12 तक के दृष्टिबाधित छात्रों के लिए पाठक भत्ता प्रदान किया गया।
- एक या अधिक दिव्यांगता वाली सभी लड़कियों को बालिका वृत्ति प्रदान की गयी।
- कक्षा 9 से 12 CwSN छात्रों को जिन्हें चलने फिरने में मुश्किल होती है, उन्हें आया/हेल्पर/परिचारिका की जरुरत की पूर्ति के लिए सहायक भत्ता दिया गया।

उपरोक्त भत्तों को कक्षा 1 से 8 CwSN योग्य छात्रों के लिए आगे संवितरण हेतु जिलों को वितरित किया गया था और कक्षा 9 से 12 CwSN छात्रों के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से राज्य स्तर पर धनराशि का वितरण किया गया। चिकित्सीय भत्तों के मामले में, जिले ने CwSN छात्रों को चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने के लिए ब्लॉक/क्लस्टर स्तर पर संसाधन कक्षों में प्रति विजिट चिकित्सक को 1000 रूपये के पारिश्रमिक का भुगतान किया है।

पात्र CwSN को जनवरी 23 तक निम्नलिखित भत्ते DBT के माध्यम से वितरित किए गए थे:

क्रमांक	प्रावधान	CwSN ने प्राथमिक स्तर पर प्रावधानों का लाभ उठाया	CwSN ने माध्यमिक स्तर पर प्रावधानों का लाभ उठाया	कुल CwSN ने प्रावधानों का लाभ उठाया (कक्षा 1-12)
1	परिवहन	14667	5306	19973
2	अनुरक्षण	9228	3022	12250
3	हेल्पर/आया	1383	1762	3145
4	पाठक	1058	1151	2209
5	बालिका वृत्तिका	12364	3280	15644

स्रोतः PRABANDH पोर्टल।

ब्रेल पाठ्यपुस्तकें और आवर्धक लेंस

4,809 कम दृष्टि वाले छात्रों को आवर्धक लेंस प्रदान किया गया। श्री नवचेतन अंधजन मंडल, माधापुर, कच्छ (गुजरात) के सहयोग से 955 नेत्रहीन छात्रों को ब्रेल पाठ्यपुस्तकें (कक्षा 1 से 12) वितरित की गईं।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम:ICT सहायक प्रौद्योगिकी, गतिशीलता और प्री-ब्रेल पर 6 विशिष्ट शिक्षकों (मास्टर ट्रेनर्स) के लिए दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण:

ICT सहायक प्रौद्योगिकी पर चयनित 534 मास्टर प्रशिक्षकों (जिला समन्वयक और विशेष शिक्षा) के लिए 2 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अक्टूबर और दिसंबर 2022 में श्री नवचेतन अंधजन मंडल, माधापुर, कच्छ (गुजरात) के समन्वय में गतिशीलता आयी। प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षकों ने जिला/ब्लॉक स्तर पर बाकी IE-CwSN फील्ड स्टाफ के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

उद्देश्य

- प्रशिक्षुओं को कक्षा-संबंधित सहायक प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सक्षम बनाना।
- दृष्टिबाधित प्रशिक्षु बच्चों को विभिन्न हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का उपयोग सिखाने में सक्षम बनाना ताकि वे सभी शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में भाग ले सकें।
- प्रशिक्षुओं को अपने छठी कक्षा के छात्रों को जीवन के सभी क्षेत्रों में सहायक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उसे प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षुओं को समस्या-समाधान और समस्या निवारण में प्रशिक्षण प्रदान करना ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर अपने छात्रों को सहायता व सेवा प्रदान कर सके।
- सहायक प्रौद्योगिकी में स्वयं को अद्यतन रखने के लिए प्रशिक्षुओं को संसाधनों से परिचित कराना।

क्रियाविधि

- 534 IE-CwSN फील्ड स्टाफ (मास्टर ट्रेनर्स) के लिए दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण।
- प्री-टेस्ट और पोस्ट-टेस्ट आयोजित किया गया
- मास्टर प्रशिक्षकों को बैचों में प्रशिक्षित किया गया (प्रति बैच औसत 60)।
- विशेषज्ञों की टीम द्वारा व्यावहारिक और सैद्धांतिक पहलुओं को कवर किया गया।
- संबंधित जिला समन्वयकों द्वारा मास्टर प्रशिक्षकों की पहचान की गई। प्रशिक्षण की अवधि (सुबह 10.00 बजे से शाम 05.30 बजे तक)

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रमुख विषय थे

- ICT सहायक प्रौद्योगिकी की अवधारणा और स्क्रीन रीडर, स्क्रीन मैग्निफायर, डेज़ी प्लेयर आदि जैसे ICT के उपकरणों का परिचय।
- माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के स्क्रीन रीडर और स्क्रीन मैग्निफायर का परिचय और अवलोकन।
- ऑपरेटिंग सिस्टम (नैरेटर, NVDA, JAWS आदि) विभिन्न सेटिंग्स।
- रीडिंग टूल के रूप में स्मार्ट फोन, विभिन्न ऐप्स का प्रदर्शन।
- स्मार्ट केन, टॉर्च और अन्य उपकरणों के गतिशीलता प्रदर्शन में ICT
- कंप्यूटर और स्मार्ट फोन की स्कैन और रीड टेक्नोलॉजी (विभिन्न ऐप्स का प्रदर्शन) का परिचय।
- रीडिंग टूल के रूप में डेज़ी और हार्डवेयर डेज़ी प्लेयर ईवो ई5 का उपयोग।
- सुगामी पुस्तकालय, बुकशेयर और अन्य स्रोतों से डेज़ी की पुस्तक और ई-पुस्तकें कैसे डाउनलोड करें।
- रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले का परिचय और ऑर्बिट रीडर 20 और ऑर्बिट राइटर का प्रदर्शन प्री-ब्रेल के साथ टैक्टाइल ग्राफिक्स 7 का परिचय।

व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए सत्र इंटरैक्टिव और आकर्षक थे। प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र जारी किया गया। इन मास्टर प्रशिक्षकों ने ब्लॉक/जिला स्तर पर बाकी विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। इस प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि ये MTs पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में दृष्टिबाधित छात्रों की भागीदारी को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।







बौद्धिक विकलांगता TLHs पर ऑनलाइन ओरिएंटेशन:

वर्ष में दो बार, यानी 16 अक्टूबर 2022 और 10 फरवरी 2023 को BISAG (भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एंड जियोइंफॉर्मेटिक्स), गांधीनगर के माध्यम से IE-CwSN फील्ड स्टाफ के लिए आयु समूह के अनुसार आईडी शिक्षण सामग्री के उपयोग पर ऑनलाइन ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किया गया, जो NIEPMD, चेन्नई से 500 संसाधन कक्षों और 4300 से अधिक स्कूलों के लिए खरीदे गए थे। वीडियो को नीचे दिए गए लिंक पर देखा जा सकता है

https://www.voutube.com/watch?v=fb6ciHfWQaU







विद्यालय में छात्रों की उपलब्धता निरीक्षण प्रविधि

SS-गुजरात द्वारा, UNICEF-गुजरात के सहयोग से, अगस्त से सितंबर 2022 तक पूरे गुजरात के 20 नमूना स्कूलों में एक तृतीय-पक्ष के माध्यम से विद्यालय में छात्रों की उपलब्धता निरीक्षण हेतु एक सर्वेक्षण आयोजित किया गया। सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य भौतिक बुनियादी ढांचे की बाधाओं की पहचान करना (जो CwSN को विद्यालय पहुँचने से रोकते हैं), संदर्भ-विशिष्ट मानक डिज़ाइन लेआउट को संस्थागत बनाना और विकसित की जाने वाली आवश्यकताओं को उत्कृष्ट रूप देने के लिए छात्रों की पहुँच सम्बन्धी निरीक्षण प्रविधि विकसित करना है।





उपरोक्त सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर, 8 सितंबर 2022 को एक दिवसीय राज्य-स्तरीय हितधारक परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल शिक्षा कोष (UNICEF), ब्लाइंड पीपुल्स एसोसिएशन (BPA) - अहमदाबाद, समर्थम - के हितधारक शामिल हुए। दिल्ली स्थित विकलांग लोग संगठन (DPO) और सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (SJED) के अन्य प्रतिनिधि - गांधीनगर, गुजरात शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (GCERT), पर्यावरण योजना और प्रौद्योगिकी केंद्र (CEPT) विश्वविद्यालय अहमदाबाद, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (NID) – गांधीनगर और IED एवं सिविल शाखाओं के समग्र शिक्षा फील्ड स्टाफ ने टूलकिट के साथ ड्राफ्ट लेआउट डिजाइन, ऑडिट रिपोर्ट की समीक्षा की है तथा अपनी विशेषज्ञता और फील्ड अनुभवों के आधार पर आगे सुधार के लिए फीडबैक प्रदान किया है।

राज्य भर में भौतिक बुनियादी ढांचे से होने वाली कठिनाइयों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने, ज्ञान का निर्माण करने, स्कूल-वार अंतर विश्लेषण करने के लिए SS-गुजरात ने पहुँच सम्बन्धी निरीक्षण प्रविधि पर क्षेत्रवार दो दिवसीय जिला-स्तरीय हितधारक अभिविन्यास कार्यशाला आयोजित करने की योजना बनाई है जिससे सिविल और IE-CwSN शाखाओं, प्रमुख हितधारकों (मास्टर ट्रेनर्स) जैसे जिला परियोजना इंजीनियरों, आर्किटेक्ट्स, तकनीकी संसाधन व्यक्तियों, आईई जिला समन्वयकों और विशेष शिक्षकगण लाभान्वित होंगे।

हालाँकि, दिसंबर 2022 में, SS-गुजरात ने 9 से 16 दिसंबर 2022 तक 4 क्षेत्रीय जिला-स्तरीय कार्यशालाओं में से 1 का आयोजन किया और शेष को अगले शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले पूरा करने की योजना है, इसके बाद स्कूल हेडमास्टरों और प्रधानाध्यापक के लिए ओरिएंटेशन कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी।

CwSN हेतु डिजिटल सामग्री का निर्माण

परीक्षा बोर्ड प्रावधानों के अनुरूप CwSN के लिए वीडियो दस्तावेज़ीकरण:

इसका उद्देश्य CwSN छात्रों, स्कूल हेडमास्टरों/प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, CwSN के अभिभावकों और अन्य हितधारकों को परीक्षा प्रावधानों और उनका लाभ उठाने की प्रक्रिया के बारे में संवेदनशील और जागरूक करना है।
वीडियो गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (GSHSEB) द्वारा प्रस्तावित CwSN के लिए विभिन्न परीक्षा प्रावधानों के बारे में बताता है जैसे परीक्षा पेपर पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय, लेखक या लिपिकार की सुविधा, दूसरी और तीसरी भाषा पाठ्यक्रम से छूट आदि। नीचे दिए गए लिंक पर यह वीडियो देखा जा सकता है

https://www.youtube.com/watch?v=XVAER8RDVWU&list=PLGZQfuNf5a5Ua7PLY4pCyR2k9jMohb9kj&index=1

समावेशी शिक्षा पर वीडियो दस्तावेज़ीकरण के उद्देश्य हैं:

- CwSN की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्कूलों में समावेशी माहौल पर विभिन्न हितधारकों की समझ बनाना।
- CwSN को शामिल करने हेतु बाधा रहित वातावरण बनाने के लिए सरकारी स्कूलों में लागू किए जा रहे हस्तक्षेपों और गतिविधियों के बारे में हितधारकों को संवेदनशील और जागरूक करना।

यह समग्र शिक्षा- CwSN के लिए समावेशी शिक्षा के प्रति गुजरात के दृष्टिकोण और समग्र शिक्षा दिशानिर्देशों और NEP 2020 में परिभाषित उद्देश्यों को लागू करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताता है। वीडियो को नीचे दिए गए लिंक पर देखा जा सकता है

https://www.youtube.com/watch?v=MkrAP 0lmlY

GCERT पाठ्यपुस्तकों को भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) में परिवर्तित करना और मौजूदा G-Shala के सभी वीडियो के साथ ISL वीडियो को अन्तर्निहित करना

कक्षा 3 से 8 की GCERT राज्य पाठ्यपुस्तकों को परिवर्तित करना और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सौजन्य से G-Shala ऐप और गुजरात ई-क्लास यूट्यूब चैनल पर ई-सामग्री का ISL में अनुवाद करना। अब तक कक्षा 3 से 6 तक की सामग्री का अनुवाद किया गया है और विशेषज्ञों की टीम द्वारा इसकी समीक्षा की जा रही है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 की शुरुआत से पहले इन वीडियोज को रोल आउट करने और दिसंबर 2023 तक G-Shala ऐप पर ई-कंटेंट का अनुवाद करने की योजना है।



रिपोर्टिंग वर्ष 2023-24 की शुरुआत से पहले MoE द्वारा CwSN दिशानिर्देशों के अनुरूप गुजरात-शाला मोबाइल ऐप पर ई-सामग्री (कक्षा 1 से 12) को संशोधित कर और उसतक CwSN की पहुंच सुनिश्चित किया गया साथ ही श्रवण-बाधित और दृष्टिबाधित छात्रों को इस ऐप तक पहुंचने के लिए G-Shala ऐप में ऑडियो फ़ाइलें, ईपीयूबी, उपशीर्षक, ISL आदि जैसी सुविधाएं जोड़ना, प्रज्ञा पाठ्यपुस्तकों (कक्षा 1-2) की सामग्री का ब्रेल में अनुवाद, आदि कार्य किये गए।

अन्य गतिविधियाँ

- शिक्षकों के लिए समावेशी कक्षा पर SOP का मसौदा विकसित किया गया है और इसकी समीक्षा के लिए विशेषज्ञों के पास भेजा गया है। GCERT के साथ संपर्क साधते हुए इसे SOP के दिशानिर्देश पर निर्धारण वर्ष 2023-24 में शिक्षकों और स्कूल हेडमास्टरों/प्रिंसिपलों के लिए शुरू किया जाएगा।
- इसे ऑनलाइन ओरिएंटेशन के बाद शिक्षकों और विशेष शिक्षकों के लिए गुजराती में अनुदित PRASASHAT स्क्रीनिंग चेकलिस्ट को मुद्रित कर स्कूलों में वितरित किया गया।
- नवचेतन अंधजन मंडल, कच्छ, गुजरात के साथ 955 दृष्टिबाधित छात्रों को निःशुल्क ब्रेल पाठ्यपुस्तकें (कक्षा 1-12) प्रदान की गईं।

खेल एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ

विशेष खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया जिसमें 2166 से अधिक लोगों ने हैंडबॉल, तैराकी, सॉफ्टबॉल, टेबल टेनिस, रोलर स्टेकिंग, फुटबॉल और क्रिकेट जैसे विभिन्न इनडोर और आउटडोर खेलों में भाग लिया, जिनमें से 622 CwSN ने पुरस्कार प्राप्त किए हैं (211 प्रत्येक स्वर्ण, रजत और कांस्य)।





विशेष शिक्षकों द्वारा घर का दौरा

दिव्यान एप्लिकेशन (राज्य द्वारा विकसित) में टूर डायरी के अनुसार प्रत्येक शनिवार को विशेष शिक्षक अपने नजदीकी स्कूलों में नामांकित गंभीर और गहन विकलांगता वाले CwSN के घर का दौरा करते हैं। विशेष शिक्षक बच्चों और अभिभावकों को सीखने की निरंतरता और आवश्यक मनोवैज्ञानिक-सामाजिक समर्थन के बारे में परामर्श प्रदान करते हैं और CwSN को बुनियादी चिकित्सीय और कार्यात्मक शैक्षणिक सहायता में उनकी सहायता करते हैं। बच्चों को अपने भाई-बहनों के साथ गतिविधियाँ करने और खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। घर-आधारित शिक्षा पर दिशानिर्देशों का विकास प्रगति पर है।





विशेष शिक्षक भर्ती अभियान

माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश दिनांक 21/07/2022 के अनुपालन के तहत 2016 के डब्ल्यू.पी(सी) 132 के मामले में रजनीश कुमार पाण्डेय एवं अन्य बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया एवं अन्य तथा समग्र शिक्षा गुजरात ने स्टॉप गैप अरेंजमेंट के अधीन कुल 1500 रिक्त पदों में से स्कूल स्तर पर 683 (ID: 394, MD: 1, VI: 111, HI: 167 और CP: 10) नए शिक्षकों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त कर तैनात किये।

अभिनव हस्तक्षेपों की प्रगति: समूह स्तर पर स्कूल में संसाधन युक्त आदर्श कक्षा का विकास

a.संक्षिप्त विवरण:

संसाधन कक्ष एक कक्षा है जहां एक दिव्यांग और सीखने की कठिनाई वाले छात्र को एक विशेष शिक्षा दिया जाता है। यह उन छात्रों के लिए है जो अपनी कक्षा में नियमित है, परन्तु उन्हें दिन के एक भाग में व्यक्तिगत या सामुहिक रूप से विशेष निर्देश की जरुरत होती है। इसमें उपचारात्मक, प्रतिपूरक और विकासात्मक निर्देश शामिल हैं, जो छोटे समूहों मे आमतौर पर प्रति सप्ताह तीन से पांच या अधिक घंटे के लिए और जब भी आवश्यक हो, प्रदान किया जाता है। शिक्षण वातावरण को समायोजित करके या शिक्षण विधियों को संशोधित करके सेवारत शिक्षक के साथ परामर्श के माध्यम से शैक्षणिक सहायता भी प्रदान की जाती है।

b.उद्देश्य:

- व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) के अनुसार, संसाधन युक्त आदर्श कक्षा (In-SRR) मॉडल को विकसित कर CwSN में शैक्षणिक सुधार, विशेष निर्देश और चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करना जिससे वे अभ्यास के साथ बेहतर प्रदर्शन कर सके।
- सीखने के स्तर पर CwSN (उनकी क्षमता के अनुसार) अपना उपयुक्त ग्रेड प्राप्त कर सके

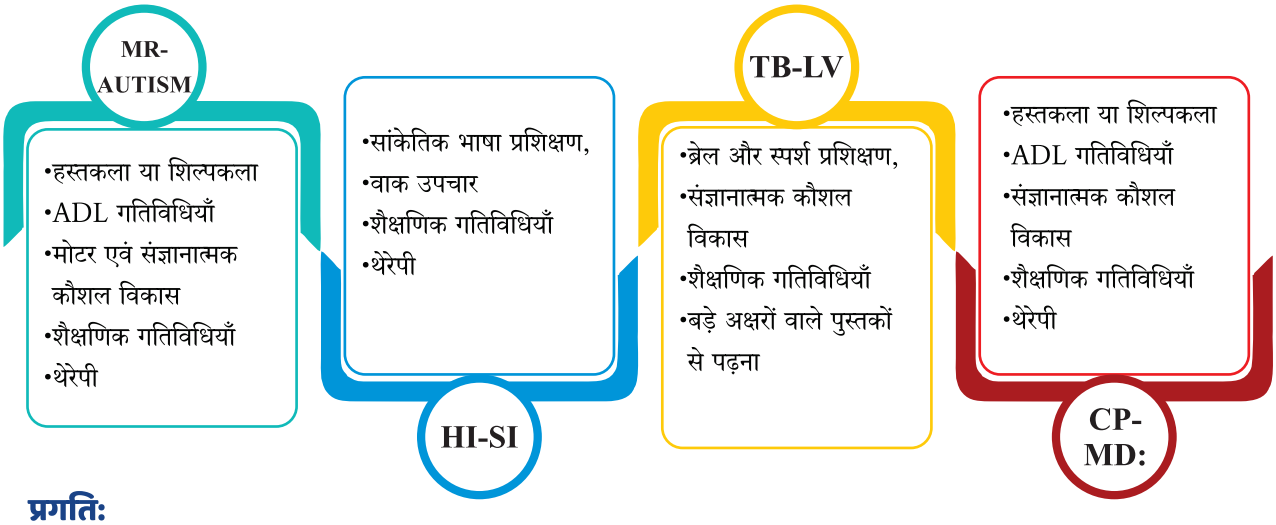
c. In-SRR स्थापित करने के लिए सामूहिक स्तर पर विद्यालय के चयन का मानदंड:

- अतिरिक्त कक्ष वाले सरकारी विद्यालय (या)
- विद्यालय में सामूहिक संसाधन केंद्र के लिए अतिरिक कक्ष (या)
- अतिरिक्त कक्षा के साथ विद्यालय में भुगतान केंद्र

d. कार्यान्वयन प्रक्रिया:

- प्रत्येक क्लस्टर में संसाधन कक्ष के साथ एक आदर्श समावेशी विद्यालय होना चाहिए
- चयनित विद्यालय भौगोलिक रूप से क्लस्टर के माध्यम से फैला हुआ होना चाहिए
- क्लस्टर के भीतर विद्यालय में नामांकित CwSN समयसारिणी के अनुसार In-SRR पर जाएं
- क्लस्टर में एक SE स्थित हो
- CwSN, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में विद्यालय के अन्य छात्रों के साथ भाग लेता है
- CwSN को चिकित्सक द्वारा आवश्यकता-आधारित चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की जाती हैं
- CwSN हेतु व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP) के निर्देशानुसार, SE शिक्षकों को पाठ योजना, शैक्षणिक विषयों के अध्यापन के साथ उपयुक्त पाठ्यक्रम की स्वीकृति में समर्थन करता है

संसाधन कक्ष के साथ समावेशी स्कूल में क्रियान्वित प्रमुख गतिविधियाँ



प्रगति:

राज्य में आज तक कुल 755 संसाधन कक्ष स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 245 ब्लॉक स्तर पर और 510 क्लस्टर स्तर पर हैं। हालाँकि, निर्धारण वर्ष 2022-23 में, समग्र शिक्षा ने शेष समूहों में एक संसाधन कक्ष स्थापित करने की योजना बनाई है। तदनुसार, इसने निम्नलिखित निर्देशों के साथ सभी जिलों से प्रस्ताव मांगे हैं

1) स्कूल के प्रधानाध्यापक/प्रिंसिपल, तकनीकी संसाधन व्यक्ति-सिविल और विशेष शिक्षक के समन्वय से क्लस्टर में अतिरिक्त कमरे वाले सरकारी स्कूलों की पहचान।
2) जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी (DPEO), जिला परियोजना अभियंता (DPE), समावेशी शिक्षा जिला समन्वयक और स्कूल हेडमास्टर/प्रिंसिपल ने स्कूल और कमरे के विवरण के साथ एक पत्र पर विधिवत हस्ताक्षर किए।

जवाब में, राज्य को सभी जिलों से निम्नलिखित प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिनका सारांश नीचे दिया गया है:

विवरण	कुल क्लस्टर
अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध	1572
अतिरिक्त कक्ष अनुपलब्ध	533
कुल	**2105**

शारीरिक रूप से बाधा-मुक्त वातावरण तथा सामग्री/उपकरणों का आंतरिक एवं बाह्य दोनों स्थानों में सार्थक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, राज्य ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा सुगम्य भारत अभियान दिशानिर्देशों के अनुरूप संसाधन कक्ष के लिए मानक लेआउट डिजाइन किया है- भारत सरकार ने संसाधन कक्ष में उपलब्ध कराए जाने वाले बुनियादी उपकरण/सामग्री, विकलांगता-विशिष्ट TLMs आदि की सूची को संशोधित किया, संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल शिक्षा कोष (UNICEF), ब्लाइंड पीपुल्स एसोसिएशन (BPA) - अहमदाबाद, समर्थम - दिल्ली स्थित विकलांग लोग संगठन (DPO) और सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (SJED) के अन्य प्रतिनिधि - गांधीनगर, गुजरात शैक्षिक अनुसंधान परिषद और प्रशिक्षण (GCERT), पर्यावरण योजना और प्रौद्योगिकी केंद्र (CEPT) विश्वविद्यालय - अहमदाबाद, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (NID) - गांधीनगर, तथा IED और सिविल शाखाओं से समग्र शिक्षा क्षेत्र के कर्मचारी जैसे प्रमुख हितधारकों के साथ विचार-विमर्श में संसाधन कक्ष के आंतरिक स्थान को परिभाषित किया गया।

उपरोक्त सभी हितधारकों द्वारा प्रदान किए गए रचनात्मक इनपुट के आधार पर उपरोक्त ड्राफ्ट को संशोधित किया जाएगा। अंतिम दस्तावेज़ फ़ील्ड स्तर पर साझा किए जाएंगे, जिसके बाद सभी सिविल और IED शाखा कर्मचारियों को ओरिएंटेशन दिया जाएगा। समग्र शिक्षा उन सभी समूहों को प्राथमिकता देकर चरणबद्ध तरीके से उपरोक्त सभी समूहों में एक संसाधन कक्ष का विकास सुनिश्चित करेगी, जिनके पास अतिरिक्त कमरे हैं और सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में सबसे अधिक संख्या में CwSN नामांकित हैं। सिविल विभाग उपरोक्त तालिका में वर्णित उपलब्ध कमरों के नवीनीकरण के लिए बजट का अनुमान लगाने की प्रक्रिया में है।

चयनित स्कूलों में संसाधन कक्ष स्थापित करने के अलावा, पूरे स्कूल को एक समावेशी स्कूल में तब्दील किया जा रहा है, जहां रैंप, रेलिंग, CwSN-अनुकूल शौचालय और पीने के पानी की सुविधाएं, CwSN छात्रों के लिए संकेतक आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं उमके आसान पहुंच के लिए प्रदान की जा रही हैं। ये स्कूल अब समूह के मॉडल समावेशी स्कूलों के रूप में कार्य करते हैं जहां विशेष शिक्षक और चिकित्सक समय सारिणी के अनुसार आते हैं और क्लस्टर के भीतर सभी CwSN के लिए चिकित्सीय व अन्य सुधारात्मक सहायता प्रदान करते हैं।

संसाधनकक्षों एवं विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण

निम्नलिखित सहायक उपकरण, सीखने व सिखाने की सामग्री (TLM) किट आदि NIEPMD, चेन्नई और ALIMCO से खरीदे जा रहे हैं।

- NIEPMD, चेन्नई के समन्वय से 2,388 स्कूलों में बौद्धिक विकलांगता किट 2 (4-6 वर्ष), 3 (7—11 वर्ष) और 4 (12 और उससे अधिक) को खरीद कर वितरित किया गया।
- ALIMCO के माध्यम से 891 RRs को सी.पी चेयर और MSIED किट से सुसज्जित करने का कार्य संपन्न किया गया।
- NIEPMD, चेन्नई के माध्यम से 500 RRs और 2000 स्कूलों को आईडी किट 2, 3 और 4 से सुसज्जित करने का कार्य संपन्न किया गया।
- 742 संसाधन कक्षों को स्टेशनरी किट से सुसज्जित किया गया है और जिला स्तर पर खरीद अभी प्रगति पर है।
- 742 संसाधन कक्षों को VI किट से सुसज्जित किया गया और जिला स्तर पर इसकी खरीदारी प्रगति पर है।















दिव्यान एप्लिकेशन और वेब डैशबोर्ड:

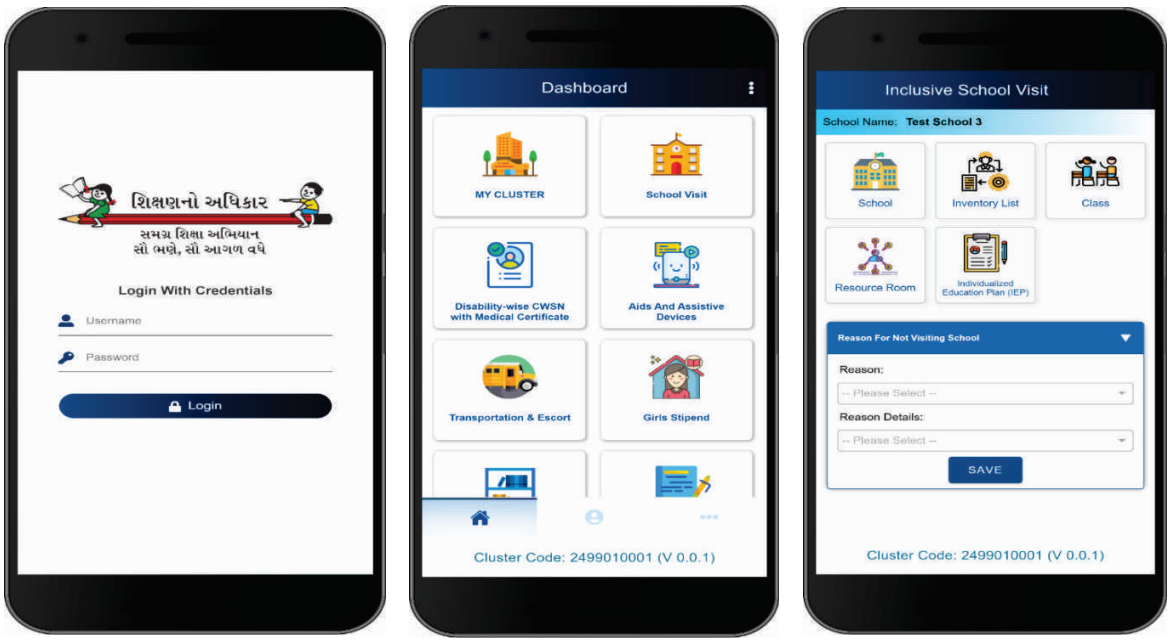
संक्षिप्त परिचय:

यह एक जियो-टैगिंग सुविधा के साथ एक मोनिटरिंग एप्लिकेशन है जो जिला समन्वयकों, विशेष शिक्षकों (SE) द्वारा क्लस्टर और विद्यालय स्तर पर उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने और प्राप्त परिणामों की निगरानी के लिए है। इस उद्देश्य के लिए, प्रत्येक विशेष शिक्षक को एक टैबलेट दिया गया है जिसके माध्यम से टूर-डायरी नामक समयसारिणी के अनुसार विद्यालयों, संसाधन कक्षों और CwSN के घर में उनके दौरे को ट्रैक किया जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से, SEs CwSN से संबंधित रीयल-टाइम डेटा को एक्सेस, मॉनिटर और कैप्चर करते हैं। एकत्र किए गए डेटा को एक ही स्थान पर व्यवस्थित किया जा रहा है और क्लस्टर, जिला और राज्य स्तरों पर बेहतर योजना और निर्णय लेने के लिए रिपोर्ट और डैशबोर्ड तैयार किया जाता है।

विशेषताएँ:

ऐप में तीन मोड्यूल शामिल हैं – 1) सूचना 2) निगरानी और 3) निम्नलिखित विशेषताओं के साथ IEP:

- CwSN का विद्यालय-वार और दिव्यांगता-वार नामांकन और नित्य उपस्थिति
- दिव्यांगता-वार चिकित्सा और UDID प्रमाणन स्थिति
- सहायता और उपकरणों की स्थिति
- CwSN को लाभों के आवंटन की स्थिति (जैसे बालिका वृत्ति, परिवहन और अनुरक्षण भत्ता, आदि)
- व्यक्तिगत शिक्षा योजना और CwSN द्वारा सीखने के परिणामों की उपलब्धि पर प्रगति
- ज्ञान-निधि के माध्यम से विशेष शिक्षकों का क्षमता निर्माण
- समावेशी विद्यालय की अवसंरचना का विवरण
- संसाधन कक्ष-चिकित्सक का दौरा, CwSN की नित्य उपस्थिति और इन्वेंटरी जांचसूची
- परिपत्र और सूचनाएँ
- SE के विद्यालय, कक्षाखंड, संसाधन कक्ष और गृह भ्रमण अवलोकन प्रपत्र



प्रगति:

ऐप और वेब डैशबोर्ड को क्षेत्र में रोल-आउट किया गया है और तदनुसार विशेष शिक्षकों और जिला समन्वयकों को इसके उपयोग से परिचित होने तक इससे जोड़कर रखा गया। गुजराती भाषा में ओरिएंटेशन वीडियो और मैनुअल को सन्दर्भ के तौर पर उपयोगकर्ताओं के साथ साझा किए गया था।

विद्यालय बंद रहने के दौरान, SEs ने ऐप में CwSN से संबंधित डेटा दर्ज करने में समय का उपयोग किया और आधार DISE, उपस्थिति पोर्टल इत्यादि जैसे अन्य स्रोतों से पहले से प्राप्त डेटा को सत्यापित किया और संबंधित डेटा स्रोत में आवश्यक परिवर्तन किए गये। समय-समय पर SE से ईमेल या व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से मंतव्य एकत्र किया गया और संबंधित टीम के सदस्यों के समर्थन से उन्हें संबोधित किया गया।

एक बार जब विद्यालय फिर से खुल जाएंगे तो ऐप का समावेशी शिक्षा से संबंधित IEP, प्रावधानों आदि जैसी सभी गतिविधियों की निगरानी और प्रगति पर नज़र रखने के लिए यह पूरी तरह से उपयोग किया जाएगा।

ऐप और वेब एप्लिकेशन में नए विकास

- टूर डायरी में बदलाव जहाँ स्कूल और घर का दौरा एक महीने के लिए तय किया गया है, वहीं विशेष शिक्षकों के दौरे की निगरानी के लिए BRC और IE-CwSN जिला समन्वयक डैशबोर्ड के टूर डायरी में परिवर्तन किया गया है।
- गतिविधियों की रिपोर्टिंग प्रगति पर है।

महत्वपूर्ण दिवस उत्सव

3 दिसंबर, 2022 को विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस राज्य के आम चुनाव आचार संहिता के कारण आयोजित नहीं हो पाया था, जबकि 4 जनवरी, 2023 को विश्व ब्रेल दिवस सभी हितधारकों - CwSN और उनके माता-पिता के साथ जिला, ब्लॉक और क्लस्टर स्तर पर मनाया गया था जिसमें SMC सदस्यों, सेवारत शिक्षकों आदि को समावेशी शिक्षा और समावेशी समाज के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ इस प्रकार हैं:





नेपाल शिक्षा दल और USAID प्रतिनिधियों का दौरा



24 अगस्त, 2022 को समग्र शिक्षा, गुजरात ने नेपाल शिक्षा विभाग और USAID के 20 प्रतिनिधियों की एक टीम की मेजबानी की और IE घटक पहल/गतिविधियाँ प्रस्तुत कीं। उन्होंने विद्या समीक्षा केंद्र (VSK) का दौरा किया और सीखने के परिणामों पर लाइव डैशबोर्ड और दिव्यान वेब एप्लिकेशन का अवलोकन किया, इसके बाद कर्मचारियों के साथ बातचीत की और बेहतर निगरानी, विश्लेषण और हस्तक्षेप के लिए मौजूदा ऐप्स के प्रभावी एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

विद्यांजलि-स्कूल स्वयंसेवी कार्यक्रम के तहत सीएसआर गतिविधियाँ:

वी हियर इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद:

वी हियर (We Hear) भारत की पहली श्रवण यंत्र निर्माता है जो रोजमर्रा की सुनने की आदतों को कान के अनुकूल उत्पाद बनाकर उसे विकसित कर रही है। अपने CSR के तहत, इसने 24 जिलों और 4 नगर निगमों में शिविर आयोजित किए हैं और सुनने की समस्याओं वाले 2639 बच्चों का मूल्यांकन किया है और इसके योग्य 2525 बच्चों की पहचान की है, जिन्हें उपकरण की आवश्यकता है, जिनमें से आज तक उन्होंने 432 CwSN को उपकरण प्रदान किए हैं।

युवा अनस्टॉपेबल, अहमदाबाद

'युवा अनस्टॉपेबल' एक भारत और अमेरिका में पंजीकृत अग्रणी एनजीओ है जिसकी स्थापना 2006 में अमिताभ शाह के नेतृत्व में उत्साही व्यक्तियों के एक समूह ने विभिन्न पहलों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को सशक्त बनाने के मिशन के साथ की थी। अपने CSR के तहत, इसने 48 संसाधन कक्षों में 480 टैबलेट प्रदान किए हैं, अर्थात CwSN छात्रों के लिए प्रत्येक में 10 टैबलेट।

केस स्टडी: सिखते हुए कमाने वाला पूर्व व्यावसायिक कौशल

दिवाली जैसे त्योहारी सीज़न में ब्लॉक संसाधन केंद्र, कलोल, गांधीनगर, गुजरात में विशेष आवश्यकता वाले बच्चे पेंटिंग, पैकिंग और रंगीन मिट्टी के दीयों को बेचकर सीखने और कमाई करने में व्यस्त हो जाते हैं।

हर साल की तरह इस साल भी CwSN अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए बहुत उत्साहित थे। विकलांगता की विभिन्न श्रेणियों के कुल 49 CwSN इस पहल में सक्रिय रूप से शामिल हुए हैं और उन्हें 13 विशेष शिक्षकों द्वारा प्रोत्साहित और निर्देशित किया जाता है। प्रारंभ में, सभी विशेष शिक्षकों ने योगदान दिया और आवश्यक धनराशि एकत्र की और खाली मिट्टी के दीये, पैकिंग सामग्री, जल रंग, स्टिकर, पेंटब्रश, मोम, फेविकोल, मूल्य टैग इत्यादि जैसे कच्चे माल की खरीद की।

खाली मिट्टी के दीयों को पानी में भिंगो कर पोंछा जाता है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई अतिरिक्त ढीली मिट्टी मौजूद नहीं है और सावधानी से बिना टूटे मेज पर रख दिया जाता है। इस गतिविधि के दौरान, स्वच्छ, सुरक्षा, सूखी और गीली आदि अवधारणाओं को सिखाया जाता है और उत्तरोत्तर उनके कौशल को विकसित किए जाते हैं।

इन साफ किए गए दीयों को उनके माता-पिता और विशेष शिक्षकों के सहयोग से रंगा गया। इस गतिविधि के दौरान बच्चों ने अपने माता-पिता, साथियों और विशेष शिक्षकों के साथ रंगों का चयन करने, ब्रश चुनने, अपने काम की समीक्षा करने और अपनी गलतियों को सुधारने, रंगों, वस्तुओं, गीले और सूखे के नामकरण, सौंदर्य और कलात्मक कौशल रचनात्मकता, रंग समन्वय, एक टीम के रूप में काम करने का सामाजिक कौशल, सुनना, मदद मांगना, जिम्मेदारी, संचार कौशल, दूसरों की राय का सम्मान करना, भावनात्मक समर्थन आदि जैसे महत्त्वपूर्ण कौशल को आत्मसात किया।



एक बार जब पेंटिंग सूख जाती है तो उन्हें मोम की मेज पर स्थानांतरित कर दिया जाता है जहां तरल मोम को दीयों में डाला जाता है और बातियों को दीये के केंद्र में लगा दिया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान, उन्होंने पदार्थ की अवस्थाएँ, गणितीय कौशल जैसे माप, छँटाई, आकार, पैटर्न, संख्या अवधारणा, अंतरिक्ष संबंध आदि सीखे हैं और सूक्ष्म और स्थूल मोटर कौशल भी विकसित किए हैं।







बाद में इन्हें सावधानीपूर्वक अलग-अलग बक्सों में पैक किया गया है और प्रत्येक बक्से पर स्टिकर और मूल्य टैग चिपका दिया गया। ऐसा करते समय, उन्होंने जोड़ी मिलाना सीख लिया और पैसे की अवधारणा के अलावा, हाथ-आँख का समन्वय, स्टैकिंग, व्यवस्था और रंग, डिज़ाइन आकार और आकार के अन्य संज्ञान पहलू फिर से स्थापित हो गए। अंत में, बड़े कार्टन बक्से से लोडिंग और अनलोडिंग द्वारा , छात्रों के सकल मोटर कौशल विकसित किए जाते हैं। पहले दिन, सभी बच्चे बहुत घबराए हुए थे और फिर धीरे-धीरे गति पकड़ ली क्योंकि उनमें आत्मविश्वास आ गया और गतिविधियाँ करते समय वे एक-दूसरे के साथ सहज हो गए। पैक्ड दीयों को आसपास के समुदायों, कॉर्पोरेट और सरकारी कार्यालयों में बेचकर उन्होंने कुल 35,700 रुपये कमाए हैं। इस अतिरिक्त राशि का उपयोग CwSN के मनोरंजक गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

पूरी प्रक्रिया ने CwSN के कौशल और दक्षताओं को बढ़ाया और उन्हें कुछ मनोरंजक गतिविधियों के साथ दिवाली को और अधिक रोमांचक और रचनात्मक बनाने में खुशी-खुशी शामिल किया। लंबे समय में, इस प्रकार की पूर्व-व्यावसायिक और व्यावसायिक गतिविधियाँ उन्हें कुशल, आर्थिक रूप से स्वतंत्र और दायित्व के बजाय सामाजिक-आर्थिक संरचना के लिए समृद्ध करेगी।







PHOTOS AND NEWS PAPER CLIPPINGS:















અઠવા ઉધના ખાતે સમગ્ર શિક્ષા અંતર્ગત દિવ્યાંગ વિદ્યાર્થીઓને સાધન સહાય વિતરણ

૧૨૦ જેટલા વિદ્યાર્થીઓને વ્હીલચેર,આંખ તથા કાનની કીટ જેવા સાધનો અર્પણ થયા



ધબકાર પ્રતિનિધિ સુરત તા૦૮

સમગ્ર શિક્ષા અંતર્ગત યુ.આર.સી ઝોન ૦૩ અઠવા ઉધના ખાતે ALIMCO UJJAIN કંપની અને શિક્ષણ વિભાગ દ્વારા દિવ્યાંગ વિદ્યાર્થીઓને સાધન સહાય કેમ્પનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. જેમાં નગર પ્રાથમિક શિક્ષણ સમિતિ સુરતના પદાધિકારીઓ ઉપસ્થિત રહી બાળકોને પ્રોત્સાહન આપી મળવા પાત્ર સહાય અર્પણ કરી હતી. ચેરમેન ધનેશભાઈ શાહ, દંડક રાજેન્દ્રભાઈ પટેલ,અનુરાગભાઈ કોઠારી કન્વીનર મધ્યસ્થ વિજ્ઞાન ભવન સમિતિ, રાજેન્દ્ર કાપડિયા કાપડીયા કન્વીનર કોમ્પ્યુટર સમિતિ, શ્રીમતી રંજનાબેન ગોસ્વામી કન્વીનર સાંસ્કૃતિક સમિતિ, આઈ.ઈ.ડી કો.ઓ.શ્રીમતી દિપ્તીબેન, યુ.આર.સી કો.ઓ રાકેશકુમાર પાઠકના વરદ હસ્તે સાધન અર્પણ કરવામાં આવ્યા હતા.

૧૨૦ જેટલા વિદ્યાર્થીઓને વ્હીલચેર, સી.પી.ચેયર, વોકર, બ્રેઇલ કીટ તથા હીયરીંગ એડ, સ્કૂટર કીટ જેવા સાધનો અર્પણ કરવામાં આવ્યા હતા. સમગ્ર શિક્ષાના રિસોર્સ ટીચર દ્વારા આ તમામ બાળકોને મેડીકલ સર્ટી, સાધન સહાય, પેન્શન સહાય, ટ્રાન્સપોર્ટ, એસકોર્ટ સહાય અને બસ પાસ જેવી સુવિધા ઉપલબ્ધ કરાવવામાં આવે છે જે બદલ તમામ રિસોર્સ ટીચરને અભિનંદન પાઠવી આભાર વ્યક્ત કરવામાં આવ્યો હતો.

જાહેર ચેતવણી

જત અમો નીચે સહી કરનાર ભદ્ર એન્ડ પઠાણ એસોસીએ[illegible] તે અમારા અસીલશ્રી જગદીશ વિક્રમભાઈ કામોઠી રહેવાસી [illegible] એબી/૪૬, હરીઓમનગર,કતારગામ, સુરતની સુચના અને [illegible] વજતાજોગ ચેતવણી આપીએ છીએ કે ડીસ્ટ્રીક્ટ સબ ડીસ્ટ્રીક્ટ [illegible] પુણાની જમીન મિલકત અંગે લેન્ડ ગ્રેબીંગની ફરિયાદ કરેલ હતી. તા.૨૭/૦૬/૨૦૨૨ની વિગતે પોલીસ તપાસ તથા જાત ઉંડતપાસ કરતાં તથા મામલતદાર કચેરીએ શ્રીમતી હર્ષિતાબેન સતિષભાઈ દુધાત રહેવાસી : ૨૮, હેમકુંજ સોસાયટી, માતાવાડી, સુરત મો. નં.૯૮૨૫૨ ૧૨૬૭૭૦ કાસદશર્ક નોટીસ બજાવવા છતાં સદર કામે જાતે હાજર રહેતા નથી. જેમણે અમારા અસીલ જગદીશભાઈ વિક્રમભાઈ કામોઠીને તા.૨૮-૦૮-

પશ્ચિમ રેલવે

દિવ્ય ભાસ્કર વડોદરા છોટા ઉદેપુર 05-01-2023

બ્રેઇલ લિપીના શોધક લુઇ બ્રેઇલના જન્મદિનની સંખેડામાં ઉજવણી કરાઇ



સંખેડા. બ્રેઇલ લિપીના શોધક એવા લુઇ બ્રેઇલના જન્મદિનની ઉજવણી કેક કાપીને કરાઈ હતી. સંખેડા ખાતે બી.આર.સી.ભવનના આઈ.ડી.રિસોર્સ રૂમમ જે દિવ્યાંગ બાળકો માટે ચાલે છે. દિવ્યાંગ બાળકો દ્વારા લુઇ બ્રેઇલના જન્મદિનની ઉજવણી કરાઈ હતી. સંખેડા ખાતે ડી.બી.પારેખ હાઈસ્કૂલમાં ગણિત-વિજ્ઞાન પ્રદર્શનની સાથે જ લુઇ બ્રેઇલના જન્મ દિનની ઉજવણી દિવ્યાંગ બાળકના હસ્તે કેક કાપીને કરાઈ હતી. બાળકોને કેક ખવડાવી હતી. સ્કૂલ બેગ ભેટમાં અપાઈ હતી.



गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और निगरानी



5 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और निगरानी

परिचय

समग्र मानव विकास के साथ-साथ सामाजिक विकास और प्रगति के लिए पहली और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता न केवल शिक्षा है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। इसमें स्कूली शिक्षा बहुत जरूरी है क्योंकि यह भविष्य और मौजूदा युवाओं को पूरी क्षमता और ऊर्जा के साथ समूह बनाने और उसे सशक्त बनाने में मदद करती है। राज्य नए युग के अवसरों के लिए यह क्षमता प्रदान करना और छात्रों के लिए एक नई दुनिया बनाना सुनिश्चित करता है।यह उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सकारात्मक दृष्टिकोण और ऊर्जा से समृद्ध करेगा जो छात्रों के समग्र विकास के लिए बहुत आवश्यक है।

समग्र विद्यालयी अनुदान

समग्र शिक्षा के तहत वर्ष 2022 के लिए राज्य में 32940 प्राथमिक विद्यालयों और 1865 माध्यमिक विद्यालयों को समग्र विद्यालय अनुदान आवंटित किया गया है जो निम्नलिखित नामांकन पर आधारित है:

संयुक्त विद्यालय अनुदान		
विद्यालय में छात्रों का नामांकन	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय
1 से 30	रु. 10,000	रु. 10,000
31 से 100	रु. 25,000	रु. 25,000
101 से 250	रु. 50,000	रु. 50,000
251 से 1000	रु. 75,000	रु. 75,000
1000 से अधिक	रु. 1,00,000	रु. 1,00,000

अनुदान उपयोग

सभी सरकारी विद्यालयों को गैर-कार्यात्मक विद्यालय उपकरण के प्रतिस्थापन के लिए और अन्य आवर्ती लागतों जैसे उपभोग्य सामग्रियाँ, खेल सामग्री, प्रयोगशाला बिजली शुल्क, इंटरनेट, पानी, शिक्षण सहायक सामग्री आदि के लिए व्यय हेतु वार्षिक आधार पर विद्यालय अनुदान प्रदान किए जाते हैं।

इस अनुदान का उपयोग स्वच्छ भारत अभियान को बढ़ावा देने और इसमें सामुदायिक योगदान के तत्व शामिल करने के लिए किया जाता है।

पुस्तकालय अनुदान

समग्र शिक्षा के तहत वर्ष 2022-23 में 12205 प्राथमिक विद्यालयों, 20735उच्च प्राथमिक विद्यालयों और 1199 माध्यमिक एवं 666 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए पुस्तकालय अनुदान प्रदान किए गए थे।

सूचना प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित उपयुक्त आयु के अनुरूप पुस्तकों का चयन करके विद्यालयके पुस्तकालय के लिए क्रय किए गए थे। पुस्तकालय अनुदान का उद्देश्य 'पढ़े भारत बढ़े भारत' के उद्देश्यों को पूरा करना है।

MoE ने पुस्तकालय अनुदान के उपयोग पर दिशा-निर्देश जारी किए जो विद्यालयों को प्रेषित किया जाता है। विद्यालयों को वाचनालय/रीडिंग कॉर्नर/पढ़ने की जगह का प्रावधान करने की और एक सप्ताह में विद्यालयसमयसारिणी के अनुसार दो पीरियड लेने की सलाह दी जाती है। विद्यालय के एक शिक्षक को पुस्तकालय की पुस्तकों की कस्टडी, पुस्तकें जारी करने और वापस लेने की जिम्मेदारी दी जाएगी, जिनके बदले उन्हें सप्ताह में दो पीरियड के लिए शिक्षण से छूट दी जा सकती है। विद्यालय में प्रदान की जाने वाली पुस्तकों से छात्रों में जिज्ञासा और सीखने की संस्कृति को विकसित करने के लिए पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देना अपेक्षित है।

BRC/URC और CRC के माध्यम से सहायता

1. **TLM/TLE अनुदान:** BRC और URC समन्वयकों को 5000/- रुपये और CRC को अनुदान के रूप में 2000/- रुपये प्रदान किए गए। अनुदान TLM विकास और शिक्षण-अधिगम उपकरण की खरीद में सहायता के लिए प्रदान किया गया था। इनका उपयोग शिक्षकों द्वारा कक्षा की लेन-देन प्रक्रिया में सुधार के लिए किया जाता है। नए और अभिनव बनाने के लिए CRCs, विषय शिक्षकों और BRPs के साथ BRC स्तर पर कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं।

2. **आकस्मिक अनुदान:** BRC और URC समन्वयकों को 50000/- रुपये और आकस्मिकता अनुदान के रूप में CRC को 25000/- रुपये प्रदान किए गए। इस अनुदान का उपयोग BRC में संसाधन कक्ष के रखरखाव, कार्यालय उपकरण की खरीद और अन्य कार्यालय खर्चों के लिए किया जाता है।

3. **बैठक यात्रा अनुदान:** BRC और URC समन्वयकों को बैठक यात्रा अनुदान के रूप में 30000/- रुपये और CRC को 5000/- रुपये प्रदान किए गए। इस अनुदान का उपयोग BRC/CRC स्तर पर आयोजित शैक्षणिक या प्रशासनिक बैठकों/प्रशिक्षण के दौरान यात्रा और जलपान व्यय के लिए किया जाता है।

इस एकमुश्त अनुदानों के उपयोग पर दिशा-निर्देशों के साथ एक परिपत्र राज्य स्तर से BRC/URC/CRC को भेजा गया था।

कलाउत्सव

कला उत्सव का उद्देश्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच कला में प्रतिभा की पहचान करना और शिक्षा में कला के महत्व को बढ़ाना है। कला उत्सव में, गायन, शास्त्रीय-संगीत, पारंपरिक लोक गीत, शास्त्रीय वाद्य संगीत, पारंपरिक लोक वाद्य गीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, दृश्य कला (2-आयामी), दृश्य कला (3-आयामी), स्वदेशी खिलौने और खेल, नाटक (एकल अभिनय) जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

कला उत्सव का आयोजन प्रतियोगिता के चार स्तरों पर किया जाता है: जिला स्तर, जोन स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर।

(I) जिला स्तरीय कलाउत्सव

जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक जिले में 6 अक्टूबर से 8 अक्टूबर एवं 18 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, 2022 तक किया गया था। प्रतियोगिताओं की श्रेणियों में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों ने भाग लिया था। दस श्रेणियाँ थी जैसेकि शास्त्रीय संगीत, पारंपरिक लोक गीत, शास्त्रीय वाद्य संगीत, पारंपरिक लोक वाद्य गीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, दृश्य कला (2-आयामी), दृश्य कला (3-आयामी), स्वदेशी खिलौने और खेल, नाटक (एकल अभिनय) जिसमें छात्रों ने भाग लिया।

प्रत्येक वर्ग में 1 बालक और 1 बालिका को विजेता के रूप में चयन किया गया, जिन्होंने जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया।

(ii) क्षेत्रीय स्तर के कला उत्सव

क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता राज्य में 5 स्थानों पर आयोजित की गई जिनमें ३४ जिलों ने भाग लिया। क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में प्रत्येक जिले से 18 विजेताओं ने भाग लिया। क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता नवंबर 14 से नवंबर 17, 2022 तक आयोजित की गई थी। जिलों द्वारा साझा की गई प्रति दर्ज प्रविष्टियों को आंकने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर विशेषज्ञों की विभिन्न समितियाँ तैयार की गई।

क्षेत्रीय स्तर प्रतियोगिता का विवरण निम्नलिखित है:

क्षेत्र	जिलों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
दक्षिण क्षेत्र - सुरत	6	96
मध्य पूर्व - अरवल्ली	6	96
उत्तर क्षेत्र - पाटण	6	96
मध्य दक्षिण - वड़ोदरा	7	108
सौराष्ट्र क्षेत्र - राजकोट	9	162
कुल	**34**	**558**

(iii) राज्य स्तरीय कलाउत्सव

नवंबर 29 और 30, 2022 के दौरान समग्र शिक्षा राज्य कार्यालय, गांधीनगर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 5 क्षेत्रों से कुल 93 विजेताओं (नौ श्रेणियों में से प्रत्येक में 10 विजेता) ने भाग लिया। विभन्न क्षेत्रों द्वारा साझा की गई प्रति दर्ज प्रविष्टियों को आंकने क लिए क्षेत्रीय स्तर पर श्रेणीवार विशेषज्ञों की विभिन्न समितियाँ तैयार की गई।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के कुल 19 विजेताओं (9 लड़के एवं 10 लड़कियाँ) को प्रमाणपत्र एवं नगद पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को 2000/- रुपये दिए गए।

(iv) राष्ट्रीय स्तरीय कलाउत्सव

समग्र शिक्षा गुजरात ने राष्ट्रीय कला उत्सव प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में राज्य-स्तरीय प्रतियोगिता के 19 विजेताओं ने भाग लिया था जो 3 जनवरी 2023 को भुवनेश्वर-उड़ीसा राज्य में आयोजित हुई थी।

भावनगर जिले में श्री ज्ञानमंजरी विद्यापीठ के कक्षा: X की छात्रा अनुष्का तेजस पंड्या को CAO, NCERT से राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2022 प्रतियोगिता के लिए नाटक श्रेणी में उपविजेता स्थान से सम्मानित किया गया था।









बैंड प्रतियोगिता

स्कूली बच्चों में बैंड प्रतियोगिता एकता और अपनेपन की अनुभूति तथा गर्व की गहरी भावना पैदा करता है। एक बैंड की लय युवाओं और बूढ़ों में समान रूप से जुनून, कार्रवाई, साहस और प्रेरणा पैदा करती है। बैंड प्रतियोगिता देश भर के स्कूली बच्चों में देशभक्ति और एकता की भावना को फिर से जीवंत और जागृत करने में मदद करती है।

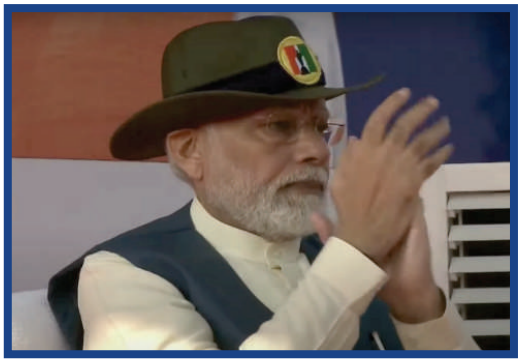
समग्र शिक्षा गुजरात ने MoEद्वारा साझा किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार गृह विभाग के सहयोग से बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया।

क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक जिले से एक बालक एवं एक बालिका टीम के विजेता ने भाग लिया। सब जिलों को 5 क्षेत्रों (उत्तर, मध्य, दक्षिण, पूर्व और दक्षिण पश्चिम) में विभाजित किया गया था। 21/10/2022 को अहमदाबाद में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से 3 लड़कों की टीमों और 3 लड़कियों की टीमों ने भाग लिया। राज्य स्तर पर कुल 126 छात्रों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की विजेता बालक और बालिका टीमों को 31 अक्टूबर, 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस के विशेष अवसर पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर अपनी प्रस्तुति देकर सम्मानित किया गया।















BRCs/ CRCs का क्षमतानिर्माण

BRC समन्वयकों/CRC समन्वयकों की क्षमता बढ़ाने तथा उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों में अधिक स्पष्टता लाने के लिए, एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया और DIKSHA पोर्टल पर अपलोड किया गया, जिसे सभी BRCs और CRCsद्वारा पूरा किया गया।

समग्र शिक्षा के माध्यम से WASH निर्देश का अनुपालन

शिक्षा मंत्रालय द्वारा कोविड-संबंधित मापदंडों सहित स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार को संशोधित संकेतकों के रूप में लॉन्च किया गया था। पूरे गुजरात में 96% स्कूलों (51835 विद्यालय) ने ऑनलाइन WASH बेंचमार्किंग एप्लिकेशन के माध्यम से भाग लिया, जो WASH प्रदर्शन के आधार पर स्कूलों को 1 स्टार से 5 स्टार तक रैंक करता है। मूल्यांकन के नतीजे बताते हैं कि गुजरात में 14% विद्यालय 5 स्टार हैं, 55% विद्यालय 4 स्टार हैं, 28% विद्यालय 3 स्टार हैं और केवल 3 प्रतिशत विद्यालय २ स्टार या उससे नीचे हैं। समग्र शिक्षा की आईटी टीम द्वारा सभी जिलों को निरंतर निगरानी और सहायता प्रदान की गई, जबकि सिविल और QEM शाखा द्वारा प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। UNICEF के समर्थन के साथ टीम के ऐसे सम्मिलित प्रयासों से SVP का सफल कार्यान्वयन हुआ। परिणामस्वरूप, 1223 विद्यालयों को जिला स्तर पर और 26 विद्यालयों को WASH में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया।

26 राज्य-स्तरीय पुरस्कार विजेताओं में से, गुजरात के 10 विद्यालयों ने WASH में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार जीता।

राज्य में गति बनाए रखने के लिए, समग्र शिक्षा ने राज्य के नेतृत्व वाले WASH बेंचमार्किंग टूल- शाला स्वच्छता गुणक को MoEद्वारा सुझाए गए अद्यतन संकेतकों के अनुरूपअपडेट किया। इसके अतिरिक्त, समग्र शिक्षा ने वार्षिक रूप से समवर्ती WASH मूल्यांकन और मान्यता के लिए गुजरात SVP दिशानिर्देश लॉन्च किया।





हितधारकों की समझ में सुधार करने के लिए, BISAG के माध्यम से WASH, विद्यालय सुरक्षा और MHM पर कई प्रशिक्षण और Diksha पोर्टल पर ई-पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

इसके अलावा, CwSN के लिए विद्यालयों में पानी और शौचालय सुविधाओं की पहुंच में सुधार के लिए सिविल शाखा और IED के 160 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया था।

आवधिक मूल्यांकन परीक्षण(PAT)

गुजरात के सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा 3 से 8 तक के लिए आवधिक मूल्यांकन परीक्षण (PAT) प्रत्येक शनिवार को आयोजित किए जाते हैं। यह रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षकों को एक पाठ और इकाई या पाठ्यक्रम के दौरान छात्रों की समझ, सीखने की जरूरतों और शैक्षणिक प्रगति का प्रक्रियागत मूल्यांकन करने में मदद करता है। शिक्षक अपने छात्रों के प्रदर्शन की नियमित निगरानी करके उनके सीखने में कमियों की पहचान करते हैं, फिर उपचारात्मक शिक्षा के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं और उनकी पाठ योजनाओं को उचित रूप से संशोधित करते हैं। विद्यालयों को वार्षिक PAT कैलेंडर प्राप्त हुआ, जिससे शिक्षकों को बेहतर योजना बनाने तथा अपनी पाठ योजनाओं और मूल्यांकन को पहले से संरेखित करने में सहायता मिली।

इन मूल्यांकनों के लिए GCERT द्वारा शिक्षण परिणाम-आधारित मूल्यांकन टूलकिट तैयार किया गया है। कक्षा 3 से 8 तक के लिए गुजराती, गणित, ईवीएस, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी सहित सभी विषयों का मूल्यांकन पूर्ण किया गया। तीसरी कक्षा से आठवीं कक्षा तक के प्रत्येक छात्र को अपनी PAT प्रतिभावों को रिकॉर्ड करने हेतु उपयोग करने के लिए एक पुस्तिका प्राप्त हुई। PAT में हिस्सा लेने के लिए छात्रों को कुल 40.62 लाख पुस्तिका मिलीं।





"ट्विनिंग ऑफ स्कूल्स" (विद्यालयों का युगलीकरण)

पारिभाषिक शब्द "(Twinning of Schools – ट्विनिंग ऑफ स्कूल्स)"का तात्पर्य विद्यालयों के बीच साझेदारी से है, जिसमें दो विद्यालय अधिक प्रदर्शन हासिल करने के लिए सहयोग करते हैं।

इसका उद्देश्य कक्षा के अंदर और बाहर सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के बीच साझा अभिगम को बढ़ावा देना है। इसके परिणामस्वरूप, छात्रों और शिक्षकों के बीच बातचीत में वृद्धि होती है और अनुभवों, विचारों एवं सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान होता है।

विद्यालयों की जोड़ी कार्यक्रम राज्य के प्रत्येक क्लस्टर में चयनित चार सरकारी उच्च प्राथमिक (कक्षा 6 से 8) विद्यालयों में लागू किया गया था। प्रत्येक क्लस्टर में 4 विद्यालय शामिल हैं। पूरे राज्य में 3247 समूहों में से 12988 विद्यालयों को इस पहल में भाग लेने के लिए चुना गया था।



एक भारत श्रेष्ठ भारत

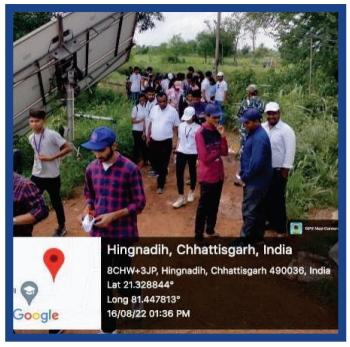
समग्र शिक्षा गुजरात ने हमारे देश की विविधता में एकता का जश्न मनाने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत का आयोजन किया और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से मौजूदा भावनात्मक बंधनों के ताने-बाने को बनाए रखने और मजबूत करने तथा गुजरात और छत्तीसगढ़ के बीच गहरे और संरचित जुड़ाव के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक साल की योजनाबद्ध कार्य के माध्यम से आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसी भी राज्य की समृद्ध विरासत और संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को प्रदर्शित करना है ताकि लोग भारत की विविधता को समझ सकें और उसकी सराहना कर सकें जिससे एकता और सामूहिकता की भावना को बढ़ावा मिले। यह कार्यक्रम एक ऐसा वातावरण बनाने में मदद करता है जो सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करके राज्यों के बीच सीखने की क्रिया को बढ़ावा देता है।

BISAG द्वारा संचालित एक टेलीकांफ्रेंस में, समग्र शिक्षा टीम ने विद्यालयों के साथ इस पहल के लिए दिशानिर्देशों पर भी चर्चा की। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के भाग के रूप में प्रत्येक माह के लिए एक साप्ताहिक गतिविधि कैलेंडर बनाया गया था। उन गतिविधियों की योजना बनाई गई थी जो दैनिक स्कूल असेंबली और जॉयफुल सैटरडे के दौरान हुईं।

इस कार्यक्रम को विद्यालय स्कूल स्तर पर लागू करने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, विद्यालय के शिक्षकों में से एक को कार्यक्रम के लिए 'पॉइंट पर्सन' के रूप में नामित किया गया है। गुजरात में, EBSB पहल को लागू करने के लिए 30,000 'पॉइंट पर्सन' विद्यालय स्तर पर काम कर रहे हैं।

जुलाई से अगस्त 2022 तक, दो युग्मित राज्यों के विद्यार्थियों के लिए युग्मित अवस्थाओं को समझने का कार्यक्रम था। कुल 50 छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने युग्मित राज्यों का दौरा किया।
वर्ष 2022 में कक्षा 9 से 12 तक के 25 छात्रों और उच्च शिक्षा के 25 छात्रों द्वारा 5 गुरुओं के साथ एक्सपोज़र विजिट का आयोजन किया गया था। छात्रों और गुरुओं के समूह ने विभिन्न स्थानों का दौरा किया और छत्तीसगढ़ के कार्यक्रमों में भाग लिया।
समग्र शिक्षा गुजरात द्वारा जनवरी 2021 और 31 दिसंबर, 2022 के बीच वीडियो का एक संग्रह विकसित किया गया था। सभी वीडियो का उपयोग एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का विज्ञापन करने के लिए किया गया था और Diksha मंच और समग्र शिक्षा के यूटयूब ई-क्लास चैनल के माध्यम से राज्य भर में प्रसारित किया गया था।









खेल शिक्षा का सुदृढीकरण (प्राथमिक और माध्यमिक)

स्कूलों में छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए, समग्र शिक्षा गुजरात ने एक कार्यक्रम आयोजित किया है जो छात्रों के समग्र विकास पर केंद्रित है। खेल शिक्षा कार्यक्रम के सुदृढीकरण की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिहित हैं:

- **फिट इंडिया अभियान के तहत दिसंबर 2022 में खेल सप्ताह का उत्सव**
- **वार्षिक खेल दिवस का आयोजन:** सभी स्कूलों को वार्षिक खेल दिवस आयोजित करने के लिए अधिसूचित किया गया। स्कूल स्तर पर विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। वार्षिक खेल दिवस पर आयोजित गतिविधियों में छात्रों, शिक्षकों और समुदाय ने भाग लिया।

पाठ्यचर्या में शारीरिक शिक्षा का परिचय: प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा पर अलग-अलग पुस्तक तैयार की गई और वितरित की गई। इस कार्यक्रम के तहत 33251 प्राथमिक विद्यालयों और 1541 माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया गया।

फिट इंडिया मूवमेंट

गुजरात की 'फिट इंडिया मूवमेंट' में भागीदारी

29 अगस्त, 2019 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने जीवन के एक तरीके के रूप में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए फिट इंडिया मूवमेंट का उद्घाटन किया।

यह देश को खुशहाली और फिटनेस की ओर ले जाने वाला एक मूवमेंट है। यह स्वस्थ भारत की दिशा में प्रयास करने का एक विशेष और आकर्षक अवसर प्रदान करता है।



राज्य, जिला, ब्लॉक और विद्यालय स्तर पर फिट इंडिया मूवमेंट के लिए नोडल व्यक्ति को चुना जाता है। खेल के मैदान के निर्माण, शिक्षकों को शारीरिक शिक्षा का प्रशिक्षण और प्रशिक्षण मॉड्यूल साझा करने के लिए गुजरात खेल प्राधिकरण (SAG) के साथ BISAG कन्वर्जेंस के माध्यम से फिट इंडिया स्कूल में नामांकन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

- खेलो इंडिया के माध्यम से छात्रों के फिटनेस मूल्यांकन के लिए SAI (भारतीय खेल प्राधिकरण) के सहयोग से दिसंबर में गुजरात के सरकारी विद्यालयों में फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत हुई।

दिसंबर में गुजरात के सभी विद्यालयों में 'फिट इंडिया स्कूल वीक (3.0)'मनाया गया। समग्र शिक्षा ने सभी प्रकार के विद्यालयों में फिट इंडिया सप्ताह मनाने के लिए दिशानिर्देश और कार्यक्रम प्रदान किए।







भारत का सबसे बड़ा फिट इंडिया क्विज़ 2.0, 3 सितंबर 2022 को शुरू हुआ।

प्रारंभिक दौर में गुजरात को कई टॉपर्स मिले।







पंजीकृत और फिट इंडिया स्कूल का प्रमाणपत्र प्राप्त करनेवाले स्कूलों की संख्या	**45,497**
3-स्टार प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले विद्यालयों की संख्या	6989
5-स्टार प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले विद्यालयों की संख्या	2459
** लगभग 90% विद्यालय फिट इंडिया पोर्टल पर पंजीकृत हैं।	

फिट इंडिया रन 2.0

फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 में सभी सरकारी, अनुदान प्राप्त और स्वतंत्र रूप से वित्त पोषित विद्यालयों ने भाग लिया। सभी विद्यालय के प्राचार्यों और मुख्य शिक्षकों ने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक शिक्षक और छात्र फिट इंडिया फ्रीडम रन के लिए पंजीकृत हों। विद्यालयों द्वारा माता-पिता, अन्य समुदाय के सदस्यों और SMC सदस्यों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वेबपोर्टल पर साइन अप के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाता है।

फिट इंडिया ऐप



यह एप अपनी तरह का पहला ऐप है जो उपयोगकर्ताओं को त्वरित परीक्षणों की एक श्रृंखला के माध्यम से अपनी फिटनेस के स्तर का आकलन करने और स्थिर फिटनेस वृद्धि के लिए नई रणनीति सीखने की अनुमति देता है। फिट इंडिया स्मार्टफोन ऐप किसी की गतिविधियों, पानी के सेवन, कैलोरी सेवन, नींद और अन्य गतिविधियों पर नज़र रखता है और साथ ही दैनिक गतिविधि तथा फिटनेस लक्ष्य निर्धारित करने के लिए उपकरण भी प्रदान करता है।

जिलों को अपने फिटनेस स्तर का मूल्यांकन करने के लिए फिट इंडिया एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए सूचित किया गया था।

विद्यालय सुरक्षा

विद्यालय में दुर्घटनाओं अथवा अन्य अप्रत्याशित घटनाओं को रोकने तथा विद्यालय-सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए नोटिस बोर्ड पर सुरक्षा प्रतिज्ञा प्रदर्शित करने का और शिक्षकों को प्रथम स्तर के परामर्शदाता के रूप में कार्य का निर्णय लिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य गुजरात के सभी सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में विद्यालय सुरक्षा पर छात्रों और अभिभावकों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।
समग्र शिक्षा गुजरात ने स्कूल सुरक्षा के लिए स्कूलों को तकनीकी और प्रशिक्षण सहायता प्रदान करने के लिए गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (GIDM) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

समग्र शिक्षा ने प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षक को फोकल पॉइंट और एक को सुरक्षा प्रभारी नियुक्त किया है। GIDM में, इस कार्यक्रम ने नोडल शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण के एक दिन की अनुमति दी।
GSDMAद्वारा स्कूल आपदा जोखिम प्रबंधन योजना (SDRMP) के लिए नई कार्य योजना शुरू की गई थी। प्राकृतिक आपदाओं, आकस्मिक आग, दुर्घटना, बिजली के करंट से आग, प्रयोगशाला दुर्घटनाओं से सुरक्षा आदि के दौरान सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यय शामिल है।
विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम कुल 33,251 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में लागू किया गया था।












સાબરકાંઠા દ્વારા સ્કૂલ સેફ્ટી એન્ડ સિક્યુરિટી ફોર ફોકલ ટીચર માટે ટ્રેનિંગનું આયોજન

शिक्षण संवर्धन कार्यक्रम (LEP)

कार्यक्रम का लक्ष्य सीखने के परिणामों पर छात्रों के समग्र प्रदर्शन, सामाजिक प्रणालियों और संस्थानों के काम करने के तरीके के बारे में उनकी समझ, प्राकृतिक संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग करने की उनकी क्षमता और उन्हें दैनिक आधार पर प्रभावित करने वाले कारक जैसे राजनीतिक, समय और स्थान के अलावा सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के बारे में उनकी समझ को बढ़ाना है।

इस कार्यक्रम के तहत, छात्रों को अभ्यास करने और अपने ज्ञान को लागू करने के अवसर प्रदान करने के लिए एक गतिविधि पुस्तिका डिज़ाइन की गई थी। यह कार्यक्रम छात्रों में जिज्ञासा पैदा करने में मदद करता है और उन्हें पाठ्यपुस्तकों को देखने, साथियों के साथ चर्चा करने और शिक्षकों से मार्गदर्शन लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। गतिविधि पुस्तिका में उपयुक्त कक्षा के पाठ्यक्रम की अवधारणाओं को शामिल किया गया है और इसमें विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत और समूह कार्य की सीमा रेखा का निर्धारण है। छात्रों को अधिक से अधिक विषयों का अभ्यास करने,उसे समझने और उनकी शिक्षा को मजबूत करने की अनुमति देने के लिए विभिन्न आवधिक विषयों की पहचान की जाती है और उन्हें शामिल किया जाता है।

यह कार्यक्रम छात्रों के बीच पीयर टू पीयर सीखने और अच्छी आदतों को भी बढ़ावा देता है क्योंकि वे विभिन्न समूह गतिविधियों में भी शामिल होते हैं। इस प्रकार, कार्यक्रम में ये दो प्रमुख घटक हैं:

- सीखने के परिणामों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में शामिल छात्रों के लिए गतिविधि/अनुप्रयोग-आधारित अभ्यास कार्यपुस्तिका
- परियोजनाओं को व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से किया जाना है।

शाला सिद्धि

'विद्यालय मूल्यांकन' साधन के रूप में और स्कूल सुधार लक्ष्य के रूप में'।
सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने के लिए भारतीय शिक्षा प्रणाली में प्रभावी विद्यालयों और विद्यालय के प्रदर्शन में सुधार की आवश्यकता तेजी से महसूस की जा रही है। शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण पहल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विद्यालय, उसके प्रदर्शन और प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। भारत में विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनिवार्य के रूप में व्यापक विद्यालय मूल्यांकन की दिशा में एक बड़े कदम में, केन्द्रीय मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (NIEPA) द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संरक्षण अंतर्गत स्कूल मानकों और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया गया है।

कार्यक्रम में विद्यालय मूल्यांकन की एक व्यापक प्रणाली के माध्यम से विद्यालयों तक पहुंचने की परिकल्पना की गई है। इसकेलिए स्कूल मानक और मूल्यांकन ढांचा (SSEF) को विद्यालय के प्रदर्शन व मूल्यांकन हेतु एक उपकरण के रूप में विकसित किया गया है। यह विद्यालय को एक केंद्रित और रणनीतिक तरीके से अच्छी तरह से परिभाषित मानदंडों के खिलाफ अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में सक्षम करेगा। SSEF में विद्यालयों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण मानदंड के रूप में सात 'प्रमुख कार्यक्षेत्र' शामिल हैं। इसे आंतरिक और बाह्य मूल्यांकन दोनों के लिए एक रणनीतिक उपकरण के रूप में डिजाइन किया गया है। दोनों मूल्यांकन प्रक्रियाएं एक-दूसरे की पूरक हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि दोनों दृष्टिकोण विद्यालय के सुधार के लिए तालमेल से काम करें।

पिछले साल, गुजरात ने शाला सिद्धि में 100% स्कूलों को आवृत किया है। NIEPAद्वारा प्रदान किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार शाला सिद्धि में कुल 32940 सरकारी प्राथमिक विद्यालयोंऔर 1865 माध्यमिक विद्यालयों ने भाग लिया।

इस विद्यालय का स्व-मूल्यांकन SMC एवं SMDC सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। 1699 माध्यमिक विद्यालयों का बाह्य मूल्यांकन तीन सदस्यीय समिति द्वारा पूर्ण किया गया है।

प्रतिभाखोज

प्रखरता शोध कसोटी ने फरवरी 9,2023 को कक्षा 9 वीं के लिए एक प्रतिभा खोज परीक्षण और परीक्षा आयोजित की ताकि छात्रों की युवा प्रतिभा को छात्रवृत्ति देकर प्रोत्साहित किया जा सके। परीक्षा में कुल मिलाकर 89896 छात्रों ने भाग लिया।

निपुण भारत मिशन

समझ और संख्यात्मकता के साथ पढ़ने में प्रवीणता के लिए राष्ट्रीय पहल (NIPUN) भारत मिशन जुलाई 2021 में शुरू किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत, मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्राथमिकता दी गई है, जिसे 2026-2027 तक लक्ष्य प्राप्त करने की दृष्टि से मिशन मोड में लागू किया जाएगा। गुजरात में निपुण भारत मिशन के तहत विभिन्न गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और कार्य किए गए हैं।

प्रशिक्षण और कक्षा हस्तक्षेप

मिशन में विभिन्न हितधारकों को व्यक्तिगत प्रशिक्षण, ऑनलाइन प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, BISAG और MS टीमों सहित विभिन्न तरीकों से प्रशिक्षित किया गया था। DPEOs, DEOs, DIET संकाय और जिला-स्तरीय समन्वयकों ने FLN मिशन और शिक्षण सिद्धांतों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। NIPUN भारत पर BRCs और BRPs का 3 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, NIPUN समन्वयकों और सलाहकारों के रूप में उनकी भूमिका पर BRPs के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया, और BRP मॉनिटरिंग सिस्टम के डिजिटलीकरण पर एक परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई। सितंबर से अक्टूबर 2022 तक लगभग 1200 नव नियुक्त BRCs और CRCs का NIPUN भारत मिशन और NEP-2020 पर उन्मुखीकरण।

सामग्री विकास

NIPUN भारत के संक्षिप्त दिशानिर्देशों का गुजराती में दो मॉड्यूल-शैक्षणिक और प्रशासनिक-में अनुवाद किया गया है और सभी 32,940 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में भेजा गया है।

स्वाध्याय पोथी नामक छात्र कार्यपुस्तिकाएँ कक्षा 1, 2, और 3 के लिए बनाई गई हैं। ये कार्य पुस्तकें NIPUN भारत मिशन के लिए परिभाषित LOs के आधार पर बनाई गई हैं। साथ ही, सीखने में नुकसान को कम करने पर भी ध्यान रखा गया है।

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान, कक्षा 1, 2 और 3 के लिए स्व-अध्ययन पोथी (अभ्यास कार्यपुस्तिकाएँ) विकसित की गई हैं। कक्षा 3 पर्यावरण विषयों के लिए गुजराती और गणित विषयों के लिए अभ्यास पुस्तकें विकसित की गई हैं।

कक्षा 1 के लिए, विद्या प्रवेश मॉड्यूल (स्कूल रेडीनेस मॉड्यूल) बनाया गया है, जिसमें छात्रों को सीखने के माहौल को समायोजित करने में मदद करने के लिए 3 महीने का ब्रिज कोर्स बनाया गया है।

कहानी पुस्तक: 'वार्ता नो वडलो' (गिजुभाई बधेका की कहानियों के संग्रह से प्रेरित) प्रति स्कूल पुस्तकों के भाग 1 और 2 को NIPUN भारत मिशन के तहत वितरित किया जाता है।

कक्षा-वार, 'लक्ष्य' के पोस्टर और बैनर का गुजराती में अनुवाद किया गया और कक्षाओं में प्रदर्शन के लिए वितरित किया गया। 32,940 स्कूलों में कुल 96,000 पोस्टर वितरित किए गए। समुदायों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर 32,940 बैनर प्रदर्शित किए गए। विद्या प्रवेश का आयोजन 32,940 स्कूलों में किया गया, जहाँ सामुदायिक भागीदारी उल्लेखनीय रूप से अधिक थी।











संगीत के वाद्ययंत्र

NIPUN भारत मिशन (FLN) के तहत, कला-संगीत में से एक को कक्षा में शिक्षण सहायता प्रदान करने के संदर्भ में शैक्षिक और सह-पाठ्यचर्या गतिविधि के रूप में विभिन्न आयाम बनाने के काम को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास किया गया है ताकि बच्चे निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें। राज्य के सभी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को वाद्य यंत्रों की खरीद के लिए अनुदान आवंटित कर दिया गया है.

NEP2020 के तहत सुझाव का पालन करते हुए, जो एक बच्चे के 360-डिग्री समग्र विकास और एक माध्यम के रूप में कला के साथ सीखने पर केंद्रित है, गुजरात ने सभी 32,940 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को संगीत वाद्ययंत्र खरीदने के लिए अनुदान प्रदान करने का बीड़ा उठाया है।

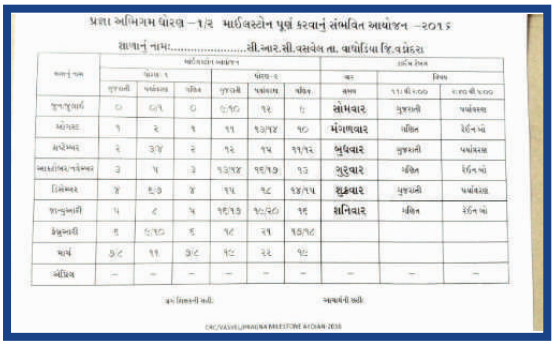
संगीत वाद्ययंत्रों की खरीद और इसे स्कूलों में वितरित करने के लिए एक विस्तृत दिशानिर्देश विकसित किया गया था। सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में निम्नलिखित उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं:

क्रमांक	संगीत वाद्ययंत्र का नाम	प्रतीकात्मक तस्वीर
1	डफ (ढका हुआ)	
2	डफ (सादा)	
3	झांझ	
4	हाथ की झांझ	
5	मराकास	
6	डमरू	
7	ढोलक	
8	माउथ ऑर्गन	
9	बांसुरी	
10	बोंगो	
11	ढोल की जोड़ी	
12	म्यूजिकल कीबोर्ड	
13	हारमोनियम बाजा	

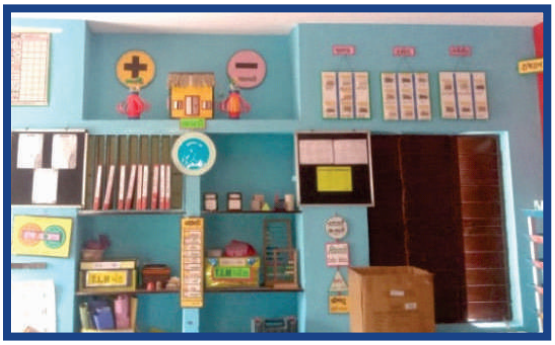
FLN कक्षाओं के लिए शिक्षण सामग्री PRAGNA (प्रवृत्ति द्वारा ज्ञान)

एक गतिविधि-आधारित शिक्षण कार्यक्रम है, जिसे वर्तमान में गुजरात में प्रारंभिक कक्षाएं - कक्षा 1 और कक्षा 2 के छात्रों के साथ लागू किया गया है। Pragna कक्षा उन बच्चों के लिए एक बाल-अनुकूल स्थान है जो आना और सीखना पसंद करते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहाँ सामग्री उनकी पहुंच के भीतर हैऔर उन्हें अपनी सामग्री को अपनी आवश्यकतानुसार उपयोग करने की स्वतंत्रता है। छात्रों को सीखने के चरण के अनुसार चार समूहों में विभाजित किया गया है। ये समूह हैं 1) शिक्षक समर्थित समूह 2) सहपाठी समर्थित समूह 3) स्व-शिक्षण समूह और 4) मूल्यांकन समूह।

इसे 2010-11 में शुरू किया गया थाऔर अब राज्य के सभी स्कूलों के कक्षा 1 और 2 में प्रज्ञा (गतिविधि-आधारित शिक्षा) दृष्टिकोण लागू किया गया है। सामग्री सभी स्कूलों में पहुँचा दी गईऔर ABLदृष्टिकोण के तहत शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सत्रों की एक श्रृंखला निष्पादित की गई।









राष्ट्रीय आविष्कार अभियान (प्राथमिक-माध्यमिक)

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान और समग्र शिक्षा के तहत, विद्यालय विज्ञान और गणित क्लबों के माध्यम से सभी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मासिक थीम आधारित गतिविधियों का आयोजन करते हैं। ऐसी गतिविधियों के माध्यम से जो पारंपरिक (कक्षा में) निर्देश को पूरक बनाती है।यह विज्ञान गणित क्लब छात्रों की जिज्ञासा, पूछताछ, आविष्कार और रचनात्मकता की भावनाओं को प्रोत्साहित करेगा। ये गतिविधियाँ बच्चों और युवाओं को वैज्ञानिक गतिविधियों को करने के लिए प्रेरित करती हैं और एक वैज्ञानिक समाज को प्राप्त करने के लक्ष्यों को पोषित करती है तथा शिक्षकों को एक सुविधाकर्ता एवं परिवर्तक बनने में सहायता करती है।

(A) प्राथमिक स्तर पर

(i) विज्ञान / गणित क्लबों का गठन

कक्षा 6 से 8 तक के विद्यालयों में विज्ञान-गणित क्लब के गठन के लिए प्रति विद्यालय 2000 रुपये का अनुदान दिया गया है। व्यय नीचे दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है।

- विज्ञान-गणित क्लब में इन विषयों में रुचि रखने वाले बच्चे, विषय-विशिष्ट शिक्षक और ग्रामीण स्तर पर इन विषयों को सीखने या पढ़ाने में रुचि रखने वाले अधिकतम 3 व्यक्ति शामिल होते हैं।



- क्लब पूरे वर्ष नियमित रूप से गणित और विज्ञान से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है।
- कार्यक्रम का कार्यान्वयन उस विद्यालय के गणित-विज्ञान शिक्षक द्वारा किया जाता है।
- विद्यालय में गणित-विज्ञान कॉर्नर तैयार किया गया है। यदि स्कूल में लैब है तो लैब में ही एक कॉर्नर तैयार कर लें।
- हर 2 महीने में स्कूल स्तर पर गणित-विज्ञान किट और प्रयोगशाला उपकरणों की एक प्रदर्शनी का आयोजन करना, जहाँ छात्र उपकरणों की पहचान करने और व्यावहारिक गतिविधियाँ करने में सक्षम होंगे।
- बच्चों को सामग्री से परिचित कराना,उन्हें पहचानकर और उनसे व्यावहारिक कार्य कराना, कार्बन फूटप्रिन्ट, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा, पर्यावरण और ठोस अपशिष्ट पर नज़र बनाये रखना आदि।
- निपटान और जैविक खेती जैसे क्षेत्रों में बच्चों का ज्ञान बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार, व्याख्यान और प्रदर्शन का आयोजन
- गणित और विज्ञान विषय में बच्चों की रुचि बढ़ाने के लिए हर महीने या पखवाड़े में प्रश्नोत्तरी, प्रतियोगिताएं, पहेली खेल, पहेली सुलझाना, वैदिक गणित, अनुप्रयुक्त विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, परियोजना कार्य और गणित द्वारा एक नवाचार तैयार किया जाता है। इसके लिए विज्ञान शिक्षक की व्यवस्था की गई है जिससे सम्बंधित अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जा सकते हैं।

(II) विज्ञान और गणित शिक्षक मंडल

- BRC को दिए गए अनुदान का उपयोग ब्लॉक में कक्षा 6 से 8 तक पढ़ाने वाले सभी गणित और विज्ञान प्रशिक्षकों के मंडल बनाने के लिए नीचे दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया था।
- गणित-विज्ञान शिक्षक मंडल की प्रतिमाह नियमित वर्चुअल बैठक एवं प्रत्येक तीन माह में आमने-सामने बैठक का आयोजन। परन्तु, सीधी बैठक का आयोजन लैब वाले स्कूल में ही किया गया था।
- बैठक में बच्चों में गणित और विज्ञान के प्रति रुचि कैसे बढ़ाई जाए और इन विषयों को पढ़ाने के लिए क्या नवीन प्रयोग किए जा सकते हैं, इस पर चर्चा की गई। ब्लॉक के शिक्षकों द्वारा गणित और विज्ञान में नवाचारों, सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों पर चर्चा और गतिविधियाँ आयोजित की गयी।
- प्रत्येक तीन माह के अंत में बैठकों में होने वाली चर्चाओं एवं गतिविधियों के आधार पर उन बातों का संकलन एवं दस्तावेजीकरण किया जाता है जिससे बच्चों की गणित एवं विज्ञान की शिक्षा में सुधार हो सके। इस प्रकार, एक सेमेस्टर में दो पुस्तिकाएँ और एक वर्ष में चार पुस्तिकाएँ तैयार की गईं।
- इस पुस्तिका या दस्तावेज़ की एक प्रति कक्षा 6 से 8 तक के सभी स्कूलों को दी गई थी।

(iii)इंटरस्कूल गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान को लोकप्रिय बनाना (हब और स्पोक मॉडल)

- इंटरस्कूल गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान को हब और स्पोक मॉडल के तहत लोकप्रिय बनाना। राज्य में हब सेंटर के रूप में "लर्निंग बाय डूइंग-एलबीडी" लैब वाले 780 प्राइमरी स्कूलों को प्रति स्कूल 15000रुपये का अनुदानदिए गए हैं।
- यह अनुदान राज्य के 780 प्राथमिक विद्यालयों को आवंटित किया गया था, जहाँ पिछले वर्षों में समग्र शिक्षा द्वारा "लर्निंग बाय डूइंग-LBD" लागू किया गया था।
- आस-पास के स्कूलों में लर्निंग बाय डूइंग-LBD लैब है, जिसमें लैब के आसपास के सरकारी स्कूलों के बच्चों के नियमित दौरे की व्यवस्था की जाती है।
- कार्यक्रम के सुचारू कार्यान्वयन के लिए स्कूलों में नियमित दौरे की व्यवस्था की गई।
- आने वाले स्कूली बच्चों के लिए सभी प्रयोगशाला उपकरणों का प्रदर्शन और उपकरणों का बुनियादी परिचय।

(B) माध्यमिक स्तर पर

(i) विज्ञान / गणित क्लबों का गठन

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत, समग्र शिक्षा ने विज्ञान और गणित क्लबों के माध्यम से सभी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मासिक थीम-आधारित गतिविधियों का आयोजन किया। ये विज्ञान गणित क्लब गतिविधियाँ पारंपरिक (कक्षा में) शिक्षा को पूरक बनाने वाली गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के बीच जिज्ञासा, पूछताछ, नवाचार और रचनात्मकता की भावना को प्रेरित करती हैं और विज्ञान और गणित को एक सुखद और दिलचस्प खोज बनाती हैं। ये गतिविधियाँ बच्चों और युवाओं को वैज्ञानिक गतिविधियाँ अपनाने, वैज्ञानिक समाज प्राप्त करने के लिए लक्ष्यों की दिशा को पोषित करने तथा शिक्षकों को सुविधाप्रदाता व परिवर्तकबनने में सहायता करती है। विज्ञान क्लब की गतिविधियों के विषय निम्नलिखित पर केंद्रित होते हैं:

- कार्बन फ़ुटप्रिंट की गणना।
- प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण।
- जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग।
- कोविड-19 का प्रभाव।
- जैव विविधता।
- दैनिक जीवन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव (अच्छे और बुरे प्रभाव)।
- पारंपरिक सर्वोत्तम प्रथाएँ और उनके पीछे का विज्ञान।

विज्ञान क्लब की गतिविधियों के दौरान, छात्र परियोजना-आधारित और अनुसंधान-आधारित गतिविधियों का संचालन करते हैंऔर शिक्षक उन्हें दस्तावेजीकरण करने में सहायता करते हैं। स्कूलों के जुड़ाव के दौरान, प्रत्येक स्कूल अपनी प्रलेखित गतिविधियों को दूसरों के सामने प्रदर्शित करता है, जिससे सहकर्मी-से-सहकर्मी सहयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा मिलती है।

(ii) विज्ञान और गणित शिक्षक मंडलों को बढ़ावा देना

- ब्लॉक स्तरीय गणित,'विज्ञान गणित शिक्षक मंडल'
- ब्लॉक स्तर पर विज्ञान शिक्षक मंडल का निर्माण। आठ हजार का अनुदान दिया गया है।
- शिक्षक मंडल में सरकारी, RMSA, मॉडल, मॉडल डे और KGBV स्कूल के सभी गणित और विज्ञान माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक शामिल हैं।
- गणित-विज्ञान शिक्षक मंडल की हर महीने नियमित वर्चुअल बैठकें और हर तीन महीने में एक आमने-सामने बैठक आयोजित की गई। सीधी मीटिंग लैब वाले स्कूल में ही आयोजित की जाती थी।
- बैठक का एजेंडा था क) बच्चों में गणित और विज्ञान के प्रति रुचि कैसे बढ़ाई जाए, ख) इन विषयों को पढ़ाने के लिए क्या नवीन प्रयोग किए जा सकते हैं।, ग) तालुका के शिक्षकों द्वारा गणित और विज्ञान में नवाचारों, सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों पर चर्चा और गतिविधियों का आयोजन करना, घ) गणितीय विज्ञान पर आभासी सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित करना।

- बच्चों की शिक्षा में दस्तावेज़ीकरण और सुधार के लिए एक सेमेस्टर में दो पुस्तिकाएँ और एक वर्ष में चार पुस्तिकाएँ तैयार की गईं। इस पुस्तिका या दस्तावेज़ की एक प्रति 9 से 10 कक्षा तक के सभी स्कूलों को दी गई थी।

(iii) हब और स्पोक मॉडल

- 'हब एंड स्पोक मॉडल' के अंतर्गत रुपये का अनुदान। हब सेंटर के रूप में 310 माध्यमिक विद्यालयों को 25000 रुपये प्रति विद्यालय दिए गए हैं। अनुदान राज्य के 310 माध्यमिक विद्यालयों को आवंटित किया गया था जिन्हें पिछले वर्षों में समग्र शिक्षा द्वारा "STEM लैब" दिया गया था।
- STEM लैब वाले स्कूलों ने आसपास के अन्य सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों के बच्चों के लिए लैब में नियमित दौरे की व्यवस्था की।
- गणितीय विज्ञान के विषयों पर विभिन्न सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा, पर्यावरण, अपशिष्ट निपटान, जैविक खेती आदि विषयों पर चर्चा की गई।
- गणित एवं विज्ञान विषयों में अभिरुचि विकसित करने हेतु गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- सभी स्कूलों के 2-5 बच्चों और प्रयोगशाला वाले स्कूल के 2 बच्चों के बीच एक गणित विज्ञान प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। पुरस्कार वितरण के माध्यम से बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। विज्ञान प्रदर्शनियाँ स्कूली बच्चों को एक अनोखा और मूल्यवान सीखने का अनुभव प्रदान करती हैं। एक विज्ञान प्रदर्शनी में, बच्चे इंटरैक्टिव प्रदर्शनों, व्यावहारिक प्रयोगों और प्रदर्शनों के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं और सिद्धांतों की एक विस्तृत श्रृंखला का पता लगा सकते हैं। इन प्रदर्शनियों और गतिविधियों में बच्चों को शामिल करने और विज्ञान के बारे में सीखने को एक मजेदार और यादगार अनुभव बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।





G20 जनभागीदारी कार्यक्रम

'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना Foundational Literacy and Numeracy' (FLN) विषय के तहत, विशेष रूप से मिश्रित शिक्षा के संदर्भ में, शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ साझेदारी में जी-20, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और FLN के बारे में जागरूकता पैदा करने और छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और समग्र समुदाय जैसे विभिन्न हितधारकों के बीच गर्व की भावना पैदा करने के लिए पूरे देश में जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए। इस संदर्भ में, जून 2023 के लिए कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों, सेमिनारों और सम्मेलनों सहित कई गतिविधियों की योजना बनाई गई थी। जनभागीदारी कार्यक्रमों के कारण 19 से 21, 2023 जून के बीच पुणे, महाराष्ट्र में मुख्य कार्यक्रम, चौथी शिक्षा कार्य समूह पर चर्चा हुई, जहाँ गुजरात ने कक्षाओं में शिक्षण और सीखने में नवीन सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रतिनिधित्व किया। एक ऐसे राज्य के रूप में जो बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करता है और सभी तरीकों से इसके कार्यान्वयन पर सक्रिय रूप से काम करता है, गुजरात को सभी प्रतिभागियों के सामने अपनी रणनीतियों को प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था।


G20
શ્રી સજ્જનપર પ્રા. શાળા


G20
UNITEWE CAN BETTER DEVELIP...
One Earth . One Family
One Future



गुजरात शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद



6 गुजरात शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद शाखा

समग्र शिक्षा, गांधीनगर द्वारा प्राप्त अनुदान से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर एक प्रतिवेदन

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	लाभार्थी
1	**विद्या प्रवेश (स्कूल तत्परता) प्रशिक्षण**	
	K.R.P. प्रशिक्षण	105
	मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण	2221
	शिक्षक प्रशिक्षण	32309
2	**कक्षा 1 से 3 अंग्रेजी विषय का प्रशिक्षण**	
	मॉड्यूल लेखन एवं समीक्षा कार्यशाला:	20 व्याख्याता/SRG
	संसाधन स्वरूप व्यक्ति प्रशिक्षण	297 शिक्षक
	कक्षा 1-2 के लिए मेटर ट्रेनर	2245 शिक्षक
	कक्षा 3 के लिए मेटर ट्रेनर	2034 शिक्षक
	कक्षा 1-2 के लिए जिला स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण	34379
	कक्षा 3 के लिए जिला स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण	30669
3	**डिस्बैरिंग लिंक इंडिकेटर (DLI)-4 के तहत त्वरित शिक्षण (GOAL) परियोजना के लिए गुजरात परिणाम, कक्षा प्रदर्शन प्रशिक्षण के लिए शिक्षक विकास को मजबूत किया गया**	
	मॉड्यूल लेखन एवं समीक्षा कार्यशाला:	42 शिक्षक
	RPs प्रशिक्षण का सांख्यिकीय विवरण:	692 शिक्षक
	MTs प्रशिक्षण का सांख्यिकीय विवरण	10157 शिक्षक
	शिक्षक प्रशिक्षण सांख्यिकीय विवरण	148537 शिक्षक

विद्या प्रवेश (स्कूल तत्परता) प्रशिक्षण:

K.R.P.प्रशिक्षण: G.C.E.R.T., गांधीनगर में विद्याप्रवेश (स्कूल रेडीनेस) रिसोर्स पर्सन प्रशिक्षण 12-7-2022 से 14-7-2022 तक आयोजित किया गया, जिसमें 10 विशेषज्ञों द्वारा कुल 105 रिसोर्स पर्सन को प्रशिक्षित किया गया।



मास्टर्स ट्रेनर्स प्रशिक्षण: जिला स्तर पर विद्या प्रवेश (स्कूल तत्परता) मास्टर्स ट्रेनर्स प्रशिक्षण आयोजित की गई जिसमें 146 विशेषज्ञों द्वारा कुल 2221 मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया।





शिक्षक प्रशिक्षण: विद्या प्रवेश (स्कूल तत्परता) शिक्षक प्रशिक्षण तालुका स्तर पर आयोजित किया जाता है। इसके तहत कुल 32309 शिक्षकों को 2264 विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

विद्या प्रवेश कार्यक्रम में मुख्य रूप से गतिविधियाँ, सीखने के परिणाम, भाषा और साक्षरता, संख्यात्मक विकास, पर्यावरण जागरूकता और विज्ञान संवर्धन, गतिविधियों की विशेष समझ, विद्या प्रवेश मूल्यांकन जैसे विषयों को समझने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।



विद्याप्रवेश मास्टर ट्रेनर्स और शिक्षक प्रशिक्षण पर सांख्यिकी (2022-23)							
क्रमांक	जिले का नाम	मास्टर ट्रेनर		कुल	शिक्षक		कुल
		पुरुष	महिला		पुरुष	महिला	
1	अहमदाबाद ग्राम्य	19	28	47	145	362	507
2	अहमदाबाद शहर	23	56	79	208	552	760
3	अमरेली	39	21	60	220	497	717
4	आणंद	41	23	64	321	662	983
5	भरूच	24	37	61	216	626	842
6	भावनगर	61	11	72	623	464	1087
7	बोटाद	0	0	0	170	126	296
8	कच्छ भुज	67	26	93	744	767	1511
9	दाहोद	53	62	115	669	1090	1759
10	गांधीनगर	12	32	44	95	455	550
11	साबरकांठा (ईडर)	49	55	104	283	889	1172
12	अरवल्ली	44	58	102	357	906	1263
13	जामनगर	30	19	9	197	456	653
14	द्वारका	35	8	43	208	274	482
15	जूनागढ़	30	27	57	214	464	678
16	गिर सोमनाथ	40	6	46	192	355	547
17	कठलाल	73	17	90	441	886	1327
18	महेसाणा	34	41	75	240	704	944
1	नवसारी	8	49	57	99	711	810
20	बनासकांठा (पालनपुर)	124	9	133	1323	1177	2500
21	पाटन	27	28	55	344	466	810
22	पोरबंदर	23	17	40	128	178	306
23	राजकोट	32	19	51	314	680	994
24	मोरबी	22	8	30	205	358	563
25	राजपीपला	34	13	47	366	397	763

विद्याप्रवेश मास्टर ट्रेनर्स और शिक्षक प्रशिक्षण पर सांख्यिकी (2022-23)							
क्रमांक	जिले का नाम	मास्टर ट्रेनर		कुल	शिक्षक		कुल
		पुरुष	महिला		पुरुष	महिला	
26	संतरामपुर	30	50	80	702	425	1127
27	पंचमहाल	74	18	92	485	1162	1647
28	सूरत	12	48	60	221	1123	1344
29	तापी	12	31	43	204	585	789
30	सुरेंद्रनगर	77	12	89	527	434	961
31	वडोदरा	28	53	81	292	796	1088
32	छोटाउदेपुर	66	17	83	546	647	1193
33	वलसाड	13	37	47	182	757	939
34	वघई	23	9	32	123	274	397
	कुल	**1279**	**942**	**2221**	**11604**	**22705**	**32309**

कक्षा 1से 3अंग्रेजी विषय का प्रशिक्षण:

मॉड्यूल लेखन एवं समीक्षा कार्यशाला:

GCERT ने DIET गांधीनगर के सहयोग से 03-08-2022 से 05-08-2022 तक DIET गांधीनगर में अंग्रेजी विषय प्रशिक्षण के लिए एक मॉड्यूल लेखन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में उक्त विषय पर प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किये गये।

STTI में कक्षा 1 से 3 अंग्रेजी विषय के प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा कार्यशाला 01-9-2022 से 02-9-2022 तक आयोजित की गई थी। कार्यशाला में उक्त विषय के प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा कर उसे अंतिम रूप दिया गया।

संसाधन स्वरुप व्यक्ति का प्रशिक्षण:

GCERT द्वारा06-9-2022 से 08-9-2022 तक चार क्षेत्रों (वडोदरा, सुरेंद्रनगर, राजकोट और मेहसाणा) में संसाधन एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में निम्नलिखित संसाधन स्वरुप व्यक्ति उपस्थित थे। इन व्यक्तियों को 37 विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया

क्रमांक	जोन	स्थल	उपस्थित RPs
1	राजकोट	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, त्रिकोण बाग, राजकोट त्रिकोण बाग, राजकोट	45
2	मेहसाणा	श्री मणिभद्र वीर जैन तीर्थ फर्म, एम.पी.ओ. एग्लोड, विजापुर-हिमतनगर राजमार्ग	78
3	वडोदरा	सुमेरु नवकार तीर्थ, पंजरा पोल के बगल में, मियागाम-अमोद रोड, एम.पी.ओ. मियागाम, ता कर्जन, जिला वडोदरा।	87
4	सुरेन्द्रनगर	श्री प्रज्ञाचक्षु महिला सेवाकुंज, त्रि-मंदिर के पीछे, सुरेंद्रनगर	86
		कुल	**297**



દિવ્ય ભાસ્કર વડોદરા છોટા ઉદેપુર 08-09-2022

હવે સરકારી શાળાઓમાં બાળકોને અંગ્રેજી શીખવાડાશે

સુમેરુ નવકાર તીર્થમાં ધો.1થી 3નું અંગ્રેજી રિસોર્સ પર્સન તાલીમ વર્ગ

ભાસ્કર ન્યૂઝ | કરજણ

ગુજરાત રાજ્ય શૈક્ષણિકસંશોધન અને તાલીમ ભવન ગાંધીનગર દ્વારા પ્રેરીત જિલ્લા શિક્ષણ અને તાલીમ ભવન વડોદરા દ્વારા આયોજિત વડોદરા ઝોનલ કક્ષાનો ધોરણ 1થી 3નું અંગ્રેજી રિસોર્સ પર્સન તાલીમ વર્ગનું કરજણ સુમેરુ નવકાર તીર્થ ખાતે યોજાયું હતું. જેમાં ત્રણ દિવસના તાલીમ વર્ગ યોજવા પામ્યા હતા. જેમાં ગુજરાત રાજ્યના 11 જિલ્લાઓના કુલ 95 શિક્ષકો અને 8 તજજ્ઞો ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

અંગ્રેજી બોલવાની શરૂઆત કોઈ વયજૂથમાં શરૂ કરી શકાય છે અંગ્રેજી ભાષા શીખવાની શરૂઆત કોઈપણ સમયે શરૂ કરી શકાય છે. ધોરણ 1 અને 2ના વિદ્યાર્થીઓને માત્ર શ્રવણ અને કથન કૌશલ્ય પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવું હોય છે. ત્યારે ધોરણ 3ના વિદ્યાર્થીઓને વાંચન અને લેખનની પ્રક્રિયાઓ શરૂ કરવાની હોય છે. જે માટે ગુજરાત રાજ્યના 11 જિલ્લાઓમાંથી આવેલ આ ભાષાના શિક્ષકોની 7 સપ્ટેમ્બરથી 9 સપ્ટેમ્બર સુધીની ત્રણ દિવસની તાલીમ ગુજરાત રાજ્ય શૈક્ષણિકસંશોધન અને તાલીમ ભવન ગાંધીનગર દ્વારા પ્રેરીત જિલ્લા શિક્ષણ અને તાલીમ ભવન વડોદરા દ્વારા સુમેરુ નવકાર તીર્થ ખાતે યોજવામાં આવી હતી. જેમાં ગુજરાત રાજ્યના 11 જિલ્લાઓના કુલ 95 શિક્ષકો અને 8 તજજ્ઞો ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.









जिला स्तर पर मास्टर्स ट्रेनर्स का प्रशिक्षण

GCERT ने जिला स्तर पर कक्षा 1-2 और कक्षा 3 मास्टर्स ट्रेनर्स ट्रेनिंग का 12 से 15 सितंबर 2022 के बीच दो दिन का आयोजन किया, जिसमें कक्षा 1-2 में 185 विशेषज्ञों द्वारा कुल 2245 मास्टर ट्रेनर्स और कुल 2034 मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया। कक्षा 3 में 143 विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

जिला स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण

जिला स्तर पर कक्षा 1-2 के शिक्षकों के प्रशिक्षण की तिथि: 16 से 22 सितंबर 2022 तक आयोजित किया गया जिसमें कक्षा 1-2 में 2358 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

कुल 34379 शिक्षकों को विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया और कक्षा 3 के शिक्षकों का प्रशिक्षण दिनांक : 23 से 29 सितंबर 2022 दो दिनों में आयोजित की गई, जिसमें कुल 30669 शिक्षकों को 2183 विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।





जिला स्तर पर कक्षा 1,2, और 3 के लिए अंग्रेजी विषय प्रशिक्षण से संबंधित मास्टर प्रशिक्षक औरशिक्षक प्रशिक्षण का सांख्यिकीय विवरण

क्रमांक	जिला	कक्षा 1-2		कक्षा 3	
		मास्टर ट्रेनर	शिक्षक	मास्टर ट्रेनर	शिक्षक
1	अहमदाबाद ग्राम्य	41	518	45	483
2	अहमदाबाद शहर	73	739	57	582
3	अमरेली	55	725	49	686
4	आणंद	66	1034	65	975
5	भरूच	66	850	66	806
6	भावनगर	68	1114	65	983
7	बोटाद	18	300	18	263
8	कच्छ - भुज	107	1557	108	1503
9	दाहोद	103	2503	88	1658
10	गांधीनगर	34	545	32	535
11	साबरकांठा (ईडर)	102	1193	92	1172
12	अरवल्ली	92	1246	90	1224
13	जामनगर	54	846	49	650
14	द्वारका	52	445	36	445

क्रमांक	जिला	कक्षा 1-2		कक्षा 3	
		मास्टर ट्रेनर	शिक्षक	मास्टर ट्रेनर	शिक्षक
15	जूनागढ़	55	670	50	645
16	गिर सोमनाथ	40	553	36	512
17	कठलाल	117	1571	76	1282
18	महेसाणा	74	948	71	915
19	नवसारी	57	787	45	806
20	बनासकांठा (पालनपुर)	122	2486	112	2345
21	पाटण	51	809	61	775
22	पोरबंदर	39	305	28	305
23	राजकोट	53	1047	51	965
24	मोरबी	33	730	27	540
25	राजपीपला	45	682	46	679
26	संतरामपुर	77	1611	73	1166
27	पंचमहाल	80	1388	84	1347
28	सूरत	126	1791	98	1266
29	तापी	39	776	33	767
30	सुरेंद्रनगर	72	947	65	898
31	वडोदरा	81	1106	79	1055
32	छोटाउदेपुर	79	1173	73	1157
33	वलसाड	55	1015	47	928
34	वघई	19	369	19	351
	कुल	**2245**	**34379**	**2034**	**30669**

डिस्बैरिंग लिंक इंडिकेटर (DLI)-4 के तहत त्वरित शिक्षण (GOAL) परियोजना के लिए गुजरात परिणाम, कक्षा प्रदर्शन प्रशिक्षण के लिए शिक्षकीय विकास को मजबूत किया गया



गुजरात राज्य शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में GCERT, Sotto शिक्षा, गांधीनगर और रीच टू टीच एनजीओ द्वारा मार्च 2021 समेटिव असेसमेंट टेस्ट (SAT) परिणामों के मूल्यांकन और विश्लेषण के आधार पर, गुजरात में इन कठिन स्थानों को सुविधाजनक बनाने के लिएशिक्षकों के परिणामों और प्रशिक्षण द्वारा कठिन स्थानों की पहचान की गई।

कक्षा 3 से 5 के लिए गुजराती, गणित, पर्यावरण और कक्षा 6 से 8 के लिए गुजराती, गणित और विज्ञान विषय प्रशिक्षण मॉड्यूल लेखन कार्यशाला और समीक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला के बाद कक्षा 3 से 5 तक के गुजराती, गणित, और विज्ञान के प्रशिक्षण मॉड्यूल को अंतिम रूप दिया गया।

संकाय और रीच टू टीच टीम जुड़े हुए थे। इस प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से गुजरात राज्य में व्यक्ति का प्रशिक्षण, मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और शिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से डिस्बैरिंग लिंक इंडिकेटर (DLI) ४ के तहत त्वरित शिक्षण के लिए गुजरात परिणाम (GOAL) परियोजना के माध्यम से कक्षा प्रदर्शन के लिए शिक्षक विकास को मजबूत किया गया, इसके आधार पर कक्षा 6 से 8 के गुजराती, गणित, पर्यावरण और गुजराती, गणित और विज्ञान के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान पूर्व और बाद के परीक्षणों पर शिक्षकों की प्रतिक्रिया का उपयोग किया गया। प्रशिक्षण के संबंध में आवश्यक सांख्यिकीय विवरण यहां दिया गया है।















प्रशिक्षण मॉड्यूल लेखन और समीक्षा कार्यशाला विवरण

क्रमांक	विषय वार SRGs	कक्षाएं	प्रतिभागी
1	भाषाएं	3 से 5	06
2	भाषाएं	6 से 8	09
3	ईवीएस	3 से 5	08
4	विज्ञान	6 से 8	08
5	गणित	3 से 5	03
6	गणित	6 से 8	04
7	GCERT प्रशिक्षण टीम और SoE टीम		04
		कुल	**42**

Rps प्रशिक्षण का सांख्यिकीय विवरण

क्रमांक	दिनांक	विषय	कक्षा	स्थल	उपस्थित RPs
1	17 और 18 जनवरी 2023	भाषाएं	3 से 5	यात्रिक भवन, वडताल, जिला-खेड़ा	120
2	17 और 19 जनवरी 2023	भाषाएं	6 से 8	ITI जूनागढ़, जिला-जूनागढ़	113
3	17 और 18 जनवरी 2023	गणित	3 से 5	जैन तीर्थ, आगलोद, जिला- मेहसाणा	114
4	17 और 18 जनवरी 2023	गणित	6 से 8	DIET - ईडर, जिला-साबरकांठा	110
5	17 और 18 जनवरी 2023	ईवीएस	3 से 5	जैन देरासेर, डोलिया, जिला- सुरेंद्रनगर	116
6	17 और 18 जनवरी 2023	विज्ञान	6 से 8	DIET - नवसारी, जिला-नवसारी	119
				कुल	**692**

Nts प्रशिक्षण का सांख्यिकीय विवरण:

क्रमांक	जिला	भाषाएं	भाषाएं	गणित	गणित	ईवीएस	विज्ञान	कुल MT
		3 से 5	6 से 8	3 से 5	6 से 8	3 से 5	6 से 8	
1.	अहमदाबाद ग्राम्य	44	50	33	36	41	33	237
2.	अहमदाबाद शहर	41	36	42	43	37	34	233
3.	अमरेली	48	49	47	52	50	51	297
4.	आणंद	69	54	69	57	69	57	375
5.	अरवल्ली	61	43	59	44	63	44	314

क्रमांक	जिला	भाषाएं	भाषाएं	गणित	गणित	ईवीएस	विज्ञान	कुल MT
		3 से 5	6 से 8	3 से 5	6 से 8	3 से 5	6 से 8	
6.	बनासकांठा	164	111	116	98	158	89	786
7.	भरूच	61	42	57	40	62	42	304
8.	भावनगर	77	59	71	52	69	55	383
9.	बोटाद	17	16	18	16	15	16	98
10.	छोटाउदेपुर	49	22	54	20	54	21	220
11.	दाहोद	86	62	92	52	103	60	461
12.	डांग	31	14	31	10	30	10	126
13.	देवभूमि द्वारिका	45	35	45	36	45	31	237
14.	गांधीनगर	26	27	29	27	24	36	169
15.	गीर सोमनाथ	27	36	34	32	37	30	196
16.	जामनगर	46	41	46	41	49	40	263
17.	जूनागढ़	48	44	45	40	45	45	267
18.	कच्छ	93	75	89	71	93	70	491
19.	खेड़ा	78	50	83	46	79	48	384
20.	महीसागर	75	43	78	41	76	41	354
21.	मेहसाणा	78	51	76	55	80	60	400
22.	मोरबी	26	19	29	19	29	20	142
23.	नर्मदा	45	20	40	22	47	23	197
24.	नवसारी	45	45	45	45	45	45	270
25.	पंचमहाल	78	51	78	51	78	51	387
26.	पाटण	58	55	54	50	54	55	326
27.	पोरबंदर	23	24	24	25	24	20	140
28.	राजकोट	48	46	48	46	46	48	282
29.	साबरकांठा	63	49	63	49	63	49	336
30.	सूरत	68	52	73	45	73	42	353
31.	सुरेंद्रनगर	60	57	57	48	57	48	327
32.	तापी	44	30	48	28	68	29	247
33.	वडोदरा	54	31	49	30	48	28	240
34.	वलसाड	58	49	57	41	63	47	315
	कुल योग	**1934**	**1488**	**1935**	**1408**	**1974**	**1418**	**10157**

शिक्षक प्रशिक्षण का सांख्यिकीय विवरण:

क्रमांक	जिला	भाषाएं	भाषाएं	गणित	गणित	ईवीएस	विज्ञान	कुल MT
		3 से 5	6 से 8	3 से 5	6 से 8	3 से 5	6 से 8	
1.	अहमदाबाद ग्राम्य	529	593	597	578	603	586	3486
2.	अहमदाबाद शहर	480	504	466	472	472	452	2846
3.	अमरेली	642	578	673	524	626	509	3552
4.	आणंद	974	686	931	584	958	593	4726
5.	अरवल्ली	1156	566	1152	531	1160	521	5086
6.	बनासकांठा	2471	1525	2432	438	2417	1454	11737
7.	भरूच	812	673	812	566	918	573	4354
8.	भावनगर	953	830	926	798	955	805	5267
9.	बोटाद	265	258	252	229	247	233	1484
10.	छोटाउदेपुर	1210	377	1153	374	1153	384	4651
11.	दाहोद	1817	1024	1809	933	1843	956	8382
12.	डांग	409	134	427	135	413	137	1655
13.	देवभूमि द्वारिका	462	286	429	256	380	257	2070
14.	गांधीनगर	473	367	426	339	443	350	2398
15.	गीर सोमनाथ	543	489	569	459	550	464	3074
16.	जामनगर	626	438	610	400	624	388	3086
17.	जूनागढ़	642	463	663	487	619	482	3356
18.	कच्छ	1473	1089	1491	1015	1482	1032	7582
19.	खेड़ा	1354	793	1302	717	1329	715	6183
20.	महीसागर	1154	514	1108	621	1114	498	5009
21.	मेहसाणा	920	704	899	678	942	662	4805
22.	मोरबी	543	460	566	406	546	394	2915
23.	नर्मदा	677	289	673	270	670	272	2851
24.	नवसारी	638	420	622	395	647	411	3133
25.	पंचमहाल	1312	743	1281	669	1283	677	5965
26.	पाटण	640	767	811	593	770	582	4163
27.	पोरबंदर	257	208	264	204	258	199	1390
28.	राजकोट	946	749	944	742	912	738	5031
29.	साबरकांठा	1108	705	1126	670	1135	671	5415
30.	सूरत	1152	790	1175	738	1141	735	5731
31.	सुरेंद्रनगर	831	718	821	676	833	686	4565
32.	तापी	866	345	828	316	836	318	3509
33.	वडोदरा	1029	559	1005	510	1011	512	4626
34.	वलसाड	933	629	828	607	910	547	4454
	कुल योग	**30297**	**20273**	**30071**	**18930**	**30200**	**18793**	**148537**



प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS)



7 प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS)

समग्र शिक्षा का प्राथमिक उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सर्वोच्चता सुनिश्चित करना है, ऐसे में शिक्षण गतिविधियों की निगरानी अनिवार्य है। इसके लिए सभी स्कूलों का दौरा किया जाए और गुणवत्ता संकेतकों को समय-समय पर एकत्र, अद्यतन, सत्यापित और समग्र शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उसका विश्लेषण किया जाय है। कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) पर जोर दिया जाता है कि वह मुख्य विषय क्षेत्र के लिए योजना के अंतर्गत स्कूली शिक्षा को शिक्षा के सन्दर्भ में उसकी समीक्षा करे।

समकालीन संदर्भ में, MIS गतिविधियों की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. UDISE+(यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन)

UDISE+(यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन) भारत में स्कूलों के बारे में जानकारी का एक डेटाबेस है। डेटाबेस को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (NIEPA) में विकसित किया गया था।

DISE को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालन के आधार के रूप में माना जाता है। वर्तमान में यूनिफाइड DISE (UDISE) प्रणाली वर्ष 2012 से कक्षा 1 से XII तक संपूर्ण स्कूली शिक्षा प्रदान करने वाले सभी स्कूलों को समावेशित करती है। सभी स्कूल-स्तर की जानकारी 30 सितंबर तक UDISE में कक्षा 1 से 12 तक के स्कूलों के लिए वार्षिक रूप में एकत्र की जाती है। आगे बढ़ते हुए, शिक्षा मंत्रालय (MoE), भारत सरकार ने UDISE+ के साथ स्कूली शिक्षा प्रणाली के लिए रीयल-टाइम डेटा रखने की योजना बनाई है ताकि प्रशासन को सिस्टम में त्वरित रूप से योजना बनाने, निगरानी करने और निर्णय लेने में सक्षम बनाया जा सके।

UDISE+, UDISE का एक अद्यतन और उन्नत संस्करण है। संपूर्ण सिस्टम अब ऑनलाइन है और 2018-19 से वास्तविक समय में डेटा एकत्र कर रहा है

2. आधार आधारित DISE – एक बालक ट्रैकिंग प्रणाली जो पूरे राज्य के बालकों का डेटाबेस तैयार करता है

सीखने के परिणामों को प्रतिधारण और मूल्यांकन के संदर्भ में बच्चों को ट्रैक करने के लिए जनवरी 2012 में "आधार आधारितDISE" नामक एक परियोजना शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य छात्रों के डेटाबेस को बनाए रखते हुए कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों को ट्रेक करना था ताकि नामांकन और अकादमिक डेटा के साथ जोड़कर बच्चे की जानकारी तक तुरंत पहुंचा जा सके। इस प्रणाली ने प्रत्येक बच्चे के लिए उसके पूरे शैक्षणिक करियर में बच्चे को ट्रैक करने के लिए 18 अंकों का यूनिक आईडी नंबर तैयार किए हैं। इस प्रणाली के माध्यम से बच्चे को उसके पुरे शैक्षणिक करियर में ट्रेक करने के लिए 18 अंकों का यूनिक आईडी नंबर तैयार किए हैं।
सरकारी संकल्प संख्या PRE-1414-4191-K दिनांक 21/11/2013 के तहत सभी शैक्षिक दस्तावेजों जैसे विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र, प्रवासन कार्ड इत्यादि में विशिष्ट आईडी का उल्लेख करना अनिवार्य है। छात्रवृत्ति योजनाओं के लाभ को स्थानांतरित करने के लिए बैंक खातों के विवरण आदि को भी एकीकृत किया गया है।

3. छात्रों और शिक्षकों की दैनिक ऑनलाइन उपस्थिति

- NEP2020, अध्याय 7.7 नियमित उपस्थिति के लिए ICT टूल का उपयोग करने की सिफारिश करता है, क्योंकि यह शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है।
- राज्य भर के सभी छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति को ट्रैक करने के लिए सभी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में 2018-19 में दैनिक ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली शुरू की गई थी।



- इस प्रणाली को जून 2019 में राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों तक विस्तारित किया गया था।
- चैटबॉट एप्लिकेशन लॉन्च किया गया - स्मार्ट अटेंडेंस - नियमितता और समयबद्धता के लिए सिस्टम मैनेजिंग अटेंडेंस; रिपोर्टिंग के लिएशिक्षकों और छात्रों की दैनिक ऑनलाइन उपस्थिति ।
- एक स्वचालित प्रणाली जिसे इंटरनेट पर शिक्षकों की प्रतिक्रियाओं का अनुकरण करने के इरादे से डिज़ाइन किया गया है, जैसे कि छात्रों और शिक्षकों की दैनिक उपस्थिति की रिपोर्ट करने के लिए संदेश भेजना।
- बॉट ऐसे कार्य कर सकता है जो सरल और दोहराव वाले हों।
- आज VSK में 53,851 सरकारी और निजी स्कूलों के 11.5 मिलियन छात्रों और 3.98 लाख शिक्षकों की दैनिक ऑनलाइन उपस्थिति प्राप्त होती है।

4. कक्षा III से XII तक के छात्रों के लिए केंद्रीकृत आवधिक मूल्यांकन परीक्षण

आवधिक मूल्यांकन परीक्षण जिसे यूनिट टेस्ट या एकम कसौटी के रूप में भी जाना जाता है, सीखने के परिणामों की उपलब्धि के आधार पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि का रचनात्मक मूल्यांकन करने के लिए गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा एक नया दृष्टिकोण है। केवल अर्ध-वार्षिक या वार्षिक योगात्मक परीक्षाओं के दौरान किए गए छात्रों के मूल्यांकन से शिक्षकों के लिए छात्रों को समय पर उपचारात्मक सहायता प्रदान करना मुश्किल हो जाता है।

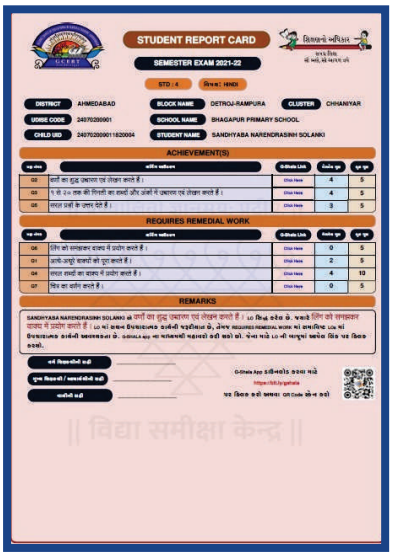
गुजरात में, राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध थी कि अधिकतम संख्या में छात्र कक्षा-उपयुक्त शिक्षण परिणाम प्राप्त करें। इसलिए, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार द्वारा परिणामोन्मुख नीति और दृढ़ संकल्प के साथ रचनात्मक मूल्यांकन के साप्ताहिक इकाई परीक्षणों की योजना बनाकर उसे संचालित की गई। इस पहल में छात्रों को सुधारात्मक सहायता के बाद समय-समय पर मूल्यांकन शामिल था।

- Xamata (एक्सप्रेशन ऑफ़ एचिव्ड मार्क्स अंडर टेस्ट एंड असेसमेंट) चैट बॉट का उपयोग मोबाइल / टैबलेट के माध्यम से PAT अंकों की डेटा प्रविष्टि के लिए किया जा रहा है।
- इन रचनात्मक मूल्यांकन परीक्षणों से आगामी NAS और गुणोत्सव 2.0 में स्कूलों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद मिलने का अनुमान है।
- अनुमान है कि राज्य भर में 4 मिलियन से अधिक बच्चे हर साल यूनिट टेस्ट से लाभान्वित हो रहे हैं।
- लगभग 500 करोड़ डेटा सेट वाले डेटा के इस बड़े भंडार का AI और ML का उपयोग करके विद्या समीक्षा केंद्र (VSK) में विश्लेषण किया जाता है।
- यह हमें कक्षा III से XII तक सभी विषयों को सीखने के परिणामों में प्राप्त उपलब्धियों का राज्य-वार विश्लेषण देता है।
- गुजरात कक्षा III से XII तक के सभी विषयों के प्रत्येक छात्र के लिए लर्निंग आउटकम आधारित रिपोर्ट कार्ड पेश करने वाला पहला राज्य है।
- अब तक लगभग 17 करोड़ रिपोर्ट कार्ड तैयार किये जा चुके हैं।

सीखने के परिणाम रिपोर्ट कार्ड

कक्षा III से XIIके लिए योगात्मक परीक्षाएँ

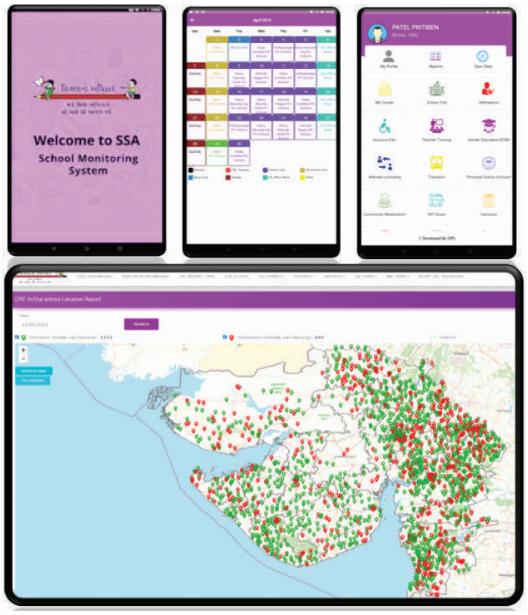
- अक्टूबर 2018 से, राज्य में केंद्रीकृत योगात्मक परीक्षाएं शुरू की गई हैं।
- 100% उत्तर पुस्तिकाएं अन्य स्कूलों के शिक्षकों द्वारा जांची जाती हैं।
- सभी विषयों के लिए सभी 43 लाख (4.3 मिलियन) छात्रों के लिए केंद्रीकृत डेटा प्रविष्टि की जाती है।



- प्रत्येक परीक्षा के लिए लगभग 50 करोड़ अद्वितीय डेटा दर्ज, संकलित और विश्लेषित किया जाता है।
- प्रत्येक परीक्षा एक विशिष्ट प्रश्न पर डेटा एकत्र करती है, जिसे सीखने के परिणाम के आधार पर मैप किया जाता है।
- इसके बाद, केंद्रीकृत योगात्मक परीक्षाओं को अब माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ स्व-वित्तपोषित स्कूलों तक भी अग्रेषित किया जाता है।

5. CRC और BRC के लिए GPS-आधारित स्कूल मॉनिटरिंग एप

- फ़ील्ड-स्तरीय कर्मचारियों के लिए वास्तविक समय के डेटा को प्राप्त करने हेतु समग्र स्कूल निगरानी प्रणाली है।
- यह स्कूल प्रबंधन और प्रशासन में सुधार करता है।
- यह समय पर हस्तक्षेप करने, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, पारदर्शिता बनाने में मदद करता है।
- समय पर कार्रवाई के लिए शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक मुद्दों के लिए क्षेत्र से वास्तविक समय की वृद्धि के माध्यम से जवाबदेही का निर्माण करता है।



स्कूल मॉनिटरिंग ऐप निम्नलिखित दो भागों को आवृत्त करता है:

- सूचना भाग: स्कूलों की संख्या, नामांकन, शिक्षक, उपस्थिति, गुणोत्सव, मूल्यांकन, परिवहन और अन्य शैक्षिक संकेतक सहित क्लस्टर विवरण।
- निरीक्षण भाग: स्कूल दौरे और कक्षा अवलोकन और उसके प्रारूपों के लिए सिस्टम-जनरेटेड टूर डायरी।

6. CwSN छात्रों के लिए दिव्यान एप्लिकेशन

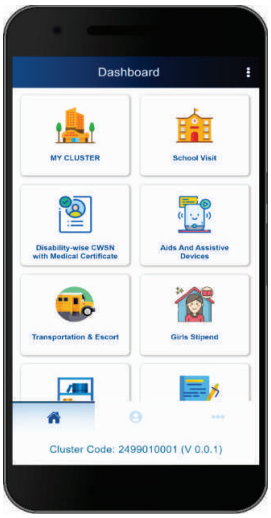
- अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए क्लस्टर और स्कूल स्तर पर जिला समन्वयकों, विशेष शिक्षकों (SE) द्वारा प्राप्त परिणामों की निगरानी के लिए जियो-टैगिंग सुविधा के साथ निगरानी एप्लिकेशन।

ऐप में तीन मॉड्यूल हैं:

सूचना, निगरानी एवं व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP)

विशेषताएँ:

- सर्वेक्षण प्रपत्र, नामांकन और CwSN की हाजिरी के माध्यम से दिव्यांगता-वार पहचान
- दिव्यांगता-वार चिकित्सा और UDID प्रमाणन स्थिति
- सहायता और उपकरणों की स्थिति तथा CwSN को लाभों के आवंटन की स्थिति
- व्यक्तिगत शिक्षा योजना और CwSNद्वारा सीखने के परिणामों की उपलब्धि पर प्रगति
- ज्ञान भंडार के माध्यम से विशेष शिक्षकों का क्षमता निर्माण
- समावेशी स्कूल का बुनियादी ढांचा विवरण
- संसाधन कक्ष – चिकित्सक का दौरा, CwSN की हाजिरी, और इन्वेन्टरी की जांचसूची
- परिपत्र और सूचनाएं
- SE का विद्यालय, कक्षावर्ग, संसाधन कक्ष, और गृह दौरा अवलोकन प्रपत्र



1. विद्या समीक्षा केंद्र

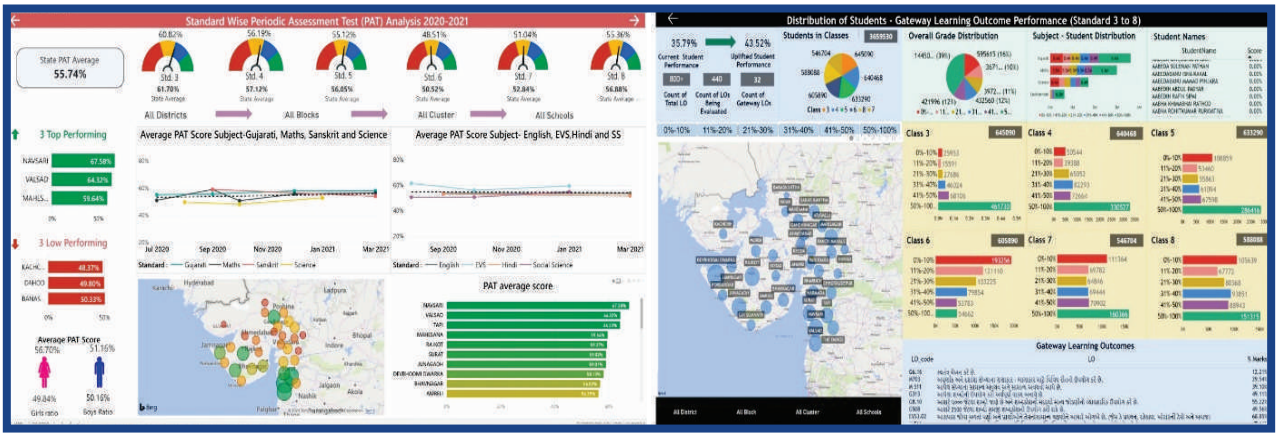


राज्य स्तर पर स्कूली शिक्षा की निगरानी के लिए विद्या समीक्षा केंद्र देश में अपनी तरह की पहली पहल है। इस पहल में विद्या समीक्षा केंद्र को सभी परिवर्तनकारी हस्तक्षेपों के लिए मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था। यह 'स्कूलिंग टू लर्निंग' सुनिश्चित करने के लिए पहल की अवधारणा, योजना, कार्यान्वयन, पोषण, निगरानी और मूल्यांकन करने में सहायक रहा है।

विद्या समीक्षा केंद्र अपने मिशन को स्कूलिंग टू लर्निंग से स्थानांतरित करने में राज्य को सक्षम बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक बनेगा। विद्या समीक्षा केंद्र वस्तुनिष्ठ डेटा विश्लेषण,कार्रवाई योग्य अंतरदृष्टि, भविष्य की तैयारी के लिए पूर्व विश्लेषण और हितधारकों के बीच निर्बाध संचार के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह जवाबदेही तय करेगा और पहचान किए गए अंतर को पूरा करने के लिए हितधारकों को तदनुकूल सहायता प्रदान करेगा।

विद्या समीक्षा केंद्र में डैशबोर्ड।

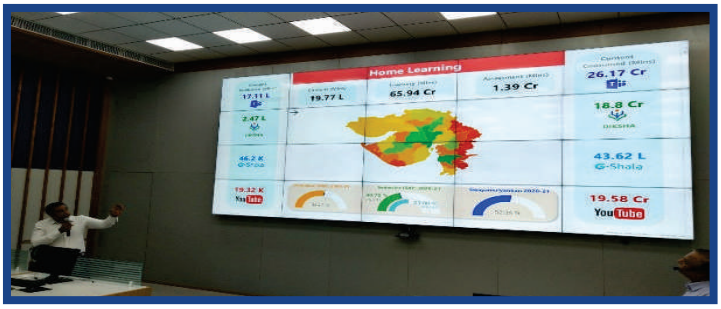
- देश का पहला राष्ट्रीय डिजिटल एजुकेशन आर्किटेक्चर (NDEAR) फ्रेमवर्क आधारितः विद्या समीक्षा केंद्र में समग्र स्कूली शिक्षा डैशबोर्ड स्थापित किया गया है।
- स्कूल उत्कृष्टता डैशबोर्ड को डिजाइन करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, बिग डेटा और मशीन लर्निंग का उपयोग किया जाता है ताकि महत्वपूर्ण मीट्रिक अलग दिखे और उन तक पहुंचना आसान हो।
- स्कूल उत्कृष्टता डैशबोर्ड में ग्रेड विषयक छात्र-स्तरीय मूल्यांकन डेटा, अधिगम परिणामऔर विद्यालय मान्यता स्कोर के साथ-साथ क्लस्टर संसाधन समन्वयकों की रीयल-टाइम ट्रैकिंग, निगरानी, सीधे विद्यालयों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा, संबंधित विश्लेषण और अंतर्दृष्टि शामिल है।



डैशबॉर्ड्स

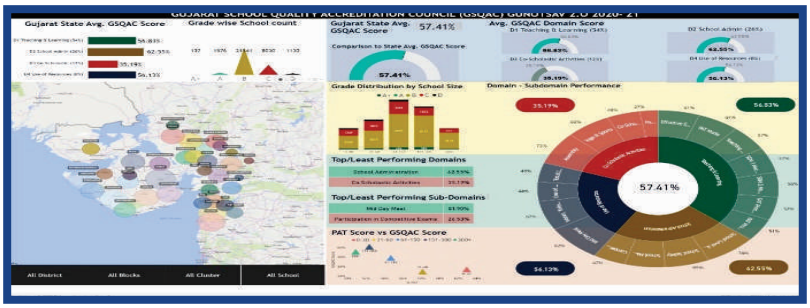
आवर्ती मूल्यांकन डैशबोर्ड

दिसंबर 2018 में सभी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में वर्ग 3-8 तक सभी विषयों के लिए आवर्ती मूल्यांकन शुरू किए गए थे। अब इसे उच्च वर्ग तक बढ़ाते हुए वर्ग 3 से 12 को भी शामिल किया गया है। PAT डैशबोर्ड कक्षा वार और विषयवार PAT अंकों का विश्लेषण प्रदर्शित करता है।



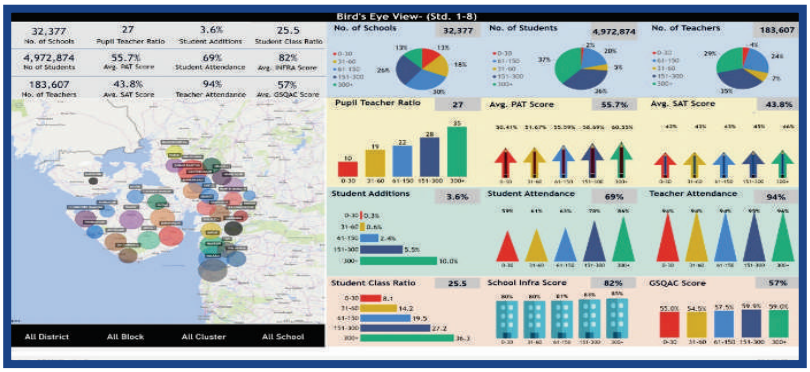
गेटवे लर्निंग आउटकम डैशबोर्ड

यह वर्ग 3 से 8 तक के छात्रों में अधिगम के परिणामों का विश्लेषण प्रदर्शित करता है। इसमें छात्रों का कक्षा- विद्यालय-क्लस्टर-ब्लॉक-जिला और राज्य-वार अधिगम परिणाम का प्रदर्शन शामिल है।



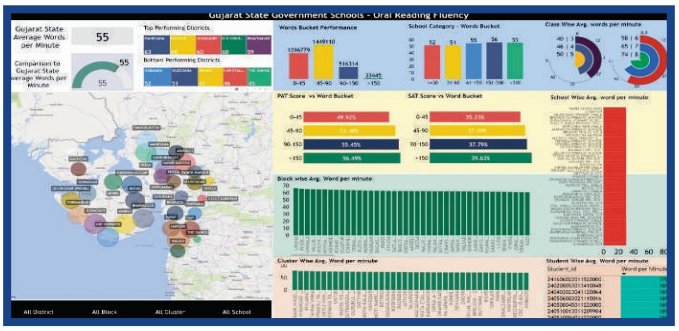
मौखिक पठन प्रवाह डैशबोर्ड

इस डैशबोर्ड पर मौखिक पठन प्रवाह डेटा प्रदर्शित किया जाता है, जिसमें छात्र-वर्ग-विद्यालय-क्लस्टर-ब्लॉक- जिलावार शब्द प्रति मिनट, PAT अंक के सामने वर्ड बकेट, SAT अंक के सामने वर्ड बकेट, आदि शामिल है।



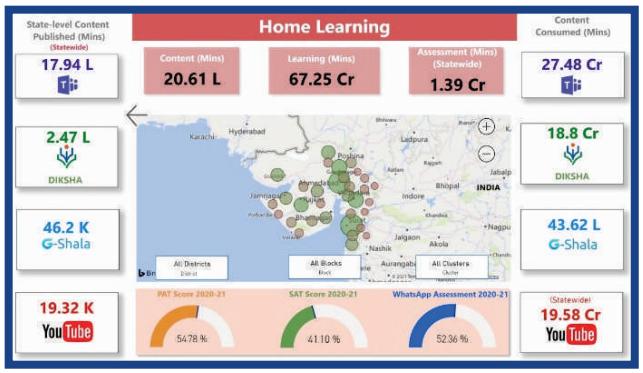
गृह अभ्यास डैशबोर्ड

गृह अभ्यास डैशबोर्ड प्रकाशित कंटेंट का डेटा और DIKSHA, G-SHALA, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स, यूट्यूब, आदि जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से उपभोग किया गया कंटेंट प्रदर्शित करता है। इसमें अधिगम और आकलन से सम्बंधित डेटा भी शामिल है।



GSQAC डैशबोर्ड

GSQAC (गुजरात स्कूल गुणवता प्रत्यायन परिषद) डैशबोर्ड स्कूल-क्लस्टर-ब्लॉक-जिले के GSQAC डोमेन और उप डोमेन वार प्रदर्शन, साथ ही PAT अंक के सामने GSQAC अंक प्रदर्शित करता है।



बईस आई व्यू डैशबोर्ड

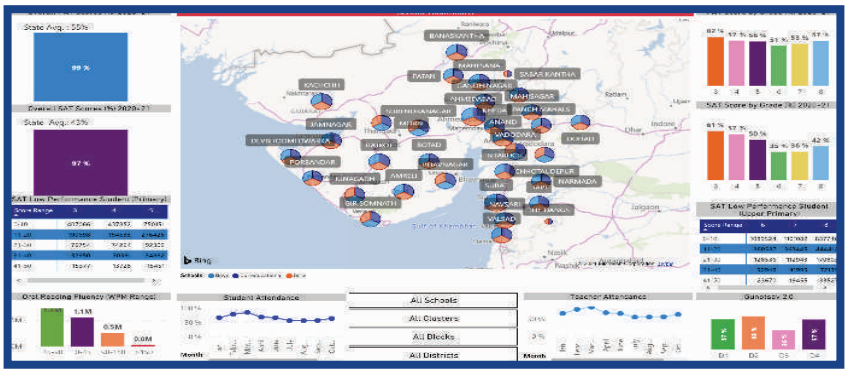
बईस आई व्यू डैशबोर्ड विद्यालयों के समग्र प्रदर्शन को प्रदर्शित करता है जिसमें विद्यालयों की संख्या, शिक्षकों की संख्या, छात्रों की संख्या, छात्र-शिक्षक अनुपात, औसत PAT अंक, औसत SAT अंक, छात्र की भर्ती, छात्र उपस्थिति, शिक्षक उपस्थिति, छात्र वर्ग अनुपात, विड्रॉल अवसंरचना स्कोर, GSQAC अंक आदि का विवरण शामिल है।

विद्यालय डैशबोर्ड

विद्यालय डैशबोर्ड छात्र और शिक्षक की उपस्थिति, बैंड-वार और छात्र-वार PAT और SAT अंक, मौखिक पठन प्रवाह और GSQAC अंक आदि का विद्यालय वार विवरण प्रदर्शित करता है।

छात्र डैशबोर्ड

छात्र डैशबोर्ड व्यक्तिगत छात्र के बारे में सभी जानकारी दिखाता है जैसे कि छात्रों की हाजिरी के रुझान, विषयवार PAT और SAT अंक, एक छात्र के अधिगम परिणाम-वार प्रदर्शन, मौखिक पठन की आवृति, आदि।



विद्यासमीक्षा केंद्र के परिणाम

- सरकारी स्कूलों में बेहतर नामांकन और हाजिरी, सरकारी स्कूलों में नामांकन में अच्छी वृद्धि हुई है, ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली ने छात्रों और शिक्षकों की नियमित हाजिरी में काफी सुधार किया है।
- हाजिरी से लेकर सीखने के परिणामों में सुधार करने तक राज्य में प्रत्येक छात्र के लिए ग्रेड उपयुक्त सीखने के परिणामों की उपलब्धि को मापने और ट्रैक करने पर ध्यान।
- निगरानी के माध्यम से शासन में सुधार निर्बाध संचार, सीखने की गतिविधियों के लिए समन्वितप्रयास, सूचनाओं को आत्मसात करना, डेटा विश्लेषण और विभिन्न स्तरों पर प्रतिक्रियाओं कोट्रिगर करने के लिए कारवाई योग्य अंतर्दृष्टि सुनिश्चित करता है।
- डेटा संग्रह से डेटा विश्लेषण तक राज्य भर से उत्पन्न डेटा के एक बड़े सेट का विश्लेषण करने के लिए बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग करना।
- डेटा विश्लेषण से लेकर कारवाई योग्य सभी स्तरों पर अंतर्दृष्टि, ट्रिगर और कारवाई बिंदु साझा करने के लिए रीयल-टाइम डैशबोर्ड और रिपोर्ट।
- डेटा प्रेरित निर्णय लेने से दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ती है बड़े पैमाने पर परिवर्तन परियोजनाओं के लिए ब्लूप्रिंट विकसित करने के लिए डेटा का उपयोग करना जिसके परिणामस्वरूप अधिकतम रिटर्न और निवेश पर अधिकतम प्रभाव पड़ता है।



8. प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण पहल

स्कूलों के बंद होने के एक सप्ताह बाद, समग्र शिक्षा ने छात्रों को स्वयं सीखने के लिए कक्षा 3 से 10 तक के सभी विषयों की साप्ताहिक कार्य पत्रक साझा करने की योजना बनाई। होम लर्निंग के साप्ताहिक पैकेज जिसे 'स्टडीज़ फ्रॉम होम' कहा जाता है, का उद्देश्य वर्तमान शैक्षणिक सत्र की शिक्षा को समेकित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अगले शैक्षणिक सत्र की नींव मजबूत रहे। इस कार्यक्रम से लगभग 32 लाख छात्र लाभान्वित होते हैं।

जून 2020 से DIKSHA मंच पर प्रत्यक्ष नाटकों में गुजरात नंबर 1 है। YouTube ई-क्लास चैनल पर 3.94 लाख से अधिक ग्राहक हैं, इसे 9 करोड़ से अधिक बार देखा गया है और दुनिया भर में 3" Microsoft Teams के उपयोग करनें में तीसरे स्थान पर हैं ।



"ज्ञानकुंज" परियोजना - डिजिटल इंटरैक्टिव क्लास



ज्ञानकुंज-डिजिटल इंटरैक्टिव क्लास एक स्कूल डिजिटलीकरण कार्यक्रम है जो लैपटॉप और इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल जैसे प्रौद्योगिकी उपकरणों की मदद से कक्षा की इंटरएक्टिविटी और शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है। इसका उद्देश्य शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन प्रक्रिया को सुदृढ़ करना है।

- ज्ञानकुंज कक्षा की अन्तरक्रियाशीलता और शिक्षण-सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए एक स्कूल डिजिटलीकरण कार्यक्रम है
- इंटरैक्टिव पैनल, लैपटॉप और GSHALA ई-सामग्री से सुसज्जित स्मार्ट क्लास
- 33,923 कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं से सुसज्जित किया गया
- 34,987 कक्षाओं में कार्यान्वयन प्रगति पर है
- मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत आने वाले सभी 20,000 स्कूलों को स्मार्ट क्लासरूम से सुसज्जित किया जाएगा

कंप्यूटर लैब के माध्यम से प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण



- मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत आने वाले सभी 20,000 स्कूलों को कंप्यूटर लैब से सुसज्जित किया जाना है, 6,000 कंप्यूटर लैब का कार्यान्वयन प्रगति पर है

- प्रत्येक लैब में शामिल हैं,
    - वेब कैम और हेडफ़ोन के साथ 15 डेस्कटॉप
    - 15 टेबल्स
    - 30 कुर्सियाँ
    - GSHALA LMS-आधारित ई-सामग्री

स्वमूल्यांकन

कक्षा 3 से 12 तक के छात्रों द्वारा घर पर व्हाट्सएप-आधारित स्व-अभ्यास। छात्रों की प्रगति, प्रदर्शन, गलत धारणाओं का स्वचालित मूल्यांकन और छात्रों को उनके प्रदर्शन के आधार पर उपचारात्मक वीडियो लिंक भेजना। स्कूल शिक्षकों को उनके छात्रों की प्रदर्शन रिपोर्ट दी जाती है जिसके माध्यम से वे आभासी/वास्तविक कक्षा में शिक्षण प्रक्रिया को कैलिब्रेट करने के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और शैक्षणिक सिफारिशों का उपयोग कर सकते हैं। अब तक कुल 102 परीक्षण आयोजित किए गए।

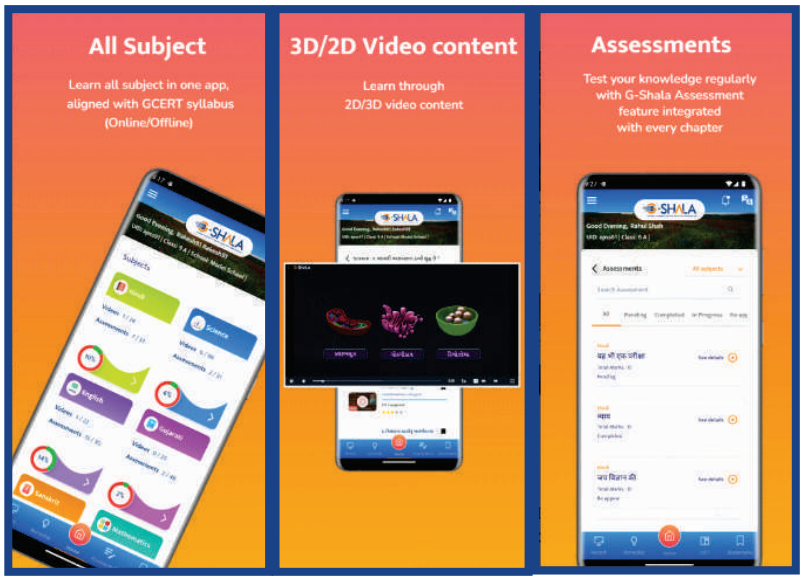


G-Shala एप

विज्ञान और वाणिज्य सहित कक्षा १ से १२ तक के सभी विषयों के लिए ई-कंटेंट (१०० विषय और १५०० अध्याय तक) के साथ एक लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) - "G-Shala(गुजरात स्टूडेंट्स होलिस्टिक एडाप्टिव लर्निंग ऐप)" तैनात किया गया है। ३० लाख से अधिक शिक्षक-छात्र पंजीकृत हैं और G-Shalaऐप का उपयोग कर रहे हैं, जो अन्तरक्रियाशीलता, प्रयोगात्मक सिमुलेशन और स्वतंत्र स्व-शिक्षा के साथ-साथ स्व-मूल्यांकन और किसी की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा और सुधार के लिए एक डैशबोर्ड के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

यह वेब-आधारित और मोबाइल एप्लिकेशन के रूप में उपलब्ध है और यह ऑनलाइन और ऑफलाइन (स्टैंडअलोन) दोनों मोड में काम करता है।

पाठ्यपुस्तक-आधारित ई-सामग्री को राज्य बोर्ड पाठ्यक्रम के लिए गुजराती माध्यम में विकसित किया गया है जिसमें एनिमेटेड वीडियो (2D और/या 3D), संदर्भ/पूरक सामग्री, सामग्री की एलओ-आधारित मैपिंग, इंटरएक्टिविटी-आधारित सामग्री, प्रयोगशाला/प्रायोगिक सिमुलेशन शामिल हैं। शिक्षकों के लिए एक प्री-क्लासरूम मॉड्यूल, स्व-मूल्यांकन मॉड्यूल, प्रशिक्षक के नेतृत्व वाले वीडियो के साथ-साथ एक अज्ञेयवादी मंच और छात्रों के लिए स्वतंत्र रूप से स्व-शिक्षण डिवाइस आदि है।



G-Shala: CwSN के लिए डिजिटल शिक्षण सामग्री और LMS

- CwSN छात्रों के लिए G-Shalaमें विशेष सुविधाएँ
- ऑडियोबुक्स (ePub)
- उपशीर्षक के साथ ई-सामग्री
- भारतीय सांकेतिक भाषा में ई-सामग्री
- स्क्रीन रीडर और पाठ्यपुस्तकों को ज़ूम इन-आउट
- प्रभावी रंग कंट्रास्ट
- गतिविधि अनुभागों, स्तरों, रोकें, सहेजें के बीच नेविगेशन में आसानी
- पूरी तरह से अंध/कम दृष्टि के लिए डिवाइस एक्सेसिबिलिटी मोड का समर्थन करता है



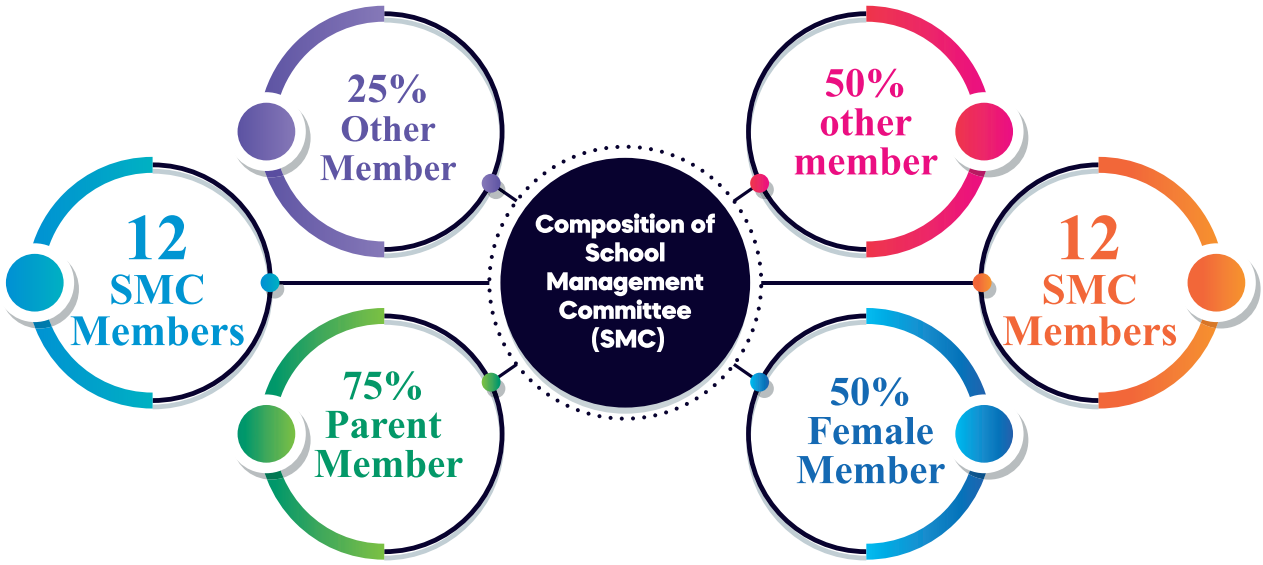


स्कूल प्रबंधन समिति (SMC/SMDC)



8 स्कूल प्रबंधन समिति (SMC/SMDC)

शिक्षा का अधिकार अधिनियम,2009 (Right to Education Act 2009) की धारा 21,गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को छोड़कर सभी विद्यालयों में एक स्कूल प्रबंधन समिति के गठन और कार्यों को अनिवार्य बनाती है। इन SMCs के सदस्यगण मुख्य रूप से एक ही विद्यालय में नामांकित बच्चों (75%) के माता-पिता हैं। समिति के सदस्यों में 50% महिलाएं होनी चाहिए। धारा 22 में स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा विद्यालय विकास योजना (SDP) तैयार करने का प्रावधान है। इसलिए, अधिकत्तर SMC से विद्यालय के कामकाज की निगरानी करने, विद्यालय विकास योजनाओं को तैयार करने और सिफारिश करने तथा सरकार, स्थानीय अधिकारियों या किसी अन्य स्त्रोत से प्राप्त अनुदान के उपयोग की निगरानी करना अपेक्षित है। SMC को हर दो वर्ष में गठित करने की आवश्यकता होती है।



स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति की संरचना

1	अध्यक्ष	विद्यालय के प्रधानाचार्य या प्रभारी आचार्य
2	सदस्य	विज्ञान से संबंधित एक शिक्षक
3	सदस्य	सामाजिक विज्ञान से संबंधित एक शिक्षक
4	सदस्य	गणित से संबंधित एक शिक्षक
5	सदस्य	भाषा/खेल से संबंधित एक शिक्षक
6	सदस्य	कला/शिल्प/संस्कृति से संबंधित एक शिक्षक
7	सदस्य	माता-पिता से एक पुरुष
8	सदस्य	माता-पिता से एक महिला
9	सदस्य	पंचायत के दो सदस्य
10	सदस्य	SC/ST समुदाय से एक सदस्य
11	सदस्य	शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदाय से एक सदस्य
12	सदस्य	महिला समूह की एक सदस्य

स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) की प्रमुख भूमिकाएँ

- स्कूल प्रबंधन समिति निम्नलिखित कार्य करेगी:
- विद्यालयमें सभी बच्चों, विशेषकर वंचित समूहों और कमजोर वर्गों के बच्चों का नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करना
- सुनिश्चित करना कि वंचित समूहों और कमजोर वर्गों के बच्चों के साथ भेदभाव न किया जाए और उन्हें प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने और पूरा
- करने से न रोका जाए।
- निगरानी करना कि सभी गैर-नामांकित और ड्रॉप-आउट बच्चों को RTEअधिनियम की धारा 4 के अनुसार नियमित स्कूल में आयु-उपयुक्त प्रवेश के लिए विशेष प्रशिक्षण में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाएँ।
- प्रारंभिक शिक्षा में दिव्यांग बच्चों की पहचान, नामांकन और भागीदारी की निगरानी करना और सुनिश्चित करना कि उनकी शिक्षा के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएं।
- सुनिश्चित करना कि RTEअधिनियम के तहत बाल अधिकार, विशेष रूप से शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न, निष्कासन और हिरासत के निषेध से संबंधित अधिकार, किसी भी समय प्रवेश के प्रावधान का अक्षरश: पालन किया जाए और वर्दी, पाठ्यपुस्तकें, मध्याह्न भोजन सहित बच्चे के अधिकारों का पालन किया जाए। दिन का भोजन आदि तुरंत उपलब्ध कराया जाय
- सुनिश्चित करना कि शिक्षक उपस्थिति में नियमितता और समय की पाबंदी बनाए रखें
- उपयुक्त सरकार या स्थानीय प्राधिकरण या किसी अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान के उपयोग की निगरानी करें और ऐसे अन्य कार्य करें जो निर्धारित किए जाएं।
- प्रत्येक SMC स्कूल विकास योजना तैयार करेगी।
- SDP में मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे के विकास, छात्रों की उपलब्धि, मौजूदा शिक्षकों की ज़रूरतें, माता-पिता की अपेक्षाएं, कक्षा लेनदेन प्रक्रिया आदि में अंतराल की पहचान शामिल है। इसलिए, SDP प्रत्येक स्कूल के लिए आवश्यकताएं प्रदान करता है जिन्हें अंततः जिला स्तर पर संकलित किया जाता है और बदले में जिले के इन सभी SIPs को एक 'एकीकृत राज्य समेकित योजना' के निर्माण के लिए राज्य स्तर पर जमा करने की आवश्यकता है।

स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति (SMDC) की प्रमुख भूमिकाएँ

- स्कूल स्तर पर आयोजन
- राज्य योजनाओं का कार्यान्वयन
- राज्य स्तर पर निगरानी और मूल्यांकन
- योजना के सभी घटकों/हस्तक्षेपों- बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक और स्कूल स्तर पर अन्य पर सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्रवाई करना
- स्कूल स्तर पर योजना के सभी घटकों/हस्तक्षेपों - बुनियादी ढांचे के साथ-साथ शैक्षणिक और अन्य पर मूल्यांकन और सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्रवाई करना स्कूल प्रबंधन और विकास समिति (SMDC) के दायरे में आता है।

- SMDC स्कूल स्तर पर योजना के सभी घटकों के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी करता है। समिति आवर्ती और गैर-आवर्ती व्यय के लिए सभी प्रासंगिक रेकॉर्ड रखती है।
- SMDC योजना के विभिन्न घटकों पर आवर्ती व्यय, आवश्यक सुविधाओं और पाठ्य पुस्तकों आदि की उपलब्धता, शिक्षकों की उपस्थिति, छात्रों की उपस्थिति, शिक्षकों और छात्रों के आचरण, गुणवत्ता पहलुओं, कानून और व्यवस्था की स्थिति सहित शिक्षा की स्थिति का निरीक्षण करता है और स्कूल परिसर के आसपास, छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति और टीकाकरण, समानता के पहलू जैसे लड़कियों, SCs, STs, BPL परिवारों और शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के बच्चों आदि के सामने आने वाली समस्याएं।

गुजरात राज्य में SMCs/SMDCs की स्थिति

गुजरात के सभी प्राथमिक और माध्यमिक सरकारी स्कूलों ने दिशानिर्देशों के अनुसार SMCs और SMDCs का गठन किया।

SMC और SMDC सदस्यों की क्षमता निर्माण के लिए समग्र शिक्षा गुजरात SMC और SMDC सदस्यों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन करता है।

- **पहले दिन का प्रशिक्षण:** समग्र शिक्षा गुजरात ने 22 जुलाई,2022 को SMC और SMDC सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला दिन आयोजित किया और 25 जुलाई,2022 को टेलीकांफ्रेंस के माध्यम से पुन: प्रसारण किया। 90 मिनट के प्रशिक्षण सत्र में, सामुदायिक गतिशीलता के राज्य अधिकारी, बालिका शिक्षा, वैकल्पिक स्कूली शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, निपुण भारत और एमआईएस शाखा ने समग्र शिक्षा की चल रही गतिविधियों को मजबूत करने में SMC/SMDC की भूमिका का मार्गदर्शन किया।

  प्रशिक्षण के पहले दिन विशेषज्ञ समग्र शिक्षा गतिविधियों और पहलों पर मार्गदर्शन देते हैं जैसा कि KGBVs में नामांकन, किशोर शिक्षा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन और भस्मक, स्कूल विकास योजना, सामाजिक ऑडिट, निजी से सरकारी स्कूलों में छात्रों का प्रवेश, SOE के 100 दिन, NMMS परीक्षा की तैयारी, सभी बच्चों के लिए समान अवसर, पैरालंपिक, परिवहन सुविधाएं, साइबर जागरूकता, स्कूल से बाहर के बच्चों का सर्वेक्षण, STP (12 महीने) के लिए प्रस्ताव, प्रवेशोत्सव के दौरान व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए जागरूकता, कैरियर मार्गदर्शन, संसाधन कक्षों के माध्यम से CWSN बच्चों को शिक्षा, स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा, मार्गदर्शन आपदा प्रबंधन, विद्याप्रवेश, प्रज्ञा कक्षाएं, बाल विकास में समुदाय की भागीदारी, मौसमी छात्रावास, बाल ट्रैकिंग प्रणाली में डेटा प्रविष्टि, स्कूलों में डिजिटल पहल का कार्यान्वयन आदि में यह सुनिश्चित करना कि UDISE विवरण स्कूल द्वारा ठीक से भरे गए हैं।

- **दूसरे दिन का प्रशिक्षण:** SMC और SMDC सदस्यों का दूसरे दिन का प्रशिक्षण 16-12-2022 को आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण BISAG के माध्यम से आयोजित किया गया था। 90 मिनट के प्रशिक्षण सत्र में, सामुदायिक गतिशीलता, बालिका शिक्षा, वैकल्पिक स्कूली शिक्षा, वित्त और लेखा, व्यावसायिक शिक्षा, NIPUN भारत और MIS शाखा के राज्य अधिकारियों ने समग्र शिक्षा की चल रही गतिविधियों को मजबूत करने में SMC/SMDC की भूमिका का मार्गदर्शन किया।
  प्रशिक्षण के दूसरे दिन विशेषज्ञ समग्र शिक्षा गतिविधियों और पहल पर मार्गदर्शन देते हैं जैसेकि स्कूल विकास योजनाएं, स्कूल ऑडिट, स्कूलों में ६ से १८ वर्ष की आयु के छात्रों का नामांकन, स्कूलों में शिक्षा सामग्री की उपलब्धता, स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समावेशी शिक्षा, CWSN बच्चों के लिए समान अधिकार और MDM सुविधाएं, बाल मित्र से संबंधित जानकारी, वंदे गुजरात चैनल, का उपयोग ओपन स्कूलिंग NIOS, स्कूल अनुदान, केंद्र प्रायोजित योजना, खाता रजिस्टर बनाए रखना, वित्त विभागों का समाधान, स्कूल स्तर पर खरीद नीति का कार्यान्वयन, स्कूल स्तर पर NCERT की पुस्तकें और PAT-SAT परीक्षा, स्कूल स्तर पर आपदा प्रबंधन और विद्यालय स्तर पर फोकल शिक्षकों की नियुक्ति आदि।

- **तीसरे दिन का प्रशिक्षण:** SMC और SMDC सदस्यों का तीसरे दिन का प्रशिक्षण 10-3-2023 को आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण BISAG के माध्यम से आयोजित किया गया था। 90 मिनट के प्रशिक्षण सत्र में, सामुदायिक गतिशीलता, बालिका शिक्षा, वैकल्पिक स्कूली शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, NIPUN भारत और MIS शाखा के राज्य अधिकारियों ने समग्र शिक्षा की चल रही गतिविधियों को मजबूत करने में SMC/SMDC की भूमिका का मार्गदर्शन किया।

  प्रशिक्षण के तीसरे दिन विशेषज्ञ समग्र शिक्षा गतिविधियों और पहलों पर मार्गदर्शन देते हैं जैसा कि कक्षा 6 से 8 में प्री वोकेशनल शिक्षा, मौसमी छात्रावास, प्रवेशोत्सव के दौरान व्यावसायिक शिक्षा के बारे में जागरूकता, कक्षा 10 और 12 के छात्रों की इंटर्नशिप, व्यवहार परिवर्तन संचार, स्कूल और MDM में स्वच्छता, SHALA SWACHTTA पुरस्कार, साक्ष्य-आधारित स्कूल विकास योजना, सीखने की निरंतरता कोविड के बाद, फोकल शिक्षक और प्रधानाध्यापक, CWSN बच्चों के लिए ब्लॉक स्तर पर संसाधन केंद्र, CWSN बच्चों के लिए योजनाएं, KGBVs में लड़कियों का नामांकन, स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम सुविधाएं आदि।

  जिला स्तर पर, सभी DPEOs, DEOs, जिला समन्वयकों, BRCs, CRCs, URCs, SMC सदस्य और SMDC सदस्य और स्कूल स्टाफ ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

प्रशिक्षण की झलक











विद्यालयी शिक्षा का व्यावसायीकरण



9 विद्यालयी शिक्षा का व्यावसायीकरण

केंद्र द्वारा माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायिकरण की प्रायोजित योजना (CSSVHSE)कौशल एवं अर्थ व्यवस्था के विकास के लिए हाल के दिनों में महत्वपूर्ण हो गया है। कौशल विकास पहलों के माध्यम से, हम बड़ी संख्या में युवाओं को उद्योग-संबंधित परियोजनाओं की ओर ले जा सकते हैं, जिससे उन्हें आजीविका के बेहतर अवसर खोजने में मदद मिलेगी।

कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए राज्य सक्रिय रहा है। कौशल विकास के कई कार्यक्रम चल रहे हैं जैसे ITIs, KVKs, और अनुदान सहायता और स्व-वित्तपोषित ITCs, आदि ये कुछ सरकारी और निजी तौर पर संचालित संस्थान हैं। भारत सरकार ने सितंबर 2011 में स्कूली शिक्षा में रोजगार योग्यता शिक्षा को एकीकृत करके माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायिकरण की एक संशोधित केंद्र प्रायोजित योजना लाई है और इस योजना को और आगे संशोधित किया गया था और अब इसे "माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायिकरण की केंद्र प्रायोजित योजना (CSSVHSE)" के रूप में जाना जाता है। RMSA ने गुजरात के कुछ माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में "उच्च माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायिकरण" की केंद्र प्रायोजित योजना की शुरुआत का प्रस्ताव रखा।

योजना का उद्देश्य

छात्र जो विद्यालय में सीख रहे हैं और उसके वास्तविक जीवन के लिए जो आवश्यक है, इसके बीच एक बड़ा अंतर है। माध्यमिक विद्यालय स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा का उद्देश्य इस अंतर को भरना और शिक्षा को व्यावहारिक और प्रासंगिक बनाना है। इस योजना के उद्देश्य से उद्योग संचालित इनपुट और एक्सपोजर के कारण इन पाठ्यक्रमों को पास करने वाले छात्रों की रोजगार क्षमता में सुधार अपेक्षित है। व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ जोड़ने से छात्रों के सीखने के परिणामों और अंतिम रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी, क्योंकि वे एक ऐसे कौशल से सुसज्जित होंगे जो उन्हें बाजार को संचालित करने और एक बेहतर अवसर खोजने में मदद करेगा।

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क (NVEQF)

NVEQF राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्रणाली के लिए सामान्य सिद्धांत और दिशानिर्देश निर्धारित करेगा, जिसमें माध्यमिक से डॉक्टरेट स्तर तक की योग्यता वाले स्कूलों, व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों और उच्च शिक्षा संस्थानों को शामिल किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप 115 में से पृष्ठ 105 को राष्ट्रीय मानकों की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के परिणामस्वरूप छात्रों के पास एकाधिक प्रवेश और निकास के साथ ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज गतिशीलता की गुंजाइश होगी। इसका उद्देश्य 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद छात्रों को रोजगार योग्य बनाने के लक्ष्य के साथ लेवल 1 (कक्षा 9वीं) पर परियोजना शुरू करना है।

गुजरात में राष्ट्रीय कौशल योग्यता परिदृश्य

वर्ष	स्कूलों की संख्या	क्षेत्र
2017-18	20	4
2019-20	102	7
2020-21	138	8
2021-22	85	8
2022-23	589	13
कुल	934	13

- कुल विद्यालय: 8 विभिन्न कार्य भूमिकाओं के साथ 345
- 2 कार्य भूमिकाओं वाले 128 विद्यालय और 1 कार्य भूमिकाओं के 217 विद्यालय
- 208 – संयुक्त (9वीं से 12 वीं), 137 – नॉन-कम्पोजिट (9वीं और 10वीं कक्षा)
- कुल स्वीकृत स्कूल: 1410 क्षेत्रों के साथ 934
- 2 ट्रेड वाले 476 स्कूल और 1 ट्रेड वाले 458 स्कूल
- 789—संयुक्त (9वीं से 12वीं कक्षा), 145—नॉन-कम्पोजिट स्कूल (9वीं और 10वीं कक्षा)

कक्षावार नामांकन विवरण इस प्रकार है

कक्षा	9वीं	10वीं	11वीं	12वीं	कुल नामांकन
नामांकन	37858	9811	2879	779	51327

गुजरात में विद्यालयों का व्यापार-वार विवरण

क्रमांक	सेक्टर	9 वीं और 10 वीं कक्षा में कार्य भूमिका	11 वीं और 12 वीं कक्षा में कार्य भूमिका	विद्यालय
1	कृषि	सोलेनिशियस फसल कृषक	फ्लोरीकल्चरिस्ट (खुली खेती)	275
2	एपेरेल मेडअप और होम फर्निशिंग	सिलाई मशीन ऑपरेटर	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर	229
3	ऑटोमोटिव	ऑटोमोटिव सर्विस तकनीशियन L-3	ऑटोमोटिव सर्विस तकनीशियन L4	73
4	ब्यूटी और वेलनेस	असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट	ब्यूटी थेरेपिस्ट	246
5	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	फील्ड तकनीशियन - अन्य घरेलू उपकरण	इंस्टालेशन तकनीशियन - कंप्यूटिंग और पेरिफेरल्स	365
6	स्वास्थ्य सेवा	घर के लिए स्वास्थ्य सहायक	जनरल ड्यूटी असिस्टेंट	17
7	खुदरा (रिटेल)	स्टोर संचालन असिस्टेंट	बिक्री सहयोगी	59
8	पर्यटन और आतिथ्य	खाद्य और पेय सर्विस ट्रेनर	ग्राहक सेवा कार्यकारी (मिलना और अभिवादन)	44
9	खेलकूद	प्रारंभिक वर्षों के सुविधा प्रदाता	लागू नहीं होता	15
10	प्लंबिंग	प्लंबर जनरल	लागू नहीं होता	14
11	IT-ITeS	घरेलू डेटा एंट्री ऑपरेटर	लागू नहीं होता	59
12	खाद्य संस्करण	बैंकिंग तकनीशियन	लागू नहीं होता	9
13	बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	माइक्रोफाइनांस कार्यकारी	लागू नहीं होता	5
			कुल	1410

व्यावसायिक शिक्षा विद्यालयों की जिले-वार संख्या:

क्रमांक	जिला	विद्यालय	कार्य भूमिकाएं	छात्र
1	अहमदाबाद	40	62	2040
2	अमरेली	40	62	2781
3	आणंद	37	68	3135
4	अरवल्ली	25	39	1355
5	बनासकांठा	64	89	4405
6	भरूच	14	24	849
7	भावनगर	14	20	1295
8	बोटाद	22	31	518
9	छोटाउदेपुर	15	24	831
10	देवभूमि द्वारका	13	22	293
11	दाहोद	35	40	1406
12	गांधीनगर	26	53	1124
13	गीर सोमनाथ	21	29	2088
14	जामनगर	11	20	731
15	जूनागढ़	40	54	2485
16	कच्छ	48	70	4007
17	खेड़ा	18	22	543
18	महेसाणा	35	64	1115
19	महीसागर	31	46	1621
20	मोरबी	24	36	1101
21	नर्मदा	21	35	1813
22	नवसारी	32	37	1416
23	पंचमहाल	65	94	1372
24	पाटण	28	46	1255
25	पोरबंदर	7	9	311
26	राजकोट	38	63	3364
27	साबरकांठा	22	31	1083
28	सूरत	21	37	972
29	सुरेंद्रनगर	23	26	527
30	तापी	10	17	193
31	डांग	17	23	443
32	वडोदरा	20	25	1124
33	वलसाड	31	48	2389
34	AMC	10	19	315
35	RMC	8	14	756
36	SMC	3	6	93
37	VMC	5	5	178
	कुल	**934**	**1410**	**51327**

व्यावसायिक प्रशिक्षण भागीदारों के साथ समझोता :

व्यापार	चयनित VTPs
स्वास्थ्य देखभाल	स्किल ट्री कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेट
ब्यूटी एवं वेलनेस	इंडस एडुट्रेन प्राइवेट लिमिटेड
खुदरा	AISCEST/ सेंटम वर्कस्किल्स
यात्रा पर्यटन	ग्राम तरंग एम्प्लॉयबिलिटी ट्रेनिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड/सेंटम वर्कस्किल्स
ऑटोमोटिव	ICA एडुस्किल्स/सेंटम वर्कस्किल्स
कृषि	ग्राम तरंग एम्प्लॉयबिलिटी ट्रेनिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड/मोज़ेक वर्कस्किल्स
एपेरेल मेडअप और होम फर्निशिंग	ग्राम तरंग एम्प्लॉयबिलिटी ट्रेनिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड /CARE
इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	निटकॉन लिमिटेड/वेलूर फैबटेक्स/LAQUSH
खेलकूद	माइंड लीडर्स लर्निंग इंडिया प्रा. लिमिटेड
प्लंबिंग	वेलूर फैबटेक्स
IT - ITeS	वेलूर फैबटेक्स
खाद्य संस्करण	वेलूर फैबटेक्स
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	वेलूर फैबटेक्स

2022-23 में की गई प्रमुख गतिविधियाँ

व्यावसायिक प्रशिक्षकों की तैनाती

- राज्य ने 934 स्कूलों के लिए सभी 1410 VT की तैनाती के लिए VTPs को कार्य आदेश जारी किया है।
- व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाताओं के सहयोग से 816 को स्कूलों में तैनात किया गया है।
- शेष 594 के लिए विजिटिंग लेक्चर अनुदान वितरित कर दिया गया है। ऐसे स्कूलों ने विजिटिंग लेक्चरर्स के सहयोग से व्यावसायिक विषय शुरू किए हैं और रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग और जिला-स्तरीय ITI प्रिंसिपलों द्वारा समर्थित जिला अधिकारियों द्वारा 15000/- रुपये प्रति माह वेतन तय किया है
- विजिटिंग लेक्चर DET और अन्य कौशल संसाधनों जैसे PMKK केंद्रों, KVK केंद्रों आदि के सहयोग से आयोजित किए जाते हैं।

प्रायोगिक उपकरणो की खरीद

रोजगार और प्रशिक्षण निदेशालय (DET) विशेषज्ञ समिति के परामर्श से क्षेत्र-वार उपकरण व इसकी सूची और प्रयोगशाला-वार विनिर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। IT समिति और GIL विशेषज्ञों द्वाराIT से संबंधित उपकरण और उपकरण विनिर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है।

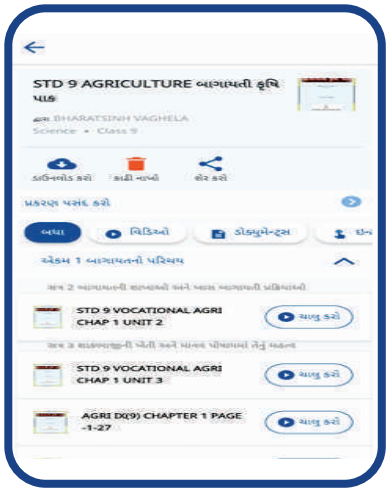
अन्य विशेषज्ञों के साथ DET प्रतिनिधि निविदा, मूल्यांकन और खरीद समिति का हिस्सा था। GeMनिविदा प्रक्रिया के माध्यम से, राज्य ने 13 कार्य भूमिकाओं के लिए सभी 934 स्कूलों में कुल 1410 व्यावसायिक प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए कार्य आदेश जारी किया है।

- 252 वोकेशनल लैब स्थापित किये गये हैं।
- 888 प्रयोगशालाओं के लिएकार्य आदेश जारी किया गया है और नमूना प्रस्तुत करने के लिए सूचित किया गया है
- शेष 270 प्रयोगशालाओं के लिएएक निविदा प्रकाशित की गई है और एक तकनीकी रूप से मूल्यांकन की प्रक्रिया में है, इसे मार्च 2023 के पहले सप्ताह तक में कार्य आदेश जारी किया जाएगा।

पाठ्यचर्या, पाठ्यपुस्तकों का अनुवाद और पुस्तकों का वितरण:

नई आवंटित कार्य भूमिकाओं के पाठ्यक्रम, छात्र और शिक्षक पुस्तिका की एक प्रति PSS केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल की वेबसाइट के साथ-साथ CBSE और अन्य राज्यों की व्यावसायिक वेबसाइटों से अन्य स्रोतों से डाउनलोड की गई है।
राज्य ने सभी 13व्यावसायिक पुस्तकों का स्थानीय गुजराती भाषा में अनुवाद किया और QR कोड के समर्थन से IT-समर्थित पुस्तकें बनाईं। अनुवादित पुस्तकों को QR कोड के रूप में Diksha पोर्टल पर अपलोड किया गया है।
राज्य द्वारा सूचीबद्ध विशेषज्ञ अनुवादकों की मदद से, उपलब्ध व्यावसायिक पुस्तकों का क्षेत्रीय भाषा (यानी गुजराती) में अनुवाद किया गया है और QR कोड के रूप में अपलोड किया गया है।
कुछ व्यावसायिक प्रशिक्षकों को कार्य-भूमिका-वार ई-सामग्री बनाने के लिए लगाया गया था और गुणवत्ता जांच के बाद इस सामग्री को राज्य व्यावसायिक यूट्यूब साइट पर अपलोड किया गया है।
(https://www.youtube.com/channel/UCmwoESXQvs9SzhXd3aZJbwA/p1av1ists)

साथ ही, छात्र उस विषय का वीडियो चलाने के लिए फिजिकल कॉपी से QR कोड को स्कैन कर सकते हैंIMAGE





इंटर्नशिप (प्रशिक्षण)

राज्य में इंटर्नशिप गतिविधियों में शामिल व्यावसायिक छात्रों का यह पहला वर्ष था। अब तक, राज्य में 8 ट्रेडों में लगभग 1300 छात्रों ने अपनी इंटर्नशिप पूरी कर ली है। छात्र आमतौर पर स्कूल या छात्रों के घरों के आसपास के नियोक्ताओं और प्रतिष्ठानों के साथ इंटर्नशिप करते हैं। लेकिन, चूंकि हमारे बहुत से छात्र ग्रामीण/आदिवासी क्षेत्रों में रहते हैं, इसलिए उन्हें गुणवत्तापूर्ण इंटर्नशिप करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। लेकिन हमारे छात्र दूरी की चुनौतियों को पार करके अच्छे नियोक्ताओं के साथ इंटर्नशिप करते हैं और काम की वास्तविक दुनिया और उसके साथ आने वाले अनुभव के बारे में सीखते हैं। हालाँकि उन्हें 500/- रुपये का डीबीटी प्राप्त हुआ है, लेकिन यह इंटर्नशिप के लिए लगातार लंबी दूरी की यात्रा को कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

VT, स्कूल HM, जिला समन्वयक जैसे सभी हितधारक यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि छात्र SoP और उनके साथ साझा किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार अपनी इंटर्नशिप पूरी करें और सुरक्षित परिसर में रहें। VT और प्रधानाचार्य को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सभी दस्तावेज दिशानिर्देशों के अनुसार हों।

मोड-नियोक्ता साइट पर





इंटर्नशिप के बारे में:

- समग्र शिक्षा दिशानिर्देशों में व्यावसायिक शिक्षा का अध्ययन करने वाले प्रत्येक उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र के लिए 80 घंटे की इंटर्नशिप अनिवार्य की गयी है
- नई शिक्षा नीति 2020 भी सभी कौशल विकास और शिक्षा कार्यक्रम में इंटर्नशिप को एकीकृत करने की सिफारिश करती है

उद्देश्य

- छात्रों को काम की दुनिया और व्यावहारिक कौशल से परिचित कराने के लिए
- छात्रों में रोजगार योग्यता कौशल विकसित करने के लिए

नियोजित नियोक्ताओं की संख्या - 140 नियोक्ता

जिलेवार इंटर्नशिप समापन:

क्रमांक	जिला	विद्यालय
1	अहमदाबाद	26
2	अमरेली	72
3	आणंद	0
4	अरवल्ली	7
5	बनासकांठा	138
6	भरूच	0
7	भावनगर	137
8	बोटाद	13
9	छोटाउदेपुर	0
10	देवभूमि द्वारका	0
11	दाहोद	0
12	गांधीनगर	147
13	गीर सोमनाथ	000
14	जामनगर	000
15	जूनागढ़	144

क्रमांक	जिला	विद्यालय
16	कच्छ	203
17	खेड़ा	000
18	महेसाणा	000
19	महीसागर	018
20	मोरबी	000
21	नर्मदा	017
22	नवसारी	000
23	पंचमहाल	071
24	पाटण	277
25	पोरबंदर	000
26	राजकोट	021
27	साबरकांठा	000
28	सूरत	052
29	सुरेंद्रनगर	052
30	तापी	000
31	डांग	216
32	वडोदरा	008
33	वलसाड	000
	कुल	**1577**

व्यापार-वार इंटर्नशिप समापन:

क्रमांक	व्यापार	छात्र
1	कृषि	441
2	एपेरेल, मेड-अप और होम फर्निशिंग	76
3	ऑटोमोटिव	42
4	ब्यूटी एवं वेलनेस	290
5	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर	336
6	स्वास्थ्य देखभाल	62
7	खुदरा	289
8	पर्यटन एवं आतिथ्य	41

लिंग-वार इंटर्नशिप समापन:

क्रमांक	लिंग	छात्र
1	महिला	831
2	पुरुष	746

इंटर्नशिप समापन समारोह और इंटर्नशिप प्रमाणन समापन समारोह को बनासकांठा जिले में निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ आयोजित किया गया था:

- इंटर्नशिप प्रमाणपत्र प्रदान करना और छात्रों को ऊर्ध्वाधर गतिशीलता के लिए प्रेरित करना
- इंटर्नशिप की स्थिरता के संदर्भ में प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों और नियोक्ताओं के योगदान को पहचानना
- VTP, स्कूलों, जिला और राज्य के बीच समन्वय को बढ़ावा देना
- व्यावसायिक शिक्षा और इंटर्नशिप के बारे में जागरूकता पैदा करना

समारोह से अपेक्षित परिणाम:

- कक्षा 12वीं व स्नातक छात्रों की ऊर्ध्वाधर गतिशीलता
- आगामी बैचों से अधिक संख्या में गुणवत्तापूर्ण इंटर्नशिप
- व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के लिए सामुदायिक गतिशीलता
- कार्यक्रम का स्वामित्व स्कूल, VTP और जिलों को हस्तांतरित करना
- स्नातक छात्रों का डेटाबेस

हाई टच कैरियर काउंसलिंग प्रोग्राम- "प्रोजेक्ट दिशा"

राज्य ने 'लेंड ए हैंड इंडिया' के साथ मिलकर गुजरात के 4 जिलों के 9 स्कूलों में 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए एक हाई-टच पायलट परामर्श कार्यक्रम, 'प्रोजेक्ट दिशा' शुरू किया है। इस हस्तक्षेप के माध्यम से, यह सुनिश्चित करना है कि छात्र ऐसे करियर में प्रवेश कर रहे हैं जो उनके लिए उपयुक्त हैऔर जिससे वे संतुष्ट हैं। इस कार्यक्रम के घटक हैं कैरियर पाठ्यक्रम, साइकोमेट्रिक मूल्यांकन, वैयक्तिकृत परामर्श और VT ओरिएंटेशन।

एक कैरियर हेल्पलाइन नंबर भी है जो छात्रों को उनकी बोर्ड परीक्षा के बाद उपलब्ध होगा।

जिला	ब्लॉक	विद्यालय ID/ UDISE	विद्यालय का नाम	सेक्टर/ व्यापार	कक्षा 12 में संख्या	लाइट-हाउस से अद्यतन की गई संख्या
अहमदाबाद	बावला	24071004404	मॉडल स्कूल-रजोदा	ब्यूटी एवं वेलनेस	23	23
जूनागढ़	माणावदर	24120905615	शासकीय गुजराती उच्च विद्यालय - बांटवा	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर	55	40
जूनागढ़	केशोद	24120805474	शासकीय एल.के. हाई स्कूल-केशोद	कृषि	16	16
जूनागढ़	जूनागढ़ निगम	24121608141	शासकीय कन्या उच्च विद्यालय जूनागढ़	एपेरेल, मेड -अप और होम फर्निशिंग	13	22
जूनागढ़	जूनागढ़ निगम	24121608141	शासकीय कन्या उच्च विद्यालय जूनागढ़	ब्यूटी एवं वेलनेस	40	41

जिला	ब्लॉक	विद्यालय ID/ UDISE	विद्यालय का नाम	सेक्टर/ व्यापार	कक्षा 12 में संख्या	लाइट-हाउस से अद्यतन की गई संख्या
पाटण	पाटण	24030324705	शासकीय श्रीमती केके कन्या उच्च विद्यालय पाटण	ब्यूटी एवं वेलनेस	34	32
पाटण	सामी	24030408118	मॉडल स्कूल सामी	ब्यूटी एवं वेलनेस	33	34
पाटण	सामी	24030408118	मॉडल स्कूल सामी	खुदरा	14	14
पाटण	संतलपुर	24030906909	मॉडल स्कूल संतलपुर	ब्यूटी एवं वेलनेस	14	14
राजकोट	गोंडल	24090202499	लड़कियों के लिए मोंघिबा हाई स्कूल	ब्यूटी एवं वेलनेस	19	19
राजकोट	जेतपुर	24090501780	श्री कुंभाणी मुनि. गर्ल्स हाई स्कूल	एपेरेल, मेड -अप और होम फर्निशिंग	12	11
राजकोट	जेतपुर	24090501780	श्री कुंभाणी मुनि. गर्ल्स हाई स्कूल	ब्यूटी एवं वेलनेस	12	9

शामिल कुल जिले: 4
कुल विद्यालय: 9
कुल लाभान्वित व्यापार/कक्षाएँ: 12
कार्यक्रम से लाभान्वित कुल छात्र: 275

विवरण में हस्तक्षेप

- संदर्भ को बेहतर ढंग से समझने के लिए परियोजना शुरू करने से पहले स्कूलों के साथ एक बेसलाइन फॉर्म साझा किया गया था।
- कार्यक्रम के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षकों का उन्मुखीकरण ताकि वे लंबी अवधि में इस प्रक्रिया में छात्रों को समान रूप से समर्थन दे सकें।
- पाँच 1:1 सत्र ऑनलाइन और ऑफलाइन)
- चार समूह सत्र (ऑनलाइन + ऑफलाइन)
- 1:1 सत्र में माता-पिता को भी शामिल करना

नये विद्यालयों के चयन से पूर्व प्रधानाचार्यों का क्षेत्रवार अभिमुखीकरण:

गुजरात में नए HMs के लिए अपने स्कूल में व्यावसायिक शिक्षा शुरू करने के लिए प्रस्ताव भेजने से पहले एक ऑनलाइन क्षेत्र-वार ओरिएंटेशन आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि प्रधानाचार्य विभिन्न क्षेत्रों की पेशकशों को समझ सकें और व्यापार के लिए अनुरोध करने से पहले उन्हें

अपने स्कूलों की जरूरतों के साथ बेहतर ढंग से जोड़ सकें। लगभग 2000 प्राचार्यों ने ओरिएंटेशन वेबिनार देखा। इसके परिणामस्वरूप, जिलों से नए स्कूलों के लिए अधिक सुव्यवस्थित प्रस्ताव आए।



कौशल प्रतियोगिता:

कौशलोत्सव युवाओं को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए समग्र शिक्षा, गुजरात की एक पहल थी। इस प्रतियोगिता के माध्यम सेहम समस्या समाधान, प्रभावी संचार और टीम वर्क जैसे कौशल विकसित करने का इरादा रखते हैं जो बाहरी दुनिया में उनके लिए फायदेमंद हो सकते हैं।934 स्कूलों के 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों ने 13 विभिन्न नौकरी भूमिकाओं में अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित करने के लिए इसे मनाया। 2041 लड़कों और 3069 लड़कियों ने अपनी व्यक्तिगत और समूह परियोजनाएं प्रस्तुत कीं जैसे जल सफाई नाव, स्केटिंग तकनीक के साथ ड्रिप सिंचाई, शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस, ईंधन बचत प्रणाली, फास्ट फूड जोन, डबल साइड पहनने योग्य कपड़े इत्यादि। सभी जिलों के विजेता समूह और व्यक्तियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उनका स्वागत किया गया जहाँ उन्हें उनकी प्रतिभा के लिए पहचाना और पुरस्कृत किया गया।





भाग लेने वाले स्कूलों की संख्या: 750
जिला स्तरीय प्रतियोगिता: 33
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता: मार्च के अंतिम सप्ताह में कराई जाएगी
कुल प्रतिभागी छात्र: 5698
कुल परियोजनाएँ: 2730

6 वीं से 8 वीं कक्षा के लिए पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा (नवाचार गतिविधि):

राज्य ने गुजरात के 491 स्कूलों में पूर्व व्यावसायिक शिक्षा लागू की है। राज्य ने लेंड ए हैंड इंडिया और PSSCIVE, भोपाल के सहयोग से मानक अनुसार (यानी, 6वीं 7वीं और 8वीं) पाठ्यक्रम और शिक्षक पुस्तिका विकसित की है। पाठ्यक्रम और पुस्तिका GCERT द्वारा अनुमोदित है और गुजराती में अनुवादित है। प्री वोकेशनल शिक्षा के बारे में ऑफ़लाइन प्रशिक्षण 491 स्कूलों के सभी जिला और ब्लॉक समन्वयकों, प्राचार्यों और नोडल शिक्षकों के साथ आयोजित किया गया। राज्य स्तर से प्रति स्कूल 12000/- का अनुदान वितरित किया गया है। स्कूल की मौजूदा सुविधाओं का उपयोग प्री वोकेशनल शिक्षा के संचालन के लिए किया जाना है। स्कूलों में स्थापित प्रयोगशालाओं या कार्यशालाओं का उपयोगव्यावसायिक गतिविधियों के संचालन के लिए किया गया।

क्रमांक	जिला	विद्यालयों की संख्या
1	अहमदाबाद	22
2	अमरेली	15
3	आणंद	14
4	अरवल्ली	10
5	बनासकांठा	40
6	भरूच	15
7	भावनगर	22
8	बोटाद	7
9	छोटाउदेपुर	18
10	देवभूमि द्वारका	6
11	दाहोद	25
12	गांधीनगर	5
13	गीर सोमनाथ	13
14	जामनगर	5
15	जूनागढ़	8
16	कच्छ	26
17	खेड़ा	16
18	महेसाणा	10
19	महीसागर	7
20	मोरबी	10
21	नर्मदा	7
22	नवसारी	11
23	पंचमहाल	24
24	पाटण	22
25	पोरबंदर	3
26	राजकोट	13
27	साबरकांठा	23
28	सूरत	22
29	सुरेंद्रनगर	24
30	तापी	17
31	डांग	4
32	वडोदरा	11
33	वलसाड	16
	कुल	**491**

प्रशिक्षण का विवरण: यह PAB में अनुमोदित पहले 491 स्कूल थे, जिन्हें ६वींसे ८वीं कक्षा में नामांकन, प्रत्येक जिले के सभी ब्लॉकों पर विचार और नोडल बनने के लिए शिक्षकों की उपलब्धता जैसे कुछ मानदंडों के साथ शॉर्टलिस्ट किया गया था।

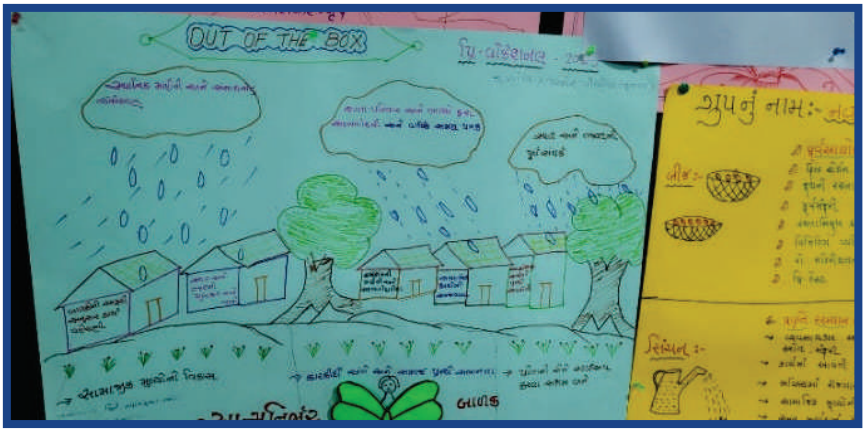
इसके आधार पर 491 स्कूलों का चयन किया गया और GCERT में 4 दिनों के लिए प्रत्येक दिन लगभग 125 बैचों में एक अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना बनाई गई, जिसमें हल्की शिक्षण गतिविधियाँ भी शामिल थीं। त्वरित संदर्भ के लिए फोटोग्राफ नीचे संलग्न हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें प्री-वोकेशनल गतिविधियों के लिए डिज़ाइन किए गए मॉड्यूल और पीपीटी और NEP 2020 (पैरा 4.26) के संपूर्ण विचार साझा किए गए। संपूर्ण गतिविधि के बाद सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरण किया गया।











उदाहरण के लिए: लवाड प्राथमिक शाला (पहल)

श्रीमती स्वरूप संपत रावल और स्कूल स्टाफ की मदद से 10 दिवसीय बैगलेस गतिविधि आयोजित की गई। जिन गतिविधियों पर विचार किया गया उनमें शारीरिक और मौलिक कार्य शामिल थे जैसे सूर्यनमस्कार, आदित्य हृदयम स्तोत्र, हाथ से छपाई, मिट्टी के बर्तन बनाना, फोटोग्राफी, सौर ऊर्जा, कृषि आदि जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, जहाँ अन्य स्कूलों में ITI दौरे, गौशाला दौरे, डेयरी दौरे आदि किए गए थे।







सभी स्कूलों को दिए गए प्रशिक्षण पर आधारित सभी गतिविधियाँथीं जिनमें शामिल हैं:

1)स्थानीय स्तर यानी स्कूल स्तर पर गतिविधियों की संक्षिप्त सूची बनाना

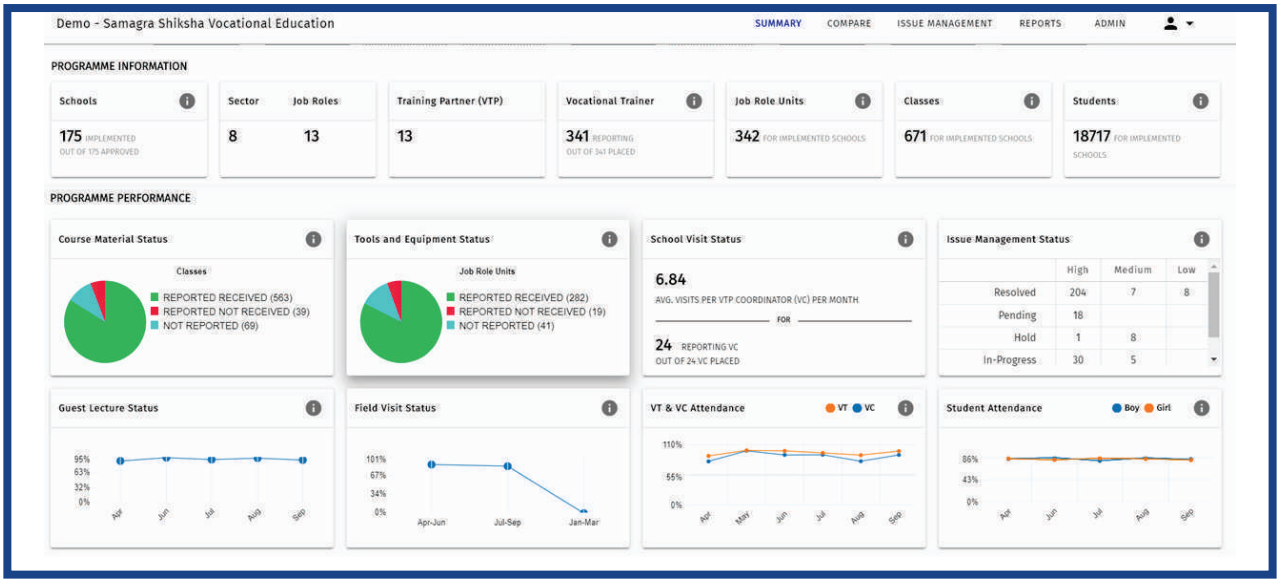
2) शिक्षकों और छात्रों की मदद से गतिविधि से पहले किए जाने वाले कार्यों की सूची बनाना

3) गतिविधि के दौरान कार्यों की संक्षिप्त सूची बनाना

4)योजनाबद्ध गतिविधि के बाद गतिविधि का सारांश

5)उन्हें विभिन्न विषयों से सम्बंधित सीखने के परिणामों (LO) के साथ जोड़ना

निगरानी और मूल्यांकन एप्लिकेशन - "लाइटहाउस" राज्य ने योजना की बेहतर निगरानी और मूल्यांकन के लिए लेंड ए हैंड इंडिया की मदद से "लाइटहाउस" नामक एक निगरानी और मूल्यांकन एप्लिकेशन विकसित किया है।



इस बार हमने प्रधानाचार्य, जिला संसाधन व्यक्ति और व्यावसायिक प्रशिक्षकों के साथ समन्वय के बाद सभी नामांकन विवरण PMS पोर्टल पर अपलोड कर दिए हैं। XIवीं कक्षा में कम नामांकन और छात्रों के लिए करियर काउंसलिंग पोर्टल का लाभ उठाने पर चर्चा करने के लिए वीटीपी के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसके बाद व्यावसायिक प्रशिक्षण भागीदारों की कार्य समीक्षा की गई।

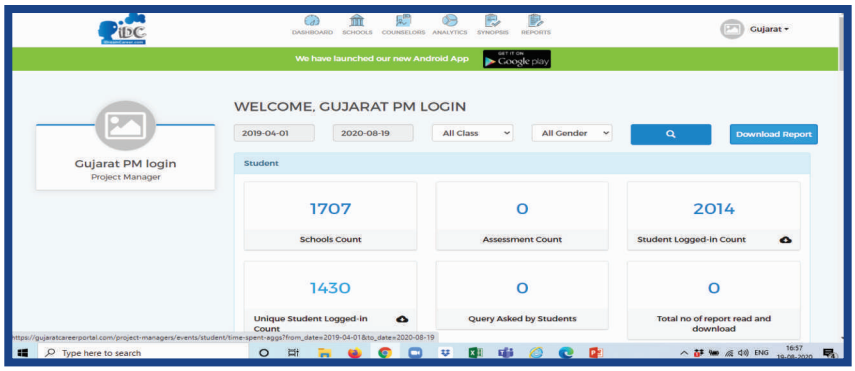
व्यावसायिक शिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा के कर्मचारी व्यावसायिक प्रशिक्षकों द्वारा भेजी गई दैनिक रिपोर्टिंग के माध्यम से VT'sद्वारा स्कूलों में वर्ष के दौरान होने वाली हर गतिविधि की सुविधा और निगरानी करते हैं, जिसमें स्थान और उनके द्वारा पूरा किए गए कार्य भी शामिल हैं, साथ ही व्यावसायिक कार्यों की निगरानी जिला स्तर पर संसाधन के रूप में व्यक्ति द्वारा की किया जाता है, जिसमें स्कूलों को अनुदान आवंटन, नियमित आधार पर प्रधानाचार्यों के साथ बैठक और स्कूल स्तर पर प्रयोगशालाओं की स्थापना की निगरानी शामिल है।

गुजरात कैरियर काउंसलिंग पोर्टल:

समग्र शिक्षा, गुजरात ने सरकारी और अनुदानित स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 9-12 तक के सभी छात्रों के लाभ के लिए एक कैरियर काउंसलिंग पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल के माध्यम से हम लाखों छात्रों को जानकारी के लिए एक मंच प्रदान करके उन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। सर्वश्रेष्ठ कॉलेज, प्रासंगिक करियर विकल्प और संबंधित सहायता के माध्यम से यह पोर्टल समग्र शिक्षा, UNICEF और आई ड्रीम करियर के बीच सहयोग का परिणाम है। इस पोर्टल के माध्यम से, छात्रों, शिक्षकों और मास्टर प्रशिक्षकों के पास अद्वितीय आईडी और वैयक्तिकृत प्रोफाइल होंगे ताकि छात्र कुशलतापूर्वक काम कर सकें ओर अपनी आकांक्षाओं, लक्ष्यों और कौशलों के अनुसार करियर संबंधी रुचियों की तलाश कर सकें।

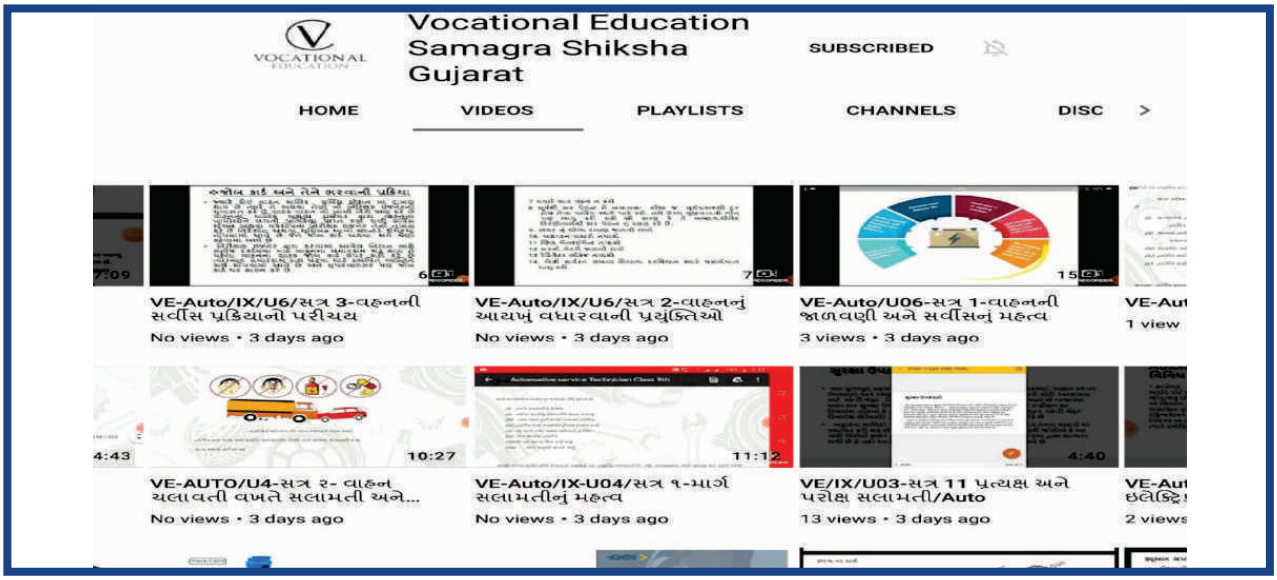
अब तक लगभग 10.00 लाख छात्र इस पोर्टल का उपयोग कर चुके हैं।

www.gujaratcareerportal.com





मूल्यांकन हेतु परीक्षा पैटर्न का मसौदा तैयार करने के लिए गुजरात शिक्षा बोर्ड के साथ समन्वय करना:



समग्र शिक्षा गुजरात और गुजरात राज्य शिक्षा बोर्ड ने व्यावसायसे सम्बंधित 5 नई कार्य भूमिकाओं के लिए परीक्षा पैटर्न का मसौदा तैयार करने के संबंध में एक संयुक्त बैठक की, परीक्षा की वर्तमान संरचना के अनुसार व्यावहारिक, सिद्धांत और आंतरिक अंकों के 50:30:20 अनुपात को व्यावसाय के लिए उपयुक्त माना जाएगा। क्योंकि यह शिक्षा कक्षा 10 के छात्र के लिए सीखने के व्यावहारिक दृष्टिकोण पर जोर देती है। इसलिए उसी पैटर्न को अपनाया गया है और गुजरात शिक्षा बोर्ड द्वारा इसका मसौदा तैयार किया गया है।

इसके अलावा, राज्य ने प्रत्येक विषय के लिए नौकरी की भूमिका के अनुसार ब्लूप्रिंट तैयार किया है जिसमें मूल्यांकन पैटर्न (यानी 1 अंक, 2 अंक और 3 अंक के प्रश्न) और मूल्यांकन के लिए अध्याय वार वेटेज शामिल है।

आभासी कक्षा:

कुछ विद्यालयों में जहाँ प्रारंभ में VTs की तैनाती नहीं की गई थी, वहां आभासी कक्षाओं के माध्यम से अतिथि व्याख्याताओं की तैनाती की गई ताकि छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो।

व्यावसायिक YouTube चैनल:

- YouTube चैनल पर पहले से चल रहे 8व्यापारों (ट्रैड्स) से अद्यतन सामग्री:
- कृषि
- एपेरेल, होम मेडअप एवं फर्निशिंग
- ऑटोमोटिव
- इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर
- ब्यूटी एवं वेलनेस
- पर्यटन और आतिथ्य
- खुदरा
- स्वास्थ्य देखभाल

चैनल का मुख्य उद्देश्य छात्रों के साथ व्यावसायिक ई-कंटेंट को बेहतर तरीके से साझा करना है। ये वीडियो विशेषज्ञों द्वारा विकसित किए गए थे और इनका उद्देश्य छात्रों के लिए सीखने को आसान और मजेदार बनाना था।

चैनल पर वर्तमान में 375 वीडियो और 12000 से अधिक दर्शक हैं, जो नियमित रूप से वीडियो का लाभ उठाते हैं। सभी प्रासंगिक सामग्री नियमित रूप से YouTube चैनल पर अपलोड की जाती है।

ऑनलाइन कैरियर वेबिनार श्रृंखला

विभिन्न क्षेत्रों और संगठनों के विशेषज्ञों द्वारा गुजरात ई क्लास You tube चैनल के माध्यम से पूरे गुजरात में सभी छात्रों के लिए 11 ऑनलाइन वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित की गई। वेबिनार श्रृंखला का उद्देश्य उन्हें अपनी ताकत और कमजोरियों के बारे में अधिक जागरूक बनाना था। छात्रों को हाई स्कूल के बाद उनके लिए उपलब्ध विभिन्न कैरियर मार्गों की ओर भी उन्मुख किया गया। वे उन तरीकों में भी कुशल थे जिनसे वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए योजना बना सकते हैं। इस श्रृंखला को ऑनलाइन 20 हजार से ज्यादा बार देखा गया।

सत्र का नाम	सत्र का उद्देश्य
उद्घाटन	वेबिनार श्रृंखला का परिचय देना और छात्रों का मार्गदर्शन करना
खुद को जानें	(I) उन कारकों (स्वयं में) की व्याख्या करना जो करियर विकल्पों यानी रुचियों, ताकत, मूल्य, व्यक्तित्व प्रकार को प्रभावित करते हैं, (ii) छात्रों को प्रतिबिंब अभ्यास में मार्गदर्शन करना और उनके और उनके संभावित करियर पथ के बारे में उनके विचारों को एकत्रित करने के लिए उपकरण/वर्कशीट/ गतिविधियां प्रदान करना।
10वीं और 12वीं के बाद विकल्प	(I) छात्रों को विज्ञान, वाणिज्य और कला धाराओं में उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में सूचित करना
STEM करियर	(I) विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में करियर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना
वाणिज्य करियर	(I) वाणिज्य, वित्त और विपणन में करियर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना
मानविकी करियर	(i) मानविकी में करियर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना
ऑफबीट करियर पथ	(i) छात्रों को ऑफ-बीट (अपरंपरागत) करियर पथ पर उन्मुख करना

उद्यमिता	(I) छात्रों को उद्यमिता, एक उद्यमी के गुणों और कौशल पर उन्मुख करना और भारत सरकार द्वारा स्टार्ट अप योजनाओं के बारे में जानकारी देना
CWSN के लिए अवसर	(i) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए कैरियर पथ की व्याख्या करना
काम की दुनिया से जुड़ें	(I) छात्रों को परियोजनाओं, इंटर्नशिप, प्रशिक्षुता के माध्यम से काम की दुनिया से कैसे जुड़ें और उनके सॉफ्ट कौशल को बेहतर बनाने पर काम करने के लिए उन्मुख करना
लक्ष्य निर्धारण और कार्य योजना	(I) छात्रों को स्मार्ट लक्ष्य निर्धारित करने, मील के पत्थर बनाने और उनके सपनों के करियर तक पहुंचने के लिए कार्य संरचनाओ की योजना बनाने में मदद करना

गुजरात ई क्लास You tube चैनल - Career Guidance Series -YouTube

CWSN के लिए व्यावसायिक शिक्षा (नवाचार गतिविधि):

राज्य ने 100 ब्लॉक संसाधन केन्द्रों में व्यावसायिक शिक्षा संचालित करने के लिए NIOS के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के लिए विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। राज्य ने औजारों और उपकरणों की खरीद के लिए स्कूलों को अनुदान जारी किया है। राज्य द्वाराविशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए व्यावसायिक शिक्षा के क्रियान्वयन हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तरीय समन्वयक का 2 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

सितंबर-2022 माह में संबंधित विशेष शिक्षकों, व्यावसायिक प्रशिक्षकों, विशेषज्ञों और अभिभावकों को आवश्यक दिशानिर्देश और सहायता प्रदान की गई।

कुल 100 ब्लॉक स्तरीय संसाधन कक्ष क्रियाशील हैं और श्रवण बाधित, बौद्धिक अक्षमता, सीखने की अक्षमता, कम दृष्टि और पूरी तरह से दृष्टिबाधित 1387 बच्चे व्यावसायिकता के तहत निम्नलिखित गतिविधियों का लाभ उठा रहे हैं:

1.एप्रेल

2.कागजी कला

3.योग

4.ब्यूटी थेरपिस्ट

5.डेटा एंट्री ऑपरेशन

6.स्थानिक कला गतिविधियाँ आवृत की गईं हैं

राज्य ने नवंबर 2022 से CwSN के लिए व्यावसायिक शिक्षा शुरू की थी। राज्य और जिला कार्यालय ने व्यावसायिक प्रशिक्षकों और अतिथि व्याख्याताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 25 जिलों के कुल 100 संसाधन कक्ष को शामिल किया गया है। कार्यक्रम CwSN छात्रों की आवश्यकता और सुविधा के अनुसार और PwD के सेक्टर स्किल काउंसिल के दिशानिर्देश के अनुसार कार्यान्वित किया जा रहा है।

वर्ष 2022-23 में राज्य ने स्थानीय संसाधनों जैसे ब्लॉक और क्लस्टर स्तर के संसाधन कक्ष, विशेष प्रशिक्षकों और शिक्षकों, एनजीओ समर्थन और व्यावसायिक विशेषज्ञों और व्यावसायिक प्रशिक्षकों के समर्थन के साथ गतिविधियों को संचालित करने के दृष्टिकोण को लागू किया था।

राज्य संस्थागत क्षमता निर्माण

व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने से जुड़े सभी हितधारकों को कुशल बनाने के लिए राज्य ने पूरे वर्ष कई प्रशिक्षण आयोजित किए। ये प्रशिक्षण सत्र व्यक्तिगत रूप से आयोजित किए गए थे।

व्यावसायिक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण:

PSSCIVE, भोपाल की मदद से, राज्य ने भोपाल में नीचे उल्लिखित VT प्रशिक्षण आयोजित किया है:

- ऑटोमोटिव क्षेत्र में 10 VTs के लिए ऑटोमोटिव सेवा तकनीशियन पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- 35VTs के लिए व्यावसायिक शिक्षाशास्त्र पर मास्टर प्रशिक्षक विकसित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- जिलों द्वाराVTs के लिए मासिक ऑनलाइन प्रशिक्षण समीक्षाआयोजित किया गया था।

व्यावसायिक शिक्षा पर DRP, BRP और RAMSA समन्वयकों का प्रशिक्षण:

राज्य में व्यावसायिक शिक्षा योजना और उसमें उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में उन्हें उन्मुख करने के लिए सभी DRPs, BRPs और RMSA समन्वयकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी।

व्यावसायिक स्कूलके प्रधानचार्यों के लिए ओरिएंटेशन:

SSA के बाद से, गुजरात ने व्यावसायिक शिक्षा (VE) शुरू करने के लिए 589 नए स्कूलों को शामिल किया है। नए स्कूलों के शामिल होने के साथ, गुजरात में VE वाले स्कूलों की कुल संख्या बढ़कर 934 हो गई। सभी 934 प्रधानचार्यों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन उन्हें व्यावसायिक शिक्षा योजना, कार्यान्वयन की मूल बातें (VT-VTP मॉडल, लैब) के बारे में समझाने के लिए किया गया था। कार्यशाला में नए स्कूल प्रधानचार्य और मौजूदा VE स्कूल प्रधानचार्य दोनों थे। ऐसा अनुभवी और नए बोर्ड में शामिल हितधारकों के बीच जुड़ाव और बातचीत बढ़ाने के लिए किया गया था। ओरिएंटेशन में हमारे पास सरकारी और अनुदान सहायता प्राप्त दोनों स्कूलों के प्रतिभागी थे।

उपस्थितगण:

प्राचार्य/प्रभारी- 934
जिला समन्वयक- 37
ब्लॉक समन्वयक- 87
RMSA समन्वयक-18

प्री-वोकेशनल के लिए HM और नोडल शिक्षक अभिविन्यास:

राज्य ने 491 स्कूलों में प्री-वोकेशनल शिक्षा शुरू किया जिसके लिए प्री-वोकेशनल क्रियान्वित विद्यालयों के सभी प्रधानाध्यापकों एवं नोडल शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुरू किया। प्री-वोकेशनल क्रियान्वित विद्यालयों के सभी प्रधानाध्यापकों एवं नोडल शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कैरियर मार्गदर्शन पर ARVE और RMSA समन्वयकों का प्रशिक्षण

छात्रों के लिए करियर मार्गदर्शन के महत्व के बारे में सभी जिला ARVE और RMSA समन्वयकों को कुशल बनाने के लिए UNICEFके सहयोग से राज्य में एक दिवसीय करियर मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित की गई। राज्य ने प्रतिभागियों को बेहतर ढंग से उन्मुख करने के लिए कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श के क्षेत्र से विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया।

DRPs,प्रधानचार्यों, VTs, प्रधानचार्यों और VTPs का प्रशिक्षण

छात्रों के लिए करियर मार्गदर्शन के महत्व के बारे में सभी जिला ARVE और RMSA समन्वयकों को कुशल बनाने के लिए UNICEF के सहयोग से राज्य में एक दिवसीय करियर मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित की गई। राज्य ने प्रतिभागियों को बेहतर ढंग से उन्मुख करने के लिए कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श के क्षेत्र से विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया।

आगामी वर्ष के लिए कार्य योजना

राज्य में 934 स्वीकृत स्कूलों में से 22 कार्य भूमिकाओं वाले तथा 14 स्कूल छात्रों और अभिभावकों की अनिच्छा, वोकेशनल लैब स्थापित करने के लिए अपने स्कूलों में अतिरिक्त कमरों की अनुपलब्धता, आदि जैसे कारणों से व्यावसायिक शिक्षा का कार्यान्वयन शुरू करने में असमर्थ थे। इनके अलावा, 38 स्कूलों ने उनके लिए स्वीकृत दो कार्य भूमिकाओं में से एक कार्य भूमिका छोड़ दी है।

934 स्वीकृत स्कूलों में से 41 स्कूलों को जिले के अन्य स्कूलों से बदला जा रहा है। ऐसा प्रतिस्थापन में शामिल स्कूलों की जरूरतों और मांगों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

80 से अधिक छात्रों के नामांकन वाले 934 स्कूलों में से 4 ने अपने स्कूल में एक नई कार्य भूमिका जोड़ने का प्रस्ताव दिया है।

राज्य ने सभी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय के HMs को व्यावसायिक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों की ओर उन्मुख करने के लिए एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया था। इसके बाद, सभी जिलों ने अपने-अपने जिले के स्कूलों से प्रस्ताव एकत्र किए और उन्हें राज्य के साथ साझा किया। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा शुरू करने के लिए कमरे की उपलब्धता, उच्च नामांकन, छात्रों और अन्य हितधारकों की इच्छा पर विचार किया है।

राज्य ने संबंधित जिलों के अनुरोध पर निम्नलिखित स्कूलों का चयन और उन्हें प्रस्तावित करने का निर्णय लिया है:

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रस्तावित स्कूलों की जिलेवार संख्या इस प्रकार है:

क्रमांक	जिला	विद्यालय	कार्य भूमिका	छात्र	विद्यालय छोड़ देनेवाले	छोड़ी गई कार्य भूमिकाएं	विस्थापित विद्यालय	कार्य भूमिका	एकल कार्य वाले स्कूल	स्कूल जिसमें 1 कार्य भूमिका जोड़ी जानी है	नए विद्यालय	नया क्षेत्र
1	अहमदाबाद	40	62	2040			4	6			10	18
2	अमरेली	40	62	2781			2	2	1		7	9
3	आणंद	37	68	3135							15	25
4	अरवल्ली	25	39	1355			1	2			17	26
5	बनासकांठा	64	89	4405							27	39
6	भरूच	14	24	849					3	1	10	10
7	भावनगर	14	20	1295							4	7
8	बोटाद	22	31	518	1	2	1	1			0	0
9	छोटाउदेपुर	15	24	831							4	7
10	देवभूमि द्वारका	13	22	293							0	0

11	दाहोद	35	40	1406	5	5	4	5	1	1	0	0
12	गांधीनगर	26	53	1124							0	0
13	गीर सोमनाथ	21	29	2088			1	1			11	16
14	जामनगर	11	20	731					1		6	12
15	जूनागढ़	40	54	2485			2	2	6		8	11
16	कच्छ	48	70	4007			3	5			4	6
17	खेड़ा	18	22	543			1	1	1		31	46
18	महेसाणा	35	64	115	5	9	3	4	1		1	1
19	महीसागर	31	46	1621							30	54
20	मोरबी	24	36	1101	3	6	1	1	1		0	0
21	नर्मदा	21	35	1813							13	20
22	नवसारी	32	37	1416							65	83
23	पंचमहाल	65	94	1372			5	6	15		25	37
24	पाटण	28	46	1255			1	1	3		13	19
25	पोरबंदर	7	9	311							3	4
26	राजकोट	38	63	3364			4	7	3		7	8
27	साबरकांठा	22	31	1083							27	38
28	सूरत	21	37	972			2	3	1		11	20
29	सुरेंद्रनगर	23	26	527						2	8	11
30	तापी	10	17	193							27	50
31	डांग	17	23	443							6	6
32	वडोदरा	20	25	1124			3	3			13	16
33	वलसाड	31	48	2389			2	4			8	9
34	AMC	10	19	315							28	49
35	RMC	8	14	756							0	0
36	SMC	3	6	93					1		0	0
37	VMC	5	5	178			1	1			2	4
	कुल	**934**	**1410**	**51327**	**14**	**22**	**41**	**55**	**38**	**4**	**439**	**662**



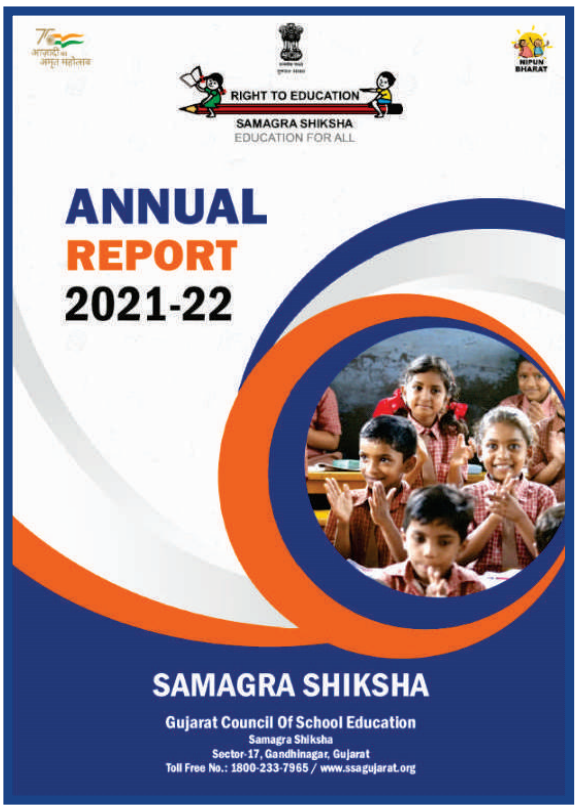
मीडिया घटक और समुदाय एकीकरण



10 मीडिया घटक और समुदाय एकीकरण

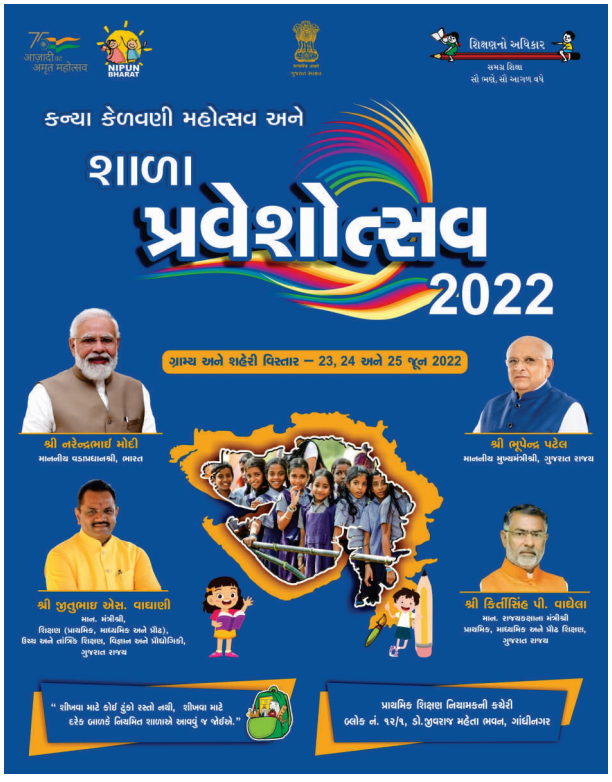
- रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, समग्र शिक्षा की नई पहलों और कार्यक्रमों के बारे में शिक्षा प्रशासकों, स्कूल स्टाफ, SMC/SMDC, समुदाय के सदस्यों और अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ लागू की गईं। जनता तक सूचना प्रसारित करने के लिए विभिन्न मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग किया गया है। इसमें किये गए पहल निम्नलिखित हैं:
- माननीय प्रधान मंत्री जी के विद्या समीक्षा केन्द्र के दौरे के अवसर पर सूचना विभाग के पैनल में शामिल सभी समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराया।
- जून 2022 में महात्मा मंदिर, गांधीनगर में आयोजित शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के लिए विपणन(मार्केटिंग) अभियान की योजना बनाई।
- अक्टूबर 2022 में प्रधान मंत्री द्वारा उत्कृष्टता विद्यालयों के शुभारंभ के लिए विपणन और जन जागरूकता अभियान आयोजित किए गए।
- 23 से 25 जून 2022 को ग्रामीण और शहरी स्तर पर 3 दिवसीय प्रवेशोत्सव 2022-23 का आयोजन किया गया। इस पर जागरूकता बढ़ाने के लिए समाचार पत्र में ब्रोशर, बैकड्रॉप, मॉड्यूल, पैम्फलेट, होर्डिंग्स और विज्ञापन मुद्रित किए गए।
- प्रवेशोत्सव, उत्कृष्ट विद्यालय, निपुण भारत, KGBV की विभिन्न गतिविधियों और सफलता की कहानियों, ज्ञान शक्ति आवासीय विद्यालय, ज्ञान संगम आदि पर वृत्तचित्र फिल्में बनाई गईं।
- समग्र शिक्षा गतिविधियों/हस्तक्षेपों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए टीवी-9 गुजराती चैनल पर एक शैक्षिक ई-संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- राज्य के सभी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों और KGBVs में दो अभिभावक सम्मेलन आयोजित किए गए।
- वार्षिक रिपोर्ट-2021-22 अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में मुद्रित की गई और उसे MoEके साथ साझा किया गया।



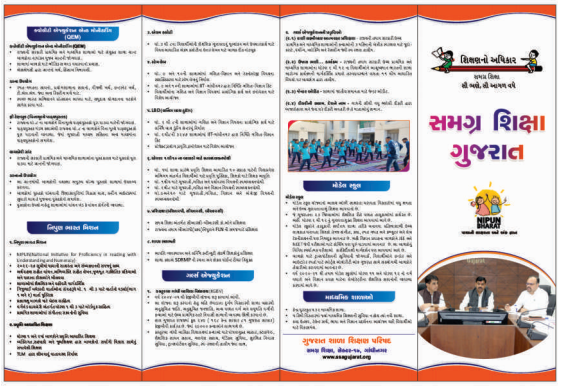



Azadi Ka Amrit Mahotsav
Government of Gujarat
કન્યા કેળવણી
મહોત્સવ અને
શાળા પ્રવેશોત્સવ
૨૦૨૨
શિક્ષણ એ સરકારનો
એકમાત્ર વિભાગ નથી,
પણ કેળવણીની એક શાખા છે.
ગ્રામ્ય અને શહેરી વિસ્તાર - ૨૩, ૨૪, અને ૨૫ જૂન ૨૦૨૨


Azadi Ka Amrit Mahotsav
Government of Gujarat
કન્યા કેળવણી
મહોત્સવ અને
શાળા પ્રવેશોત્સવ
૨૦૨૨
ગ્રામ્ય અને શહેરી વિસ્તાર - ૨૩, ૨૪, અને ૨૫ જૂન ૨૦૨૨
શિક્ષણ એ સરકારનો એકમાત્ર વિભાગ નથી, પણ કેળવણીની એક શાખા છે.


Azadi Ka Amrit Mahotsav
NIPUN BHARAT
શિક્ષણનો અધિકાર
કન્યા કેળવણી મહોત્સવ અને
શાળા
પ્રવેશોત્સવ
2022
ગ્રામ્ય અને શહેરી વિસ્તાર – 23, 24 અને 25 જૂન 2022
શ્રી નરેન્દ્રભાઈ મોદી
માનનીય વડાપ્રધાનશ્રી, ભારત
શ્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલ
માનનીય મુખ્યમંત્રીશ્રી, ગુજરાત રાજ્ય
શ્રી જીતુભાઇ એસ. વાઘાણી
માન. મંત્રીશ્રી,
શિક્ષણ (પ્રાથમિક, માધ્યમિક અને ઉચ્ચ),
દિવ્ય અને તાંત્રિક શિક્ષણ, વિજ્ઞાન અને પ્રૌદ્યોગિકી,
ગુજરાત રાજ્ય
શ્રી કિર્તીસિંહ પી. વાઘેલા
માન. રાજ્યકક્ષાના મંત્રીશ્રી
પ્રાથમિક, માધ્યમિક અને ઉચ્ચ શિક્ષણ,
ગુજરાત રાજ્ય
" શીખવા માટે કોઈ દુંડો રસ્તો નથી, શીખવા માટે
દરેક બાળકે નિયમિત શાળાએ આવવું જ જોઈએ."
પ્રાથમિક શિક્ષણ નિયામકની કચેરી
બ્લોક નં. ૧૨/૧, ડો.જીવરાજ મહેતા ભવન, ગાંધીનગર


Quality, Education and Monitoring (QEM)
Nipun Bharat Mission
Girls Education
Secondary Schools
Gujarat School Education Council
Right to Education
Samagra Shiksha Gujarat
Model School


શિક્ષણનો અધિકાર
સમગ્ર શિક્ષા
સૌ ભણે, સૌ આગળ વધે
સમગ્ર શિક્ષા ગુજરાત
મૉડેલ સ્કૂલ
માધ્યમિક શાળાઓ
ગુજરાત રાજ્ય વિદ્યાયન પરિષદ



शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा

सब के लिए शिक्षा

गुजरात स्कूल शिक्षा परिषद

समग्र शिक्षा

सेक्टर-17, गांधीनगर, गुजरात

टोल फ्री संख्या: 1800-233-7965 | www.ssagujarat.org